

PUBLISHED BY AUTHORITY

मं० 337

नर्द्र विस्ली, शनिवार, अगस्त 16, 1980 (श्रावण 25, 1902)

No. 33]

NEW DELIH, SABURDAY, AUGUST 16, 1980 (SRAVANA 25, 1902)

इस भाग में भिन्म पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Seperate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग ॥ -- खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्छ ग्यायालयों, नियन्त्र ह और महालेखापरीक्षक, संघ लोड़ सेवा अक्ष्योम, रेल विश्वास और भारत सम्बद्धिर के संस्कृत और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की मई अधिमूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Compission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा द्यायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 मई 1980

स्० ए०-32014/3/80-प्रणा०-II—सिष्यं, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नलिखित प्रधिकारियों को प्रधीक्षक (त० सं०) के पद पर ए० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-14000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान मे प्रत्येक के सामने निर्माहण्ड तारीख से प्राप्यभ में छह मास की प्रतिरियत मन्धि के लिए प्रथया प्रामामी प्रादेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ प्रधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियक्त किया जाता है।

	water in the same		ग्रधीक्षक
	ऋम सं०	नाम	(त०सं०)
गुणिया प्रधिसूचनाएं			के पदपर नियुक्ति की तारी ख
1	2	3	4
ा. मं०ए० 3201 प्रशा-II, हि 1⊾0-1-80		. श्री एस० पी० बंसल, श्र० ग्र० (त० सं०) ।.	12-5-80 पूर्वाह्न
I—196GI/80			

1	2	3	4
3. 7 4. 7	एफ० 2/34/69-स्था० (क) (I), दिनांक 1 19-2-1970 नं० ए० 32016/2/70- प्रणा० (I), दिनांक 24-12-70 । नं० ए० 32016/8/72- प्रणां-II, दिनांक 7-4-73 । नं० ए० 32016/4/75- प्रणां-II, दिनांक 25-8-75।	2. श्री वी० श्राप्तः भूग्ता, श्र० श्र० (त० स०)। 3 श्री एस० स० मस्ताना, श्र० श्र० (न० स०)। 4. श्री एम० एम० शर्मा, सहायक श्रम्थ क्षक (हाल) 5. श्री जमकी श लाल सहायक श्रमीकृत (हाल) 6. श्रीमती डी० ज्ञ० लक्ष्यामी सहायक श्रमीकृत (हाल)	ी 2-5- ह 0 (पूर्वाह्न)
6. 3	तं० ए० 12019/9/77- प्रफा०-∐, दिनोक 10-4-78।	7. भी मृती र एज सेठी । सङ्ख्यास ग्रम्थीक्षक (हाल) ।	

1	2	3	4
-		8. कुमारी सुदर्शन	
		्रहोडा, सहायक	
		ग्रधीक्षक (हाल) ^ग ्।	
7. सं ० ए	ره 12019/9/	9. श्री ग्रार० ग्रार०	14-5-80
7 7-प्रश	ग०-Ⅲ, दिनांक	भारद्वाज , सहायक	(अपरान्ह)
17	-7-78 l	श्रधीक्षक (हाल)	•
	=		

- 2. उपर्युक्त ग्रिधिकारी नोट कर लें कि ग्रिधिक (त० मं०) के पद पर उनकी तदर्थ नियुक्ति से उन्हें नियमित विश्वयन का ग्रथवा उक्त ग्रेष्ठ में विरिष्टता का स्वतः हक नहीं मिलेगा।
- 3. हाशिये में निदिष्ट अधिसूचनात्रों/आदेशों को 12-5-1980 से अधिकमण समझा जाए।

एस० बालचन्द्रन, श्रवर सचिव कृते सचिव संघ लोक सेवा आयोग

प्रवर्तन निदेशालय

(विदेशी मुद्रा विनियमन ग्रधिनियम)

नई विल्ली-110003, दिनांक 21 जुलाई 1980 फा॰ सं॰ ए॰-11/48/74---निम्निलिखित प्रवर्तन प्रधिव र प्रभाने भार ग्रहण करने की तारीख से और अगले भादेशों तक मुख्य प्रवर्तन ग्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न कप से रियस्त किए जाते हैं। तैनाती के स्थान और पदभार ग्रहण करने की तारीख उनके नाम के सामने दी गई है।

1. श्री बलकार सिंह . जालंधर क्षेत्रीय कार्यात्त्य (पूर्वाह्म) 2. श्री एम० जीवारत्नम् मद्रास क्षेत्रीय कार्यात्त्य (पूर्वाह्म) 7-5-80 (पूर्वाह्म) 3. श्री के० वी० लेले बम्बई क्षेत्रीय कार्यां क्ष्य (श्रपराह्म) 21-4-80 (श्रपराह्म)	क्र०सं०	नाम	तैनाती का स्थान		ग्रहण ोकी तारीख
2. श्री एम० जीवारत्नम् मद्रास क्षेत्रीय कार्यास्य 7-5-80 (पूर्वाह्न) 3. श्री के० वी० लेले बम्बई क्षेत्रीय कार्यास्य 21-4-80	1. श्रीबलक	ारसिंह .	जालंधर क्षेत्रीय क∖र्यात	्य	
3. श्री के० वी० लेले बम्बई क्षेत्रीय कार्याक्षय 21-4-६०	2. श्रीएम०	जीवारत्नम्	मद्रास क्षेत्रीय कार्यारूय	ſ	7-5-80
	3. श्रीके०व	ी० लेले	बम्बई क्षेत्रीय व ।य(६,४		21-4-80

गृह मंत्रालय
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला,
नई दिल्ली-110022, दिनांक 25 जुलाई 1980

सं० 1-23/72-सी० एफ० एस० एल०/5954--स्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला, मधुबन हरियाणा में सहायक निदेशक (भौतिकी) नियुक्त होने के परिणामस्वरूप डा० आर० पी० सिंह को 14 जुलाई, 1980 के अपराह्न से केन्द्रीय अन्वेषण अपूरो, नई दिल्ली की केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगमाला नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक ग्रिधकारी (भौतिकी) के पद के कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

> एस० के० झा, उप-निदेशक (प्र०) सी० बी० ग्राई०

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 जुलाई 1980

सं० श्रो० दो० 268/69-स्थापना—श्री वी० कृष्णा स्वामी ने उनकी सेवा वृधि की श्रवधि समाप्त होने के फल-स्वरूप, कमाण्डेन्ट 5 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के पद का कार्यभार दिनांक 30-6-80 के श्रपराह्म से स्याग दिया तथा वह सरकारी सेवा से निवृक्त हुए ।

> के० ग्रार०के० प्रसाद, सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 जुलाई 1980

सं० 11/8/80-प्रशा०-I---राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सिविल सेवा के श्रिधकारी श्री डी० टी० देणमुख को, महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 1 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्म से, श्रगले श्रादेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री देणमुख का मुख्यालय ग्रमरावती में होगा।

सं० 11/8/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सिविश्व सेवा के ग्रधिकारी श्री डी० डी० वाते को महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निवेशास्त्रय में तारीख 30 जृन, 1980 के पूर्वाह्म से, श्रगले श्रादेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निवेशक जनगणना कार्य के पव पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री दारे का मुख्यालय नागपुर में होगा।

सं० 11/8/80-प्रशा०-I---राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सिदिल सेवा के श्रधिकारी श्री श्रार० डी० खरोसेकर, को, महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 2 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से, श्रगले श्रादेशों तक, प्रतिनियुवित पर म्यानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री खरोसेकरका मुख्यालय श्रीरंगाबाद में होगा।

सं० 11/116/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के श्रधिकारी श्री तारकेन्द्र वैष्णव को, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य मिदेशालय में तारीख 17 जूम, 1980 के पूर्वाह्म से, श्रगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निषेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री वैष्णव का मुख्यालय नेंनीताल में होगा।

संव 11/110/79-प्रणा०-1—राष्ट्रपति, गुजरात सिविल हे सेवा के ग्रिक्षिकारी श्री वी० ए० साठे को गुजरात, ग्रहमदाबाद में जनगणना कार्य निवेशालय में तारीख 17 जून, 1980 के ग्रपराह्म से, श्रगले श्रादेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री साठे का मुख्यालय सूरत में होगा। विनांक 24 जुलाई 1980

सं० 11/1/80-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, केरल सिविल सेवा के भ्रधिकारी श्री एम० कृष्णामूर्ति को केरल, विवेन्द्रम में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 1 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से, भ्रगले भ्रादेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्षनियुक्त करते हैं।

श्री कृष्णमूर्ति का मुख्यालय क्विलोन में होगा।

सं 0 11/1/80-प्रणा० — राष्ट्रपति, केरल सिविल सेवा के प्रधिकारी श्री पी० गोपाल कृष्णन नायर को केरल, जिवेन्त्रम में जनगणना कार्य निवेशालय में तारीख 7 जुलाई, 1980 के पूर्वाक्ष से, अगले श्रावेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री नायर का मुख्यालय मुखलुपुजा में होगा।

सं० 11/31/80-प्रशा०-I—-राष्ट्रपति, श्रांध्र प्रदेश सिविल सेवा के प्रधिकारी श्री बी० वी० सत्यनारायण राव को श्रांध्र प्रदेश, हैदराबाद में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 14 जून, 1980 के पूर्वाह्म से, अगले श्रादेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री राव का मुख्यालय विजयनग्राम में होगा।

सं० 11/123/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश सिविल सेवा के श्रधिकारी श्री ए० एन० तिवाड़ी को मध्य प्रदेश भोपाल में, जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 14 जून, 1980 के पूर्वाह्म से, अगले श्रादेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप-निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री तिवाड़ी का मुख्यालय रीवा में होगा।

सं० 11/123/79-प्रशा०-]——राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश सिविल सेवा के ग्रधिकारी श्री बलबीर सिंह को, मध्य प्रदेश, भोपाल में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 7 जून, 1980 के पूर्वाह्म से, श्रमले श्रादेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री सिंह का मुख्यालय इन्दौर में होगा।

सं० 11/123/79-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश सिविल सेवा के ग्रधिकारी श्री यू० ढी० मिश्र को मध्य प्रदेश, भोपाल में जनगणना कार्य निदेशालय में, तारीख 11 जून, 1980 के पूर्वाह्म से, ग्रगले ग्रादेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहुर्ष नियुक्ति करते हैं।

श्री मिश्र का मुख्यालय बिलासपुर में होगा।

सं 11/123/79-प्रणा-I—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश सिविल सेवा के प्रधिकारी श्री एस० एन० तिवाड़ी को मध्य प्रदेश, भोपाल में जनगणना कार्य निवेशालय में तारीख 26 जून, 1980 के पूर्वाह्म से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निवेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री तिवाड़ी का मुख्यालय भोपाल में होगा।

पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय, महालेखाकार गृजरात श्रष्टमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1980

सं० स्था० (ए०) /जी० भो०/730 महालेखाकार गुजरात के श्रधीन लेखा-सेवा के स्थायी सदस्यों को उनकी नामावली के सामने वर्गाए गए दिनांक से लेकर अगला आवेश मिलन तक महालेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी के रूप में नियुक्ति वेने की कृपया की है।

1.	श्री टी० ग्रार० वैकंटाचारी	28-6-80	पूर्वाह्न
2.	श्री टी० जे० पटेल	28-6-80	पूर्वाह्न
3.	श्री एस० घ्रो० शाह	28-6-80	पूर्वाह्न
4.	श्री जे० एम० राणा	28-6-80	पूर्वाह्न
5.	श्री एस० जे० पंडया	28-6-80	उपचा रात्
6.	श्री एस० भ्रार० येरी	28-6-80	पूर्वाह्न

उपर्युक्त पदोन्नतियां तवर्थ भाधार पर 198 के विशेष दीवानी सिविल भावेदनपत्न संख्या 735 में गुजरात उच्च त्यायालय के मंतिम भादेशों की प्राप्ति की गतीं पर की जाती है।

> अ**० कृ**ष्णराव उप महाले**खाकार (प्र**णासन)

महालेखाकार महाराष्ट्र-। का कार्यालय बन्बई-40'00'20, दिसांक' 17 जुलाई 1980

प्रणा॰I/ सामान्य /31/खन्ड-III/सी/(1)/4-महालेखाकार महाराष्ट्र(1) श्री श्रारं पी० दातार, श्रनुभाग प्रधिकारी (भाडीट श्रीर प्रकीटस्) को दिनांक 11 जुलाई 1980 पूर्वाह्म से अपने कार्यालय में भागे भादेश होने तक लेखा प्रधिकारी के पद पर स्थानीपन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> एस० भार० मुखर्जी वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन

रक्षालेखां विभाग कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक

मईदिल्ली-22; दिमांक' 19 जुलाई 1980

सं । 18383-प्रशा०-1-58 वर्षे की ग्राय प्राप्ति कर लेने पर, औ पीं एसं अहिंगा, महिं डी० एं० एसं० रक्षा लेखा सहायक महा नियंत्रक की दिनाक 3-1-19/81 (श्रीपराह्न)

से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा भीर तदनुसार वे रक्षा लेखा विभाग के संख्या बल पर नहीं रहेंगे।

सं ० 18388-प्रणा ०-1--- 58 वर्ष की भाष् आप्त कर लेने पर, श्री डी॰ ब्रार॰ चीहरों, रक्षा लेखा सहायंक नियंत्रक की दिनांक 31-1-1981 (अपरीक्ष) से पेंशन स्थापना की अन्तरित कर दिया जाएगा ग्रीर तदनुसार वे रक्षा लेखा विभाग के संख्या बल पर नहीं रहेंगे।

> मार० एल० बस्सी रक्षि लेखाँ ध्रिपर महानियंत्रक (Spire)

रक्षा म'न्नॉलये भाईनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 12 जुन 1980

सं० 3/80/ए०/एम०---राष्ट्रपति महोवय, डा० बिडण दास मंडल को सहायक चिकित्सा ग्रीधकारी के पद पर, गन फैक्टरी, कींबींपुर में दिनीक 14-2-80 से आर्गिमी भीवेश न होने तर्क नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 जून 1980

सैं 4/80/ए/एस---राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित कनिष्ठ चिकित्सा श्रधिकारियों/सहायक चिकित्सा श्रधिकारियों, की सेवा बर्खास्त का त्यानपत्र मंजूर, करते हैं। तदनुसार प्रत्येक के सामने लिखी गई तारोख से प्रार्डनैन्स फैक्टरियां संगठन की नफरी से उनका नाम सिकाल दिया जाता है।

क्रम संस्था	नाम एवं पद		तैनाती की फैक्टरी का नॉम	दिनोंक	के विशेषते
(1)	(2)		(-3-)	(4)	(5)
(৭):স্তাভেস	र्गान जुमार भाटिया, सहायस	चिकिस्सा ग्रधि-			
\ /			म्रा ० फै ० कानपुर	13-3-78	त्यागपेलं विमा
(2) 'डेंग् अप्रधित	भारि एसैं० कृष्णीर्मृति, स् गरि		ग्रॅ म् पुंतिशत फैक्टरी किरकी ।	4-4-78	वही
, সুधिৰ			क्लैरिंग फैक्टरी - ग्रंभरॉक्लीं । '	2-5-78	
(4) 310	ए० रामकृष्ण राव, कनिष्ठ	चिकित्सा श्रिध-			
कारं			ग्रार्डनेन्स फैंक्टरी तिरूचिराप ली ।	26-5-78	वही
(5) \$fo F	र्क्ल'ग्रामिन कनिष्ठ चिकित	मा अधिकारी	वैहिक्ल फैक्टरी जबलपुर ।	4-6-78	 वही
(8) 310 f	एकै० के० महापात्र, सहायक ि	वेकित्सा अधि कारी	ो	8-6-78	वर्ष्टी
	(कुमारो) सावितः म रिया, करिः।		ा न्नाडेनेन्स फैक्टरी भण्डारी ।	10 ⁴ 7478	व ही ं
(8) डाँ०।	एन० के० सिंगला, सहायक चि	कित्सा प्रधि कीरो	'श्रा० फै० मुरादनगर	17-7-78	मर्खास्त किया
` '	म्रो० पी० निगम, सहायक		भ्रो० पंत्र एफ० का नपु र ।	19-7-78	त्याग पन्न विया

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
(10) ভা০ ৰ	o जे० जोशी सहायक चिकित्साग्रिधिकारो	कार्डि ईट फैक्टरी श्र रूवानकाण् <mark>डू</mark> ।	22-2-78	त्यागपत्न दिया
, ,	ा॰ वी॰ आरं॰ रेडडी विकित्सा अधिकारी	वैहिक्ल फैक्टरी जबलपुर	26-7-78	- वही
	स० सं ।० नसकेर सहायक चिकित्सा श्रिधिको		2-8-78	वर्हः
(13) डा० वर ग्रॅमिका	०एम० चन्द्रशेखरन् सहायकः चिकित्स। री	N = A =	4-8-78	 =हो
(14) ভা০েৰা	० के० जैन, कनिष्ठ चिकित्सा ग्रधिकारी	,	14-8-78	—-वर्हा -
	जय सक्सैना कनिष्ठ चिकित्सा श्रधिकारा	-	16-8-78	~-वहों
(16) সাতে ড্	ल० ग्रार० मूर्ति, सहायक चिकित्सा ग्रधि-		26-8-78	•
(17) ডা ০ গ গ্ন িঘকা	प्रार० वं ा० कौगल, कनिष्ठ चिकित्सा री		31-8-78	त्यागपत्र दिया
(18) ভা০ শ্ব	(र० के० कोदल, महायक मर्जन,ग्रेड-1 .	हैयो वेहिकल फैक्टरो प्रवादी ।	31-8-78	- ⊸बहो
(19) ভ ে হ হা ঘি কা	नार० एस० गोयल, कनिष्ठ चिकित्सा रा		4-9-78	~-वर्हi
(20) ভা০ ভ মুখিকা	० श्रीनिवासन, सहायक चिकित्सा रो	श्रार्डनेन्स फैक्टरी बरनगांव ।	13-9-78	वही
	के० मिश्र, कनिष्ठ चिकित्सा ग्रधिकारी .	_	24-9-78	वही -
(22) স্থা০ (%	ीमती) ए० एस० जयकुमार सहायक प्रभाविकारी	·	17-10 - 78	—-त्रहीं
` ,	o बीo चन्द्रन सहायक चिकित्सा ग्रधि- 		1-11-78	व ही
(24) ভা০ (খ শ্বধিকাৰ	भ(मतो) बीगा गोयल, कनिष्ठ चिकित्सा री	ब्रार्ड नेन्स फैक्टरी कानपुर ।	16-8-78	—–बही — –
सहायक	मती आई० रूकमिनी चिकित्सा अधिकारी	अः(र्डनेन्स फैक्टरी देहरादून	1 5-1-7 9	व ह ो ⁾
(26) ডা০ স মুখিকাৰ	गर० के० मल्होद्धा, कनिष्ठ चिकित्सा री	म्रार्डनेन्स फैक्टरी मुरादनगर ।	23-1-79	—वर्ह <i>ा</i> —
स्रधिकार	ार० एस० कुलकर्णी, कनिष्ठ चिकित्सा री		15-2-79	व र्ह्
	गिमती) एस० एस० बगदिया, कनिष्ट । प्र धिकारो		26-3-79	 वर्हî
	०एन०दूबे,कनिष्ठ चिकित्सा ग्रधिकारी		18-4-79	बर्खास्त विया
	<mark>श्रीमती) श्रार० गौरी , कनिष्ठ चि</mark> कित्सा		20-4-79	त्यागपन्न दिया
(31) ভ েৰপ	राम गर्मा, सहायक चिकित्स श्रिधकारी .		27-4-79	-गह् र
• •	े के० सक्सेना, सहायक चिकित्सा ग्रधिकारी		10-5-79	
• ′	० जी० वर्जिष्ठ, सहायक चिकित्सा ग्रधि-		30-4-79	

(1)	(2)			(3)	(4)	(5)
		ा० चन्दले, सहायव · .			1-1-79	त्याग पत्न दिय
का	रीं .			वेहिक्त फैक्टरी जबलपुर ।	16-8-79	व हः
ग्र	धकारी			गन एण्ड शैल फैक्टरी काशीपुर ।	18-8-79	 -बर्ह(
े प्रति	धकारी			श्रार्डनेन्स फैक्टरी श्रम्बरनाथ ।	22-8-79	वर्ह(
का	री			राइफल फैक्टरी ईशापुर ।	24-8-79	वह ी
				राईफल फैक्टरी ईगापुर।	31-8-79	व ही
ग्र	धिकारी			गन कैरिज फैंक्टरी जबलपुर ।	31-8-79	वहीं
भ्रा	धकारी		•	श्रम्युनिशन फैक्टरी किरकी।	15-10-79	~− बहीं·
भ ि	धकारी		•	ग्रार्डनेन्स फैक्ट री मुरावनगर ।	2-11-79	वरखस्ति किया
ञ्च	धिकारी			गन कैरिज फैक्टरी जबलपुर ।	19-11-79	त्यागपत्र दिया
,	श्रधिकारी			वेहिकल फैक्टरी, जबलपुर	30-11-79	वही
• भ्रहि	ग्रकारी -	एस० बसु कनिष्		ग्रार्डनेन्स फैक्टरी वेहरादून ।	10-12-79	— <u>-</u> बहो
		के० के० खंगा, कनिष् · · ·		म्रार्डनेन्स केंबल फैक्टरी चन्छीगढ़ ।	4- 1-80	बर्खा स्त किया
(47) T 10	एस० के० बम	र्गिकनिष्ठ चिकित्सा	ग्र धिका री	श्रार्डनेन्स फैक्टरी भुसावल ।		त्यागपत्र दिया ।

श्रो० पी० बहल श्रपर महानिदेशक , श्रार्डनेन्स फैक्टरिया सदस्य (कार्मिक)

फलकत्ता, दिनांक 22 जुलाई 1980

र्सं० 50/जीं०/80---राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अफसरों का महाप्रबन्धक (सैलेक्शन ग्रेड)। डी० ईडी० आ० श्रो० एफ० स्तर-II के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, पुष्टी करते हैं:

- (1) श्रा एस० एस० बसु,स्थानापन्न ङी०डी० जी० ग्रो० एफ०/स्तर-1 (श्रवकाश प्राप्त) . 4 जनवरी, 1976
- (2) श्री णिव प्रसाद, स्थानापन्न महा-प्रबन्धक (सैलैंकशन ग्रेड) स्तर-1 (ग्रवकाश प्राप्त) . 8 ग्रक्टूबर, 1977

(3) श्री पी० एल० जालोटा,स्थानापन्न महाप्रबन्धक (सैलैंक्शन ग्रेड)/स्तर-1

8 ग्रक्टूबर 1977

- (4) श्री आर० आर० कांचू स्थानापन्न डी० डी० जी०ग्रो०एफ०/स्तर-1 . 8 ग्रक्टूबर, 1977
- (5) श्री स्नार०स्वामीनाथन,स्थाना-पन्न महाप्रबन्धक (सैलैंक्शन ग्रेड) स्तर-II(स्नवकाश प्राप्त)

८ ग्रन्टूबर, 1977

(6) श्रं जि० बी० सक्सेना, स्थाना-पन्न महाप्रबन्धक (सैलैंक्णन ग्रेड) स्तर-1

13 जून, 1979

(7) श्री के० नारायण, स्थानापस महाप्रबन्धक (सैलैंक्शन ग्रेड) स्तर-II

31 जुलाई, 1979।

बी० के० मैहता

सहायक महानिदेशक, ग्रार्डनैन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक ग्रायात-नियति का कायलिय नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1980 [आयात-नियति व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/1081/75-प्रकार (राज्र०)/4632—सेवा निवृत्ति की भ्रायु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयान-नियति के कायिलय में श्री कार्त्तिक चरण मन्ना नियंत्रक, आयान-नियति ने 30 जून, 1980 के अपराह्म से उसी कार्याक्षय में श्री पद का कार्याभार छोड़ दिया।

मं० 6/1066/75-प्रणासन (राज) 4638—सेवा निवृत्ति की प्रायु होने पर श्री एस० जी० उपाध्याय ने संयुक्त मुख्य नियंत्रय, प्रायात-नियति के कार्यालय, बम्बई, ने 30-11-79 के दोपहर बाद से नियंत्रक, श्रायात -निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

पी० सो० भटनागर उप-मुख्य नियंत्रकः, श्रायात-नियति, इते मुख्य नियंत्रकः, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(भ्रौद्योगिक विकास विभाग)

विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई विल्ली, दिनांक 17 जुलाई 1980

सं० ए० 19018/489/80-प्रणा० (राजः०)---राष्ट्रपतिर्जाः, भारतीय अर्थ सेवा के स्थाई ग्रेड-4 श्रिधकारी श्री वीरेन्द्र नाथ को विनांक श्रप्रैल, 1980 से अपले आदेशों तक के लिए विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) , नई दिल्ली के कार्यालय में सहायक निवंशक, ग्रेड-1 (श्राधिक अन्वेषण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 जुलाई 1980

सं० ए०-19018/487/80-प्रणासन (राजपतिन)—
राष्ट्रपति जी, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-1 श्रधिकारो तथा
उद्योग मंत्रालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग) में श्रवर सचिव
श्री रघुवंश बहादूर को दिनांक 27 मई, 1980 (पूर्वाह्र)
से श्रगले श्रादेशों तक विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली
के कार्यालय में उपनिदेशक (प्रणासन) के रूप में नियुक्त करते
हैं।

दिनांक 22 ज्लाई 1980

संव 12(166)/61-प्रणामन (राजव) खंड-3---राष्ट्रपति, जं, लघु उद्योग नेवा संस्थान, बम्बई केश्वा केव एमव दिवो हर सहायक निदेशक ग्रेड-1 (ग्राथिक श्रन्वेषण) की दिनांक 30 प्रप्रैल, 1977 (ग्रपराह्म) से एफव ग्राप्ट 56(के) के अनुसार स्वैच्छिक ग्राधार पर सरकारों सेवा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

मं० 12/760/62-प्रणासन (राजपित्रत)---राष्ट्रपति, ल**ष्** उद्योग सेवा संस्थान, जम्मू के श्री गुरुस्थामी, सहायक निदेशक, ग्रेड०-1 (यांत्रिक) को दिनांच 30 ज्न, 1980 (पूर्वाह्म) से ग्रगले श्रादेश तक के लिए लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रागरा में तदर्थ श्राधार पर उपनिदेशक (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० 12(645) 7. ए०-प्रमासन ('राअपतित)—योजना आयोग, नई दिल्ली में वरिष्ठ श्रनुसंधान अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने पर श्री के० वो० विश्वनाथन ने दिनांक 1 जुलाई, 1980 (श्रपराह्म) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (श्रार्थिक श्रन्वेषण) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 12(752)/72-प्रणासन (राजपत्रित)—भारतीय निवेश केन्द्र, नई विल्ली में तकनोकी परामर्शवाता के रूप में प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर नियुक्ति हो जाने पर श्रो एस० श्रार० मिह ने दिनांक 31 मई, 1980 (पूर्वाह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली के उप निवेशक (रसायन) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं०ए०-19018/14/73-प्रणासन (राजपित त)--राष्ट्रपित जी लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई के श्री जी० पी० पटोदिया, गहायक निदेशक, ग्रेड-1 (यांतिक) को दिनांक 30 जून, 1980 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रावेशों तक के लिए क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, बम्बई में तदर्थ श्राधार पर उप निदेशक (यांतिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं ्ए०-19018 (425) / 79-प्रणासन (राजपतित) -- विकास प्रायुक्त (लघु उद्योग), श्री वी० एस० मिलक, लघु उद्योग संवर्धन श्रिधकारी (कांच / मृत्तिका) को दिनांक 21 श्रप्रैल, 1980 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, ज्यपुर में सहायतः निवेशक, ग्रेड-2 (कांच / मृत्तिका) के रूप में नियुक्त तरते हैं।

सं० ए०-19018(455)/79-प्रणासन (राज्यक्षित)— विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता के स्थाई लघु उद्योग संवर्द्धन श्रधिकारी (ग्राधिक श्रत्वेषण व सांख्यिकी प्रभाग) श्री बी० बो० दास को दिनांक 22 स्रप्रैल, 1980 (पूर्विह्म) से श्रगले श्रादेणों तक के लिए लघु उद्योग सेवा संस्थान, इलाहाबाद में तदर्थ श्राधार पर सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (श्राधिक श्रन्वेषण) के एप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 जुलाई 1980

मं० ए०-19018/13/73 प्रणामन (राजपितत) — राष्ट्र-पतिजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, सोलन के सहायक निदेशक, ग्रेष्ठ-1 (सांतिक) श्राः कृष्ण कुमार को दिनांक 30 ज्त, 1980 (पूर्वाह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान लुधियाना में तदर्थ प्राधार पर उपनिदेशक (यांतिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

> महेन्द्र पालगुप्त उपनिदेशक (प्रगा०)

पूर्ति तथा निषदान महानिदेशालय (प्रशासत अनुभाग-6) नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई 1980

सं० प्र 6/247/230- स्थायी सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) (भारतीय निरीक्षण सेवा, धातुकर्म णाखा के येड-III) प्रुप "ए" ग्रीर निरीक्षण निदेशक (धातुकर्म) उपलेदपुर के कार्यालय में स्थानापन्न उप निदेशक निरीक्षण (धातु) (भारतीय निरीक्षण सेवा, धातुकर्म णाखा के ग्रेड II) ग्रुप "ए" श्रो एम० डी० बेबीलोनी निवर्तमान श्रायु होने पर दिनांक 31-5-1980 के श्रपराक्ष से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांकः 21 जुलाई 1980

सं० ए०-17011/172/80-प्र० 6---महानिदेणकः, पूर्ति निपटान ने उप निदेशकः निरीक्षण कान्पुर के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी) श्री के० एन० श्रीवास्तव को विनांक 30-6-1980 (पूर्वाह्न) से श्राणामी श्रावेशों तक निरीक्षण निदेशकः, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण श्रिधकारी (इंजी) के रूप में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त कर विया है।

सं० प्र० 17011/173/80-प्र०6—महानिवेशक, पूर्ति तथा तथा निपटान ने उप निवेशक, निरीक्षण, कानपुर के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी) श्री एस० के० जैन को दिनांक 30-6-1980 (पूर्वाह्म) से श्रागामी श्रादेशों तक निरीक्षण निवेशक, कलकता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण श्रिधनारी (इंजी) के पद पर तदर्थ श्राधार परस्थानापन्न रूप से नियुवन कर दिया है।

सं० ए०-17011/179/80-प्र० 6— महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में ग्रवर क्षेत्र अधिकारी श्री ए० के० चक्रवर्ती को दिनांक 23-6-1980 के पूर्वाह्म से और आगामी आदेशों के जरी होने तक (धातु) जमशेदपुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण श्रव्धिकारी ग्रिधिकारी (धातु) के पद पर सदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सं० ए०-17011/181/80-प्र० 6—महानिदेशक, पूर्तिः तथा निपटान ने पूर्तिः तथा निपटान निदेशकः कानपुर के कार्यालय में श्रवर क्षेत्र श्राधिकारी श्रीः श्रार० पी० सिन्हा को दिनांक 28-6-80 के पूर्णाह्म से आगामी आदेशों के जारी होने तक वर्णपुर निरीक्षणालय (धातु) के अधीन उप निदेशक निरीक्षण (धातु) दुर्गापुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु-रसायन) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थाना-पन्न रूप से नियुक्त कर दिया है।

दिनोक 25 जुलाई 1980

सं० प्र० 1/(462)—राष्ट्रपित, पूर्ति तथा निपटान निवे-शालय बम्बई में सहायक निवेशक (ग्रेड 1) भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड (III) श्री एस० एन० सख्जा को दिनांक 9-7-80 के पूर्विक्क से उसी निवेशालय, बम्बई में उप निवेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप 'ए' के ग्रेड II) के पव पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन क्य से नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० एल० सखूजा को उनकी उप निदेशक पूर्ति के रूप में तदर्थ श्राधार पर पदोन्नति हो जाने से उन्हें ग्रेड में वरीयता स्रथवा नियमित नियुक्ति का दावा करने का हक नहीं होगा।

वितांक 26 जुलाई 1980

सं० ए०-17011/166/79-प्र०-6—राष्ट्रपितः, निरीक्षण नियंद्रणालय (भारी वाह्न), प्रवावी मद्रास के सहायक फोरमैन श्री पी० माध्यन को दिनांक 6-6-1980 के अपराह्म से और प्रागामी भ्रादेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक, बग्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण /निरी० श्रीहकारी (इन्जी) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए के ग्रेड]]] के रूप में नियुक्त करते हैं।

पी० डी० सेठ उप निदेशकः (प्रशासन) इस्ते महानिदेशकः पूर्तिः तथाः निपटान

भ्राकाणवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 23 जुन 1980

मं० 29/10/76-एस दो (वाल्यूम-दो)--- महानिदेशक, ग्राकाणवाणी निम्नलिखित ग्रंधिकारियों को फार्म रेडियो ग्रंधि-कारी ग्राकाणवाणी के संवर्ग में 1-1-79 से मूल रूप में नियुक्त करते हैं:--

क्रम सं० नाम, वर्तमान पदनाम ग्रौर केन्द्र/कार्यालय जहां पुष्टि नैनाती का स्थान होने पर पुनर्ग्रहणाधिकार रखा गया है

सर्वश्री

- 1. एस०पी० सिंह, फा०रे० श्र०. श्राकाशकाणी, लखनऊ . श्राकाशकाणी, क्षूनुक
- 2. के० वी० सुब्बाराय, फा०रे० प्राo, ग्राकाशवाणी, हैदराबाद श्राकाशवाणी, हैदराबाद

1	2	3	
.3.	पी० के० दे, फा० रे० घ्र०.		2
	ग्राकाशवाणी, कलकत्ता .	ग्राकाशयाणी, कलकत्ता	
4.	टी०पी० थांडावारायण,फा०		2
	रे० भ्र०, स्रकाशवाणी मद्रास	ग्राकाशवाणी, तिरुचि रापल्ली	
5.	एस० एस० पींके, फा०रे०		2.5
-	श्र०, स्राकाशवाणी, नागपुर	श्राकाणवाणी, नागपुर	
c	ग्रार० के० बोहरा,फा० रे०		26
0,	अरु अन्याक्याणी,		24 (
	जालंधर	श्राकाशवाणी, जालंधर	
7.	एम० टी० जायना, फा० रे०		27
,.	अ०, अकाणवाणी, बैंगलौर	श्राकाणवाणी, बैंगलौर	
8.	म्रार०बी० देशपंडे फा०रे०		28
υ,	ग्र० ग्राकाश्रवाणी, पुणे .	भ्राकाणवाणी पर्णे।	
	बाई० हनु मन्ता राव, फा०रे०		29
J .	श्रव्यक्तिमाराय, कावर्व श्रव्, आकाशवाणी		
	विजयवाङ्ग	श्राकाशवाणी, विजयघाडा	30
٠.	एच०एस० श्रीवास्तव, फा०	2000-0040 10014-014050	
10.	रे० भ्र०, भ्राकाणवाणी, रामपुर	. काळाळाळी जागार	3
	-	. जापगरामाचात्र रामपुर	
11.	ए० एन० तिवारी , फा० रे० ग्र०, स्राकाशवाणी पटना		3 2
		भ्राकाशव≀णी, पटना	
12.	पी० एस० सर्वानन, फा०रे०		
	श्रं∘, श्राकाशवाणी कोपान=रा		
	कोयम्बत्तूर	श्राकामवाणी, कोयम्बसूर	-
13.	म्रार० जे० पाण्डया, फा०रे०	3	অ
	ग्र ं, ग्राकाशवाणी, राजकोट	श्राकाशवाणी, राजकोट	सम
14.	ए० एन० साहू, फा० रे० म्र०,	•	हो
	प्राकाशवाणी, साम्बलपुर .	भ्राकाणवाणी, साम्बलपुर	नि
15.	जी० एल० भगत, फा० रे०	_	
	म्र०, रेडियो कश्मीर, जम्मू	म्राकाशवाणी, रायपुर	
16.	रतीराम, फा० रे० भ्र०,		एत
	ग्राकाशवाणी, नई दिल्ली .	ग्राकाशवाणी, नई दिल्ली	म्रा
17.	बी० एल० श्रीवास्तव, फा०		प्र ि
	रे० ग्र०, भ्राकाशवाणी शिमला	म्राकाणवाणी, स्वालियर	स्थ
18.	एच० सी० गुप्ता,फा० रे० घ्र०,		
	श्राकाणवाणी, जयपुर	श्राकाणवाणी, जयपुर	
19.	ग्रार० सी० सत्पत्ति, फा० रे०		
	म्र०, ग्राकाशवाणी, जयपुर	श्राकाशवाणी परभणी	
20.	श्चार० डी० राम, फा०रे०	_	
	म्र० ग्राकागवाणी, वाराणसी	श्राकाणवाणी, वाराणसी	
	ग्रार० सी० मिश्र, फा०रे०	•	
_	प्र०, ग्राकाशवाणी, कटक .	घाका शवाणी, कटक	में
			_
	एस० के० भान, फा० रे० ग्र०, रेडियो कश्मीर, श्रीनगर .	20.2	निय 19

		<u></u>
23.	के० के० कुरियान, फा०रे० ग्र०, श्राकाशवाणी, त्रिचूर	श्राकाणवाणीं, कालीकट
24.	डी० भ्रार० हीरेमथ, फा०रे० श्र०, भ्राकाणवाणी, धारवाड़ा	त्राकाणवाणी, धा रवाड़ा
25.	भूप सिंह, फा० रे० भ्र०, ग्राकाशवाणी, रांची .	श्राक्ताशकाणी, रांची
26.	ए० ए० भ्रन्सारी, फा० रे० भ्र०, भ्राकाशवाणी, इन्दौर	श्राकाणवाणी, उदयपुर
27.	एन०सी० साकिया, फा०रे० श्र०, श्राकाशवाणी, गौहाटी	श्राकाशवाणी, इन्फाल
28.	ए० के० चऋबर्ती, फा० रे० श्र०, स्नाकाशवाणी, स्रगरतला	ग्राकाशवाणी, क्डुापा
29.	पी० बी० कुरील, फा० रे० ग्र०, परभणी .	श्राकाणवाणी गुलबर्गा
	डी०पी०देव जर्मन, फा०रे० ग्र॰, ग्राकाशवाणी, इम्फाल	•
	सूर्य प्रसाद, फा॰ रे॰ घ्र०, ग्रा॰ वा॰ ग्वालियर .	•
32.	कु० ए० एन० परिमला, फा० रे० श्रा० गृह (महिलाएं)	· ·
	ग्राकाशवाणी महानिदेशालय, नईदिल्ली ।	श्राकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली ।
	2. उनकी पुष्टि इस शर्त '	पर की जाती है कि सार्व-

2. उनकी पुष्टि इस शर्त पर की जाती है कि सार्व-अनिक निकाय के श्रधीन कार्य करने के लिए उनका किसी भी समय स्थानान्तरण किया जा सकेगा और ऐसा स्थानान्तरण होने पर उन पर भी बही सेवा शर्ते लागू होंगी जो कि उस निकाय के कर्मचारियों पर लागू होंगी।

दिनांक 19 जुलाई 1980

सं० 29/8/80-एस०-दो-महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री पी० बी० कुरील, कृषि रेडियो संवाददाता, स्राकाशवाणी रामपुर को 30-6-80(पूर्वाह्म) से कृषि रेडियो प्रधिकारी, श्राकाशवाणी, रामपुर के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> एस० वी० सेषाद्री, प्रशासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नईदिल्ली दिनांक 20 जून 1980

सं० ए०-12025/5/79-डी०---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप-सहायक महानिदेशक (भण्डार) के पद पर प्रपनी नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री रणधीर मंडल ने 12 मई, 1980 श्रपराह्म से केन्द्रीय श्रीषध मानक नियंसण संगठन (पूर्वी खण्ड), कलकत्ता, र्घाषध उप नियंतक (भारत) के कार्यालय से ग्रोषध निरीक्षक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> म्रार० बालसु**न्नहा**ण्यन, म्रोषध उप नियंत्रक (भारत)

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1980

सं० ए० 35021/1/80-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने श्री वी० शंकर नारायणन् को 10 जून, 1980 श्रनराह्म से श्रागामी श्रादेशों तक सफदरजंग श्रस्पताल, नई दिल्ली में लेखा श्रिधकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति श्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 35021/1/80-प्रणासन-1—मूल विभाग में प्रयान् लेखा परीक्षण. केन्द्रीय राजस्व निदेशालय, नई दिल्ली में प्रयान परावर्तन हो जाने के फलस्वरूप श्री के० सी० शर्मा ने 10 जून, 1980 प्रपराह्न को सफदरजंग अस्पताल नई दिल्ली सेलेखा प्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 17 जुलाई 1980

सं० 17-17/74-प्रणासन (भाग 2)—भारत का महा-पंजीयक के कार्यालय में विष्ठि अनुमंधान अधिकारी के पद पर अपनी नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप डा० एस० आर० महता ने 16, जून, 1980 के पूर्वाह्म से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली, के केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, से स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (क्षेत्रीय अध्ययन प्रदर्शन केन्द्र), के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 12025/23/79-एन० एम०ई० पी०/प्रशासन-I— राष्ट्रपति ने श्री एच० बिथ्वास को 31 मार्च, 1980 (पूर्वाक्क) से ग्रागामी श्रादेशों तक राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम निदेशालय में सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद पर ग्रस्थायी ग्राधार पर नैनात किया है।

सं० ए० 12026/5/80--रा० म० उ० का०/प्रशासन-I— स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक ने लेखा परीक्षा निदेशालय, केन्द्रीय राजस्थ, नई दिल्ली के अनुभाग अधिकारी श्री विमल कुमार वर्मा को 5 जून, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त किया है।

> संगत सिंह, उप-निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1980

सं० ए० 19023/44/78-प्र०-III---इस निदेशालय के प्रधीन हैदराबाद में उप-वरिष्ठ विषणन ग्रिधकारी (वर्ग-1) के

पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री दिशक क्मार घोष ने तारीख 2-7-80 (ग्रपराह्म) से फरीवाबाद में विषणन ग्रिध-कारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19023/47/78-प्र०-III—इस निदेशालय के प्रधीन सूरत में उप वरिष्ठ विपणन ग्रधिकारी (वर्ण 1) के पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री ग्रानन्द राव पाडुरंगजी टिचकुले ने तारीख 30-6-80 (ग्रपराह्म) से बम्बई में विपणन ग्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19025/18/80-प्र०-गि विभागीय पदोक्षति मिनित की संस्तुतियों के भ्रमुसार श्री राम गोपाल सिंह, वरिष्ठ निरीक्षक को इस निदेशालय के श्रधीन फरीदाबाद में तारीख 2-7-80 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेण होने तक स्थानापन्न सहायक विगणन श्रीधकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनीहार, निदेशक प्रशासन कृते कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 24 जून 1980

सं० पी० ए०/79(11)/78-भ०-4—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री प्रमोद रामचंद्र फडनवीस, सहायक, ऊर्जा विभाग को संस्थानापन्न सेवा के लिय भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में पूर्वाह्म मई 30, 1980 से अगले आदेशों तक सहायक प्रशासन अधिकारी के ग्रेड में (र० 650—960) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 जून 1980

सं० भा० प० भ्र० के०/चि०/जी०/66—सक्ष्य भ्रधिकारी डा० (श्रीमती) पूर्णिमा कृष्णामूर्ति को इस अनुसंधान केंद्र के चिकित्सा विभाग में पूर्ण ग्रस्थायी रूप से पूर्वाह्म जून 12, 1980 से ग्राराह्म जुलाई 12, 1980 तक श्रावीस चिकित्सा श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 जुलाई 1980

सं० पी० ए०/43(1) प्रार०-4—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री परामेल एँप्पुर, जांब, स्थायी सहायक सुरक्षा प्रधिकारी को सुरक्षा प्रधिकारी केपद परभाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में 1 जुलाई 1980 से प्रयिम धावेशों तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

विनांक 8 जुलाई 1980

सं० पी० ए०/79(11)/79 म्नार०-4—नियंत्रक, भाभा परमाणु भनुसंधान केन्द्र, जम्मू तथा कश्मीर के महालेखाकार के कार्यालय के श्रनुभाग श्रधिकारी, श्री सोमनाथ वातल को, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र में सहायक कार्मिक श्रधिकारी पद पर, रुपये 650-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतन कम में दिनांक 15 मार्च, 1979 पूर्वाह्न से 14 सितम्बर, 1980 तक प्रतिनियुक्त पर नियुक्त करते हैं।

> ए० एस० दीक्षित, उपस्थापना ग्रधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 2 जुलाई 1980

सं० 5/11/80/स्था०-II/3212--- नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री वी० के० मूर्ती, स्थायी सहायक मुरक्षा अधिकारी को, स्थानापक मुरक्षा अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु दिनांक 3-5-1980 पूर्वाह्न में 5-6-1980 अपराह्म तक तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 जुलाई 1980

सं० 5/1/80 स्था०-II /3293----नियंत्रक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र निम्निविखित प्रधिकारियों को, नवर्थ स्था मे उनके नाम के सामने श्रंकित समयाविध के लिए स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं :---

	~~~		समयार्गध		
क्रमांक नाम तथा पदनाम		स्थानापन्न रूप में नियुक्ति	₹-		त <i>च</i>
1. श्री एल० बी० गावड़े, सहायक .		सहायक कार्मिक ग्रीधकारो	1-4-80	30-5-80	(भ्रासह्य
2. श्री एस० ग्रार० पिंगे, मलै, ग्रे० लि०		सहायक कार्मिक श्रधिकारी	2-4-80	30-5-80	(ग्राराह्न)
3. श्री वी०पी० कुलकर्णी सहायक		सहायक कार्मिक ऋधिकारी	17-4-80	23-5-80	(श्रवराह्न)
4. श्री बी० पी० भागुण्डे सहायक		सहायक कार्मिक ग्रधिकारी	21-4-80	7-6-80	(ग्रयराह्म)

### दिनांक 14 जुलाई 1980

सं० 5/1/80/स्था॰ II/3431—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों की, नदर्थ रूप स उनके नाम के सामने श्रीकत समयाविध के लिए स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं:--

क्रमांक नाम तथा पदनाम	तथा पदनाम स्थानापन्न रूप में नियुक्ति		ममयाविध			
कमाक नामत्रयापदनाम			स्थानायन्त रूप मानयुक्ति	से	<del></del> तक	
1. श्री पी० टी० बोरकर, सहायक			सहायक कार्मिक श्रधिकारी	28-4-80	21-6-80	(श्राराह्न)
2. श्र⊹यू० भ्रार० मेनन, सहायक			सहायक कार्मिक श्रधिकारी	12-5-80	21-6-80	(ग्रपराह्न)
<ol> <li>श्रांडी० एस० इंगले, सहायक</li> </ol>	•		कसहायक कार्मिक श्रधिकारी	5-5-80	27-6-80	(ग्रपराह्न)
4. श्री डॉ० के० मंगांबकर, सहायक			सहायक कामिक श्रधिकारी	28-4-80	7-6-80	(ग्रगराह्न)

### दिनांक 15 जुलाई 1980

सं० पी० 489/स्थापना II/3452—इस अनुसंधान केन्द्र के स्थायी मुरक्षा अधिकारी, श्री प्रभाकर रामचन्द्र पराइकर, दिनांक 26-8-1977 के गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापा संख्या 25013/7/77-स्थापना(अ) के प्रावधानों के अधीन, स्वैछा से सरकारी सेवा से निवृत्त होकर, 30 जून 1980 अपराह्न को अपने पद भार से मुक्त हो गए हैं।

(कु०) एच० बी० विजयकर, उप स्थापना ग्रिधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग बम्बई-5, विनांक 23 जुलाई 1980

सं० पी० पी० ई० डी०/3/(288)/79-प्रशासन/10047---श्री व्ही० सत्यनारायण, स्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' एवं स्थानापन्न विज्ञान अधिकारी/ग्रिभियंता ग्रेड "एस०बी०" को उनका मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना से विद्युत प्रायोजना इंजिनियरिंग प्रभाग के गुण सर्वेक्षण (क्वालिटी सिविन्स) वर्ग, हैदराबाद, में स्थानान्तरण हो जाने से, निदेशक, विद्युत प्रायोजना इंजिनियरिंग प्रभाग, श्री सत्यनारायण को उसी पद पर ज्न 21, 1980 से श्रागामी श्रादेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

बर्शवरथत्ते, प्रणासन ग्राधिकारी

#### कय ग्रीर भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 5 जुलाई 1980

सं० डो० पो० एम०/4/1(5)/77-प्रणा०/10455— परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋग श्रीर भंडार निदेशालग के निदेशक ने श्री जी० डी० राठौर को, जोकि स्थायी उच्न श्रेणी लिपिक तथा स्थानापनन सहाययाभंडार श्रीधकारी है, उसी निदेशालग में 19 जून, 1980 में सहायक भंडार श्रधिकारी के स्थायों पद पर मूल रूप में नियुक्त किया है।

### दिनांक 8 ज्लाई, 1980

सं० डीं० पाँ० एस०/4/1(5)/77-प्रशा०/10625— परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थानापन्त सहायक भंडार श्रिधिकारी श्री श्रर्राबंद पांडा को 25 जनवरी, 1980 से उसी निदेशालय में सहायक भंडार श्रिधिकारी के स्थायी पद पर मौलिक रूप से नियक्त किया है।

> के० पी० जोसफ प्रशासन श्रधिकारो

मुम्बई-400001, दिनांक 17 जुलाई 1980

सं० डी० पी० एस०/23/4/19-स्था०/11530—परमाणु ऊर्जा विभाग के अब और भंडार निदेशालय के निदेशक ने उन अब सहायकों में से प्रत्येक को, जिनके नाम नीचे दिए गए है, उसके नाम के सामने लिखी प्रविध के लिए उसी निदेशालय में इ०-650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतन मान में तदर्थ प्राधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक अब प्रधिकारों नियुक्त किया है:—

• <u>•</u>	श्रवधि	
क्रम सं० नाम		तक
1. श्री एस० जी० जमसेंदेकर	28-4-1980 2	1-6-1980
2. श्री वी० जी० जोबनपुत्र	29-4-1980 1	3-6-1980
<ol> <li>श्री के० एल० श्रहसुवालिया</li> </ol>	5-5-1980 10	6-6-1980

सी० बी० गोपालकृष्णन सहायक कार्मिक श्रधिकारी:

# नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र हैदराबाद-500762, दिनांक 18 जुलाई 1980

सं० ना० ई० स०: का० प्र०भ०: 0704/5082---- प्रिध्मुचना सं० का० प्र० भ०/0704/2871, दिनांक 30-5-1980 के क्रम में नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने श्रस्थायी श्रीद्योगिक उच्च श्रेणी लिपिक श्री ए० चेन्नकेणव राव की दिनांक 27-6-1980 से 3-7-1980 पर्यन्त स्थानापन्न सहायक कार्मिकाधिकारों के पद पर नियुक्ति को श्रामें बढ़ा दिया है। ऐसा सहायक कार्मिकाधिकारी श्री के० राम चन्द्रन द्वारा श्रवकाण-वृद्धि के कारण किया गया है।

प० श्री रा० मूर्ति प्रगासनिक <mark>प्रधिकारी</mark>

### रिऐक्टर ग्रनुसंधान केन्द्र

### कलगाभकम, दिनांक 10 जुलाई 1980

मं० ए० 32023/1/77/2-8416—रिएक्टर श्रनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक ने इस केन्द्र के स्थार्था सहायक लेखापाल श्री के० एम० वेलायुधन को 5 जुलाई, 1980 के पूर्वीह्म से श्रमले श्रादेश तक के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा श्रधिकारी नियुक्त किया है।

> एस० पद्मनाभन प्रशासन अधिकारी

पर्यटन श्रौर नागर विमानन मंत्रालय महानिदेशक नागर विमानन का कायिलय नई दिल्ली, दिनांक 19 **जुलाई** 1980

सं० ए० 31013/2/78-ई०-I—-राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो प्रधिकारियों को नागर जिमानन विभाग में उप महानिदेशक के पद पर उनके नामों के सामने दो गई तारीख से स्थायी रूप से नियुक्त किया है:—-

1. श्रोजी० ग्रार० कठपालिया

3-5-1-1977

2. श्रीपी० के० रामचन्दरन

23-2-1980

चितरंजन कुमार बत्स सहायक निदेशक, प्रशासन इसे महानिदेशक नागर विभानन

# नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई 1980

मं० ए० 12025/3/78-ई० डब्ल्यू०—राष्ट्रपति ने श्री के० वेंकट कृष्णन् को नागर विभानन विभाग में दिनांक 11 जून, 1980 (पूर्वाह्न) के श्रीर श्रन्य श्रादेण होने तक रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में बिखुत एवं यांत्रिक श्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

श्रो के० वेंकट कृष्णन को क्षेत्रोय निदेशक, नागर विमानन विभाग, मद्रास क्षेत्र, मद्रास के कार्यालय में तैनात किया गया है।

> बिश्व विनोद जीहरी, उप निदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1980

सं० ए० 32013/9/79-ई० सी०—इस विभाग के दिनांक 17-1-80 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/4/78-ई० सी० तथा दिनांक 13-3-80 की अधिसूचना मंख्या ए० 32013/9/79-ई० सी० के कम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित चार सहायक संचार अधिकारियों की संचार अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्भ नमुक्ति को 29-2-80 बाद और 6 माह के लिए अथवा

ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो तदर्थ आधार पर जारी रखने की मंजूरी दी है।

ऋम संस्थ	ता नाम		तैनाती :	टेशन	
1,	श्री एन० मुनिग्रन्दे		वैमानिक	संचार	स्टेशन ,
			मद्रास ।		
2.	श्री टी० सी० एम० मृसद	Ţ	वैमानिक	संचार	स्टेश न,
			मद्रास ।		
3.	श्री एस० एल० मेहरा		वैमानिक	संचार	स्टेणन,
			नई दिल्ली ।		
4.	श्रीपी०के०दत्ता		वैमानिक	संचार	स्टेणन,
			क्लक	ता।	

सं० ए० 32013/13/79-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 14-4-80 की श्रिधसुचना संख्या ए० 32013/11/79 ई० सी० और दिनांक 3-5-80 को श्रिधसुचना संख्या ए० 32013/11/79-ई० सं० के कम में राष्ट्रपति निम्नलिखित तीन तकनीकी श्रिधकारियों को, जो फिलहाल तदर्थ श्राधार पर विष्ठ तकनीकी श्रिधकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं, दिनांक 24-4-80 (पूर्वाह्म) से श्रीर श्रन्य आदेश होने तक नियमित श्राधार पर विष्ठ तकनीकी श्रिधकारों के श्रेड में नियुक्त करते हैं और उन्हें उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया गया है:—

क्रम संख्या नाम	तैनासी स्टेशन
1. श्री एम०, इस्लप्पन	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।
2. श्री विश्वनाथ .	रेडियो निर्माण श्रीर विकास एकक, नई दिल्ली।
3. श्री म्रार० सम्पत कुमा ^र न	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई।

सं० ए०-38013/1/80-ई० सी०--वैमानिक संचार मंगठन के निम्नलिखित तीन श्रधिकारियों ने निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30-6-80 (पूर्वाह्म) से श्रपने पद का कार्यभार त्याग विया है:--

कम संख्या	नाम ग्रीर पदनाम	' स्टेशन	
सर्वर्श्व	ì	<del></del>	

 एस० तडकसे, सहायक तकनीकी वैमानिक संचार स्टेशन, श्रधिकारी। वम्बई।

2. पी० हरी, सहायक संचार अधि- वैमानिक संचार स्टेशन, कारी। मक्षास।

3. के० सी० थाभस, सहायक संचार वैमानिक संचार स्टक्शन, अधिकारी। मद्रास।

श्रार० एन० दास सहायक निदेशक, प्रशासन , **कृते** महानिदेशक नागर विमानन

# केन्द्रीय उत्पाद गुल्क एवं सीमा गुल्क समाहर्तालय कानपुर, दिनांक 21 जुलाई 1980

सं० 3/80—अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग "ख" में निम्नलिखित अधिकारियों ने अधिवर्षता की आसु प्राप्त होने पर उनके नाम के सामने दी गयी तारीख से सरकारी सेवा से सेवानिवृक्त हो गये:—

कम सं० सेवानिवृत्त के समय ग्रधिकारी का नाम व पद	दिनांक
सर्वश्री	(ग्रपराह्न)
1. एस० जी० भटनागर, प्रधीक्षक वर्ग 'ख'के०उ०	31-10-79
णु० कानपुर प्रखांड-I। 2. एस० एस० सिन्हा, घ्रधीक्षक वर्ग "ख" मुख्यालय कानपुर।	31-10-79
<ol> <li>कें० एन० गौतम, प्रधीक्षक के० उ० णु० वर्ग "ख" मुख्यालय कानपुर।</li> </ol>	30-11-79
<ol> <li>आर०पी० राय, ग्रधीक्षक के० उ० शु० वर्ग "ख" मुख्यालय कानपूर।</li> </ol>	29-2-80
5. श्रारे० एस० सक्सेना, श्रधीक्षक के० उ० गु० बर्ग ''ख'' ग्रलीगढ ।	2 <del>9-</del> 2-80
6. ग्रार० एस० सेबी, ग्रधीक्षक के० उ० गु० वर्ग ''ख'' कानपुर प्रखंड-II ।	31-3-80
<ol> <li>वी० डी० मलहोत्रा, ग्रधीक्षक के० उ० शु० वर्ग "ख" कानपुरप्रखंड-II ।</li> </ol>	30-4-80
8. एस० के० सिन्हा, श्रधीक्षक के० उ० शु० वर्ग ''ख''फरुखाबाद ।	31-5-80

जे० रामकृष्पन्, समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कानपुर

# नागपुर,दिनांक 26 जुलाई 1980

सं० 1/80---इस समाहतिकोत्र के केन्द्रीय उत्पाद शुरूक प्रभाग-II, नागपुर के प्रशासनिक अधिकारी, श्री समराज वीकाण ने तेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर वे दिनांक 30 जून, 1980 के अपराह्म से सरकारी सेवा से मुक्त हो गये हैं।

के० मंकरराजन, समाहर्वा

# बंगलीर, दिनांक 22 जुलाई 1980

सं० 12/80—श्री सय्यद इमाम, ग्रधीक्षक केन्द्रीय उरपाद एवं सीमाशुल्क समृह "ब", ग्रपने वार्धस्य निवर्तन की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-6-1980 के ग्रपराह्म से सरकारी देवा से निवृत्त हुए हैं।

> रवीन्द्रनाथ शुक्ल, श्राई० **ग्रार० एस०** सवा**हती**

#### मध्य रेलवे

### बम्बई वी० टी०, दिनांक 22 जुलाई 1980

मं० एच० पी० बी०/220/जी०/II/एल०--निम्नलिखित महायक विद्युत इंजीनियर (श्रेणी-II) को उनके नाम के सामने दिखायी गयी तारीख से उसी पद में स्थायी किया जाता है।

नाम श्रेणी दो की सेवा में स्थायीक रण की तारीख श्री एम० बी० पुरी 22-2-1980 बम्बई बी० टी०

> ए० के० चक्रवर्ती, महाप्रबंधक

### चित्तरंजन रेल कारखाना चित्तरंजन, विनांक 21 जुलाई 1980

सं० जी० एम०ए०/जी० एस०/8(प्रशासन)—निम्नलिखित दितीय श्रेणी ग्रिधिकारियों, जो सम्प्रति प्रवर वेतनमान में स्थानापश्च रूप में नियुक्त हैं तथा इस प्रणासन में तृतीय श्रेणी के पद पर उनका लियन है, उनके नाम के सामने ग्रंकित तिथि से चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना के कार्मिक विभाग के संवर्ग में दितीय श्रेणी वेतनमान में सहायक कार्मिक ग्रिधिकारी के पद परस्थायी किया जाता है:—

प्रधिकारियों का नाम किस प्रविध से स्थायी मन्तस्य किया गया

1. श्री जें ० के ० 29-5-79 (पूर्विल्ल) 31-12-79 से सेवा क्यराल निवृत्त हुए

2. श्री एस० लक्ष्मनन 1-1-80 (पूर्विल्ल) श्री कयराल के सेवा निवृत्ति के कारण

के० रामन, महाप्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मन्त्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और कमला एजेंसी प्राईवेट लिमिटेड के वियय में

**पिलांग, दिनांक 21 जुलाई 1980** 

सं० जी० पी०/टी०एस०/428/560(5)—कम्पनी
प्रधितियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रतु-सरण में एतद्कारा मूचना थी जाती है कि कमला एजेंसी प्राटवेट लिमिटेड का नाम प्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैससे आसाम एकुमुलेटर प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

शिलांग, दिनांक 21 जुलाई 1980

मं० जी० पी०/1091/560(5)/1475---कम्पनी ऋषि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के मनुसरण में एतद्द्वारा सूचनादी जाती है कि मैसर्स म्रासाम एकुमूलेन्र प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० के० भट्टाचार्जी कम्पनी का रजिस्ट्रार

#### श्राय-कर श्रपील श्रधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 19 जुलाई 1980

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए०टी०) /80—श्री निरंजन दास, जो झाय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली के स्थानापन्न सहायक अधीक्षक हैं, को आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में, श्री सतपाल, सहायक पंजीकार, आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली, कार, आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली, जिन्हें अवकाण की स्वीकृति प्रदान की गयी है, के स्थान पर तदर्श आधार पर, अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 7 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्म) से अगले आदेण होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

उपर्युक्त नियुक्त नितांत अस्थायी ढंग से साधारण प्रबंध के रूप में ग्राय-कर ग्रपील ग्रधिकरण में कार्यरत दूसरे वरिष्ठ व्यक्तियों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव डाले बिना की गयी है।

### दिनांक 25 जुलाई 1980

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए०टी०)/80--श्री निरंजन दास, जो ग्राय-कर भ्रपील भ्रधिकरण, दिल्ली न्यायपीट, नई दिल्ली के स्थानापन्न सहायक श्रधीक्षक हैं श्रौर जिन्हें श्राय-कर श्रपील श्रधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में तदर्थ श्राधार पर, ग्रस्थाथी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 7 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्म) से श्री सतपाल, सहायक पंजीकार, श्राय-कर ग्रपील ग्रधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली की जगह भ्रवकाश-रिक्ति में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया था, देखिये, इस कार्यालय के विनांक 19-7-1980 की श्रधिसूचना कमांक एफ० 48-ए० डी० (ए०टी०)/80को श्रव श्री सतपाल सहायक पंजीकार, भ्राय-कर श्रपील ग्रधिकरण, दिल्ली त्यायपीठ, नई दिल्ली के देहान्त हो जाने के कारण उनकी जगह पर, ग्राय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में तदर्थ ग्राधार पर, ग्रस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पट पर विनांक 21-7-1980 से 16-8-1980 या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नहीं की जाती, जो भी शोघ्रतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहनेकी श्रनुमित दी जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ भ्राधार पर है भ्रौर यह श्री निरंजन दास को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा प्रदान नहीं करेगी श्रीर उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के श्रभिप्राय से उस श्रेणी में परिणित की जायेंगे श्रीर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोक्षत किये जाने की पात्रसा ही प्रदान करेंगी।

> ंबी० बी० पालेटर, श्र**श्यक्ष**

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 26 जुलाई, 1980

निदेश सं० ए० 8-3/प्रर्जन—प्रतः मुझे, श्रमरसिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या एस०-25/51-ए है तथा जो वरुणाक्रिज, वाराणसी में भारतीय स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 14-12-1979

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधिन, निम्निल्खित व्यक्तियों अथितः—

- (1) श्री वीरेन्द्र ठक्करद्वारा भुवनेश्वर सिंह (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रजय सिंह, राकेश बहादुर सिंह, विनयं, बहादुरसिंह, श्रभचबहादुर सिंह, श्रीमती णोभावती सिंह,

(ग्रन्तरिती)

(3) शिक्षानिदेशक उ० प्र० पंचमंडल वाराणसी, किरायेदार।

> (वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

#### अनुसूची

जमीन व इमारत मौसूमा "कैंसर कैंसिल जो सेटिल्मेन्ट-प्लाट नम्बरी 4/1 व 4/2 मौजा श्राराजी लाहन परगना देहात श्रमानत मोहल्ला वरुणाक्षिज जिला वाराणसी पर वाके हैं जिसकी साबिक म्युनिसिपल नम्बर एस० 20/51-ए हैं उसका एक जुज मय जमीन व इमारत व वह सारी सम्पत्ति जो फार्म 37-जी 11868 व सेलडीज में विणत है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 14-12-1979 को हो चुका है।

श्रमरसिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ ।

**तारीख**: 26-7-1980

प्रकप आई॰ टी॰ एत**ः ए**स॰-----

**कायकर प्रधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा **269-थ** (1) के प्रकीत मू**य**ना

भारत सरकार

कार्योत्तय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 ग्रगस्त, 1980

निदेश सं० 1276-ए/मेरठ/79-80—-ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम, प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- व से साधिक है

श्रीर जिसकी मं० 82 है तथा जो हिल स्टील मेरठ कैन्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपावज श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीक 8-11-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यक्तपूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डल प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक्यों) को बाच एसे अन्तरिक से अन्तरिक के सिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्निकिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक का से किबत नहीं किया गया है:——

- (क) कलरण सं तुर्व किसा भाग को नायत, उनत मधि-शिवन के मधीन कर देने के मन्त्रक के वासित्य में कभी करने या बक्त सचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषिनियम, या धन-कर धिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाला चाहिए का, छिपाने में सुविधा के निए;

धतः धव, उक्त प्रक्रितियम की धारा 259-ग के प्रतृतरक में, में उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन, निम्निजित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री तिलकराम बतरा पुल लाला ज्ञान धन्द्र बतरा तथा श्री बृजमोहन बतरा पुल श्री तिलक राम बतरा, निवासी 171 श्राबूलन मेरठ कैन्ट। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रासमा ए० पटेल पत्नी श्री ए० के० एन० पटेल, निवासी बुलकटेज लून्सी कुई नवा सारी जिला बुलसर (गुजरात)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जाधी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्तर सन्दति के सर्वेत के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती ही के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के रामपत में प्रकाशन की सारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मात में हितबढ़ किमी अभ्य व्यक्ति द्वारा, भवोहस्ताकारी के यास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--्समें प्रवृक्त सन्दों और पढ़ों का, जो उक्त धिविनियम के अध्याय 20-ड में परिमाणित है, बही धर्य हीमा जी उस अध्याय में दिया गया है

#### अनुसृची

बंगला नम्बर 82 सरवे नम्बर 324 का श्राधा भाग हिल स्टील मेरठ कैन्ट में स्थित है तथा जो 45000/- रुपये का भेजा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर।

सारीख: 1-8-1980

मोहरः

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 25 जुलाई, 1980

निर्देश सं० सी० ए० 5/कल्याण/दिसम्बर 1979——यतः मुझे, ए० सी० चन्द्रा,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षन प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूहा 25,000/ दपये से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० स० नं० 90 भौर ग्राली नं० 55 है तथा जो चिकणधर कल्याण में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यलय दुय्यम निबंधक कल्याण में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख 27-12-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के अक्तरक के दायिस्य में कमी करने या खससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर मिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम वा धनकर मिधनियम वा धनकर मिधनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सुविधा के लिए;

भतः, ग्रंब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित क्यक्तियों, प्रयोत्:--- (1) श्री सीताराम भ्रानंदराव पै, जे० एन० बिल्डिंग, स्टेंशन रोड, मोहम्मद भ्रली चौक, कल्यान, जिला ठाणा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री त्रेयरमैन--श्री ग्रणोक मुरलीधर शानबाग दी शारदा कोग्रापरेटिव हार्डिसग सोसायटी लि० कल्याण, ब्लाक नं० 10, रामबाग, लेन नं० 5, तहसील कल्याण, जिला ठाणा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्मत्ति के ग्रोर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत समात्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापीन से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूनना के राजपन्न में प्रशासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किसे जा सकेंगे।

हरव्दीकरण:---इतमें प्रपृत्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त भवि-नियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन जो स० न० 90 (हि० नं० 2/1) भौर श्राली नं० 55, मौजे चिकणधर, तहसीज कल्याण, कल्याण नगरपालिका एरिया में स्थित हैं। खुली जमीन का क्षेत्रफल 919.2 चौ० मीटर हैं।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख कि 1022, जो 27-12-79 को कल्याण दुय्यम निबंधक के दफ्तर में लिखा है।)

> ए० सी० चंद्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 25-7-1980

मोहर:

3--196G I/80

### प्ररूप आई०टी०एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ृंधर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 जुलाई 1980

मिदेश सं० 722/म्रर्जन झार०-III/80-81/कलकत्ता---यतः मुझे म्राई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है।

ग्रीर जिसकी सं० 125ए हैं तथा जो मोतीलाल नेहरू रोड़ में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबग्र धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 8-11-79

को पूर्वांकत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; औ्र/अा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री हरिन्दर काएर

(मन्तरक)

- (2) (1) श्रो गुरदेव सिंह
  - (2) श्री गुरमिल सिंह
  - (3) श्री गुरवयाल सिंह

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के रिष्ट्र कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **ग्रनुसूची**

125 ए मोतिलाल नेहरू रोड कलकत्ता में प्रवस्थित 7 कट्ठा 4 छटांक जमीन परस्ट्राकचार जो 8-11-79 तारीख में सब रिजस्ट्रार प्रलीपुर के दफ्तर में डीड नं० ग्राई-5987 प्रनुसार रिजस्ट्री हुग्रा।

> भ्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 24-7-1980

प्रारूप बाई • टी • एन • एस •--

अनुमक्तर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की आरा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 24 जुलाई 1980

निदेश सं० 723/मर्जन रेंज-III/80-81/कलकत्ता— यतः मुझे भाई० वी० एस० जुनाजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिक्षिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख 25,000/-रु॰ से भिक्षक है

ग्रौर जिसकी सं० 125ए है तथा जो मोतीलाल नेहरू रोड़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 8-11-79

को पूर्वोक्त सम्पति के छिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मूझे पह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) बौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निधित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया क्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वावत उक्त श्रामियम के प्रभीन कर देने के सन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के किए। और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घाय धास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के घ्रयीक्षमार्थ अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः, धव, उत्त अधिनियम की बारा 26 अन के अनुसरण में, में, चनत प्रधिनियम की बारा 269-व की छपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री हरिन्दर काखर

(भ्रन्सरक)

(2) (1) श्री महेन्द्र सिंह,

(2) श्री सुन्दर सिंह

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के भ्रजन के संबंध में कोई भी माझोर:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से
  45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
  प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी वासे 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में द्विशवद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोइस्ताक्षरी के पास शिखित में किए जासकेंगे।

स्पब्सीकरण :--इसमें प्रबुक्त मन्नों घोर पर्वे का, जो उदत घिमियम के प्रष्टाय 20क में परिकाधित है, बही धर्च होगा, को उस अन्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

125 ए मोतीलाल नेहरू रोड, कलकसा में ग्रवस्थित, 7 कट्ठा, 3 छटांक, 8 वर्ग फिर जमीन पर स्ट्राक्चर जो 8-11-79 तारीख में डीड नं० ग्राई-5988 श्रनुसार सब रिजस्ट्रार, श्रलीपुर दफ्तर में रिजस्ट्री हुआ।

ग्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुकुत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 24-7-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

काय भिय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 जुलाई 1980

निदेश सं० ग्रर्जन-13/रे०-II/कलकसा/80-81/143— यत: मुझे के० सिंहा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित् जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-र. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 16/2 है तथा जो राजा सन्तोष रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-11-79

को पूर्वांक्स संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिबक इप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, छक्त ग्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या फिसी धन या प्रत्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 18-22 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सक-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अथवरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

मतः मन, उन्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री सत्येन्द्र चन्द्र घोष

(भ्रन्तरक)

(2) श्री टी० भास्करण

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संपरित में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पव्यक्तिस्पः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अगस की

13 कट्टा, 5 छटांक, 34 वर्गफुट जमीन 16/2, राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता मोका में प्रवस्थित।

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुकुत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 25-7-1980

प्ररूप आई • टी • एन • एस • —

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के समीन सूचना

#### मारत सरकार

### कार्वालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 जुलाई, 1980

निर्देश सं० ए० सी० 14/II/कलकत्ता/80-81/ 143—यतः मुझे के० सिंहा,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-आप के सम्भीन सक्तम प्राधिकारी को पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० 16/2 है तथा जो राजा सन्तोष रोड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 15-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान श्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है मोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार यूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पश्चक्ष प्रतिकात से अधिक है मोर मन्तरक (धन्तरकों) मोर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नामिक्ति उद्देश्य से उच्च मन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के धन्तरक के दायि (व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; मोर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या अन-कर भिश्नियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रमोजनार्चे घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा था किया जाना चाहिए चा, जिपाने में सुविधा के निए;

भ्रतः भव, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के बन्-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाण्:--- (1) श्री सत्येन्द्र चन्द्र घोष

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती नलिनी भाष्कराय

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी सरके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त प्रेनित के अर्थन के संबंध में कोई भी आ**धीप**ा⊸--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्ठिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, घन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्तब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत सिंदिनयम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्व होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### यनुसूची

18 कट्ठा, 5 छटांक 34 वर्ग फुट जमीन 16/2 राजा सन्तोप रोड, कलकत्ता मोका में भ्रवस्थित।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख: 25-7-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 ज़ुलाई 1980

निदेश सं० 8828—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ्ल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं और जिसकी सं० 8, 9 है, जो कटचेरी स्ट्रीट, चिदम्बरम में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मन्नारजुनी (डाकुमेंट सं० 1809/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1979

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, गृंस दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्याण निकान में नास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के बधीन कर देने के मन्तरक के दानिस्व में कमी करने या उससे अपने में सुविशा के लिए। और/या
- (अ) ऐसी किसी बाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य घन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त धिवनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन क्यक्तियों, अर्थीतः--- (1) श्री सी० सदानंद मुदलियार

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जे० पी० मोस्ह्मद हुनीफा

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्गैन के संबंध में को हभी प्राक्रीप :---

- (क) इस सूचना के राज्ञात में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (व) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी मन्य क्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास किविन में किए ना सर्केंगे।

स्वव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अव्याय 20-क में परि-भाषित, है, वहीं अर्थ होगा, जो उन चहपाय में विया गया है।

### अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 8.9 कटचेरी स्ट्रीट, चिषम्बरम (डाकुमेंट सं० 1809/79)।

> राधा बालकृष्ण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, मद्रास ।

नारीखाः 17-7-1980

मोहरः

प्रकप भाई • ही • एन • एस •----

प्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के धवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांत्रम, सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 7773—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 मा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है हि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-क्पए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 703 है, जो मौंट रोड मद्रास-2 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकु-मेंट सं० 1601/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन तारीख नवस्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रश्नह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाग गया यिक कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में गस्तिक कप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए। भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिषा के सिए;

यतः श्रम, उक्त मधिनियम की बारा 269-ग के मनुसरण में, मै, अक्त मधिनियम की बारा 269-य की कपकारा (1) के ध्रधीन निम्नस्थित व्यक्तियों, अर्थात् ।---

- (1) श्री एम० एम० सुब्रमनियन श्रीर ग्रदर्स (ग्रन्तरक)
- (2) मद्रास इन्वैस्टमेंट्स एण्ड कन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त नम्पत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इन सूचना के राजनत में प्रशासन को नारी व से
  45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी स्विष्टित्यों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होनी ही, के भीनर पूर्वीका
  स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भगोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त णग्दों भीर पदों का, जी उक्त भीधिनयम के भड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस भड़्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण सं० 703, अन्ना सालै मद्रास-2। (डाकुमेंटे सं० 1601/79)।

> राधा बालकृष्ण सक्षम प्राधिकारी सह्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, महास

तारीख: 17-7-1980

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्राम, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 8820--यतः मुझे, राधा बालकृष्ण

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/→ रुपये से अधिक है और जिसकी सं∘ बी-28 है, जो श्रलगेसन नगर चेंनगलपेट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चेंगलपुट (डाकुमेंट सं० 2720/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख नवम्बर, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जिदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उकत भ्रष्टि-नियम, के भ्रमीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या घनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः, अब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निक्निलिखत व्यक्तियों. ग्रर्थात्ः--- (1) श्री यसोदर ग्रम्माल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० कानचना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रजंन लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्बन्धि के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूबना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संत्रंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 विन के भीतर उकत स्थावर समात्ति में हितवडा किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्वण्डीकरण: --इसमें प्रयुक्त मध्यों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधि-नियम के भ्रष्टपाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण बी-28, गलगेसन नगर, चेंनगलपट (डाकुमेंट सं॰ 2720/79)।

> राधा बालकृष्ण सक्षम प्राधिकारी सह(यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 17-7-1980

प्रकप भाई० ही० एत० एस०------

सायकर प्रजितियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269-व (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर भायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 8838—यतः मुझे, राधा बालकुरुण प्रायकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स प्रवित्यम' कहा नया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्सम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

ह्मौर जिसकी सं० सर्वे सं० 8/1 श्रौर 8/2 है, जो श्रिपिलि-पालयम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सिनगनस्लूर (डाकुमेंट सं० 2057/79) में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्विक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ——

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत, खबत बाधिनयम, के घधीन कर देने के घल्यरक के बाधरव में कभी करने या उससे बचने में धुविधा के लिए; धौर/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अञ्चिनियम या धन-कर धिवनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्योजनार्चे अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विद्या के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त पश्चिनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के भ्राधीन, निश्निविधित व्यक्तियों, वर्षात् !--4---196GI/80

(1) श्री श्रीनिवासन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री न्नानप्राकासम

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारो चरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी बालोप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की धविष या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविष, जो जी भविष बाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की नारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिसवड किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पन्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पर्दो का, को उपत अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिमाणित हैं, बही श्रवं होगा, को उस शन्याय में टिया भया है।

#### प्रनुसूची

भूमि सर्वे सं 8/1 मीर 8/2, अपिलिपालयम (**डाक्ट**-मेंट सं० 2057/79)।

> राधा बालकृष्ण सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, मद्रास

तारीख: 17-7-1980

### प्ररूप माई० टी० एम० एस०→--

मायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज मद्रास मद्रास, दिनांक 17 जुलाई, 1980

निदेश सं० 8838—यत:, मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर श्रिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० सरवे सं० 8/1 श्रोर 8/2 है, जो उप्पिन् लिपालयम में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सिनगनस्लूर (डाकुमेंट सं० 506/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख नवस्वर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत खकत अधि-नियम के घंधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी हरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या प्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः श्रव उक्त बिधितियम की धारा 269ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधितियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन; तिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) भी विकत

(ग्रन्तरक)

(2) श्री न्नानप्रकासम ग्रौर ग्रदर्स

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त सिध-नियम के झब्याय 20क में परिभाषित हैं वहीं झर्य होगा जो उस झब्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

भूमि सरवे सं० 8/1 ग्रौर 8/2, उप्पिलिपालयम (डाक्नु-मेंट सं० 566/79)।

> राधा बालकृष्ण सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 17-7-1980

### प्रकृष धाई । टी । एन । एस ।

# आयकर बिशियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ(1) के घडीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धा**युक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनांक 17 जुलाई, 1980

निवेश सं० 8838--यतः मुझे, राधा बालकृष्ण भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० से मधिन है ग्रीर जिसकी सं० सरवे सं० 8/1 ग्रीर 8/2 है, जो उप्प-लिपालयम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद भनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सिनमनल्लूर (डाकुमेंट सं० 2067/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर, 1979 को पृथींक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए धन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वीक्त सम्पति का खिचत बाबार मूल्य, उसके इश्यमान अतिकात से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से बिबक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्त-रितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निक्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त शक्षितियम के प्रधीन कर वेने के अन्तरक के वादित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. सियाने में सुविधा के जिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्मिनित व्यक्तियों गर्धात्:--- (1) रुक्सनि ग्रम्माल

(मन्तरक)

(2) न्नानप्रकासम ग्रीर ग्रवर्स

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करने पूर्वीवत सम्पति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आखेप :---

- (क) इस सुचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेशन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से
  45 दिन के भीतर धन्त स्थावर संपत्ति में हितब क
  किसी ग्रम्य व्यक्ति ग्राचा श्रवोहस्ताकारी के पास लिखित
  में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के पश्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि सरवे सं० 8/1 ग्रीर 8/2, उष्पिलिपालयम (डाफ़ु-मेंट सं० 2067/79)।

> राधा बालकृष्ण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रामुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज, मद्रास ।

तारीख: 17-7-1980

### प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 8838—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं:

भौर जिसकी सं० सर्वे सं० 8/1 भौर 8/2 है, जो उप्पि-लिपालयम में स्थित है (भौर इससे उपाबन अनुसूजी में भौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, सिनगनल्लूर (डाकुमेंट सं० 2066/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख नवस्थर, 1979

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निचिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबस, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्√मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिम्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, अक्स अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण कें, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्मिलिक्त व्यक्तियों, अर्थात्---

(1) श्री कें नारायनस्वामी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भानप्रकासम भौर भ्रदर्स

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के मर्जन के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

. भूमि सर्वे सं० 8/1 भीर 8/2, उप्पिलिपालयम (डाकू-मेंद्र सं० 2066/79)।

> राधा बालकृष्ण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्राप्तेंग रेंज, मद्रास ।

तारीख: 17-7-1980

प्ररूप बार्च ० टी ० एन ० एस ० -

आयकर अधिनिय्म्, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रारु, दिनांक 17 जुलाई, 1980

निदेश सं० 8838—यतः मुझे, राघा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक ही

मौर जिसकी सं० सर्वे सं० 8/1 ग्रौर 8/2 है, जो उप्पि-लिपालयम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ अमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारों के कार्यालय, सिनगनल्लूर (डाकुमेंट सं० 567/79) में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीचन नवस्वर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यदेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काँथत नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सून्त्रिधा का लिए; आर्थ/मा
- (क) ऐसी किसी अब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन विक्रनिस्तित् व्यक्तियों अधृत्ः—— (1) बरनिदरन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रानप्राकासम भौर भवर्स

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पतित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि सरवे सं० 8/1 भीर 8/2, उप्पिलिपालयम (डाकु-मेंट सं० 567/79)।

> राधा बालकृष्ण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, मब्रास ।

तारीख: 17-7-1980

मोहर.

गहा पाई० डो० एस० —————

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक म्रायकर म्रायुक्त ृं(निरीक्षण) स्र<mark>ज</mark>ैन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनांक 17 जुलाई, 1980

निदेश सं० 10535—यता, मुझे, राघा बालकृष्ण प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है शीर

भौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 596 पी० है, जो पीलामेठु में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, इरोठ (डाकुमेंट सं० 5306/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबस, उक्त ब्रिक्ष-नियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधनियम, या धन-कर भ्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः भव उक्तः श्रिधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्तः प्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीम निभनिलाखत व्यक्तियों, प्रधीतः---

- (1) श्रीमती बी॰ बानुमती
- (अन्तरक)
- (2) श्री श्रीनिवास टेक्सटाइल्स

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबश किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### भनुसूची

भूमि टी॰ एस॰ सं॰ 596 पी॰ पीलामेठु (डाकुमेंट सं॰ 5306/79)।

> राधा बालकृष्ण सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: - 17-7-1980

प्रकप बाई • टी • एन • एस •-----

आयकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सक्षायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 10535—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण आयक्र प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-क्षप्र से ग्रीवक है

श्रीर जिसकी सं० पीलमेठु है, जो ईरोठ में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ईरोठ (डाकुमेंट सं० 5305/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर, 1979 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपात बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पखड़ प्रतिशत से अधिक है और संतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उन्तर मन्तरण लिखत में अस्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण ये हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रितियम के प्रश्रीन कर देने के प्रश्नारक के वाविस्थ में कमो करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए धीर/या;
- (ख) ऐपी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तिबी की, जिन्हें भारतीय धायकर श्रीवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीवित्यम, या धन-कर श्रीवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वित्य के लिए:

जतः, ग्रवं, उस्त भोधनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त चिधिनियमं की मारा 269-ग की चपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रव्हति !--- (1) श्रीमती बी० बानुमती

(ग्रम्तरक)

(2) श्री ग्रार॰ ग्रासैतमधी

(मन्तरिती)

खनत सम्पत्ति के प्रजान के सम्बन्ध में **कोई भी धाक्षेप:**-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्स्स्वक्धी क्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिने की धविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीदर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत में प्रकातन की तारीख से
  45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकें।

श्यब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रक्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पीलमेठु, ईरोठ (डाकुमेंट सं० 5305/79)।

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, मब्रास

तारीख: 17-7-1980

मोह'र :

प्ररूप बाई ॰ टी॰ एन॰ एस॰ ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निवेश सं० 1035—यतः, मुझे, राधा बालकृष्न आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं।

भौर जिसकी सं० टी॰ एस॰ सं० 596 है, जो पोलमेठु में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रो-कर्ता श्रधकारी के कार्यालय ईरोठ (डाकुमैंट सं० 5304/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन 19 नवम्बर 1976

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से ए'से दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

जतः अबं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नीनिश्चित व्यक्तियों अर्थात:——

(1) श्रीबो० बानुमतो

(अन्तरक)

(2) श्री श्रासैतमको टेकसटैलस

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स् 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशम की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- सब्ध किसी अन्य स्थावर त्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

भूमि टो॰एस॰ सं॰ 566 पोलमेठ (डाकुमेंट सं॰ 5304/79)

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, मद्रास

तारीख: 17-7-80

प्ररूप भाई० टी० एन∙ एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें जा, मद्राय

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई, 1980

निवेण सं० 10535—यतः, मुझे, राधा बालकृष्त आयकर पिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसको उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्यये से अधिक है भीर जिसको सं० सर्वे 566 पो०, है जो पालमेठ में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय ईरोड (डाकुमेंट सं० 5303/76) में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16 के श्रधोन 19 नवम्बर 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृज्यमान प्रतिफल के लिए भग्तरित की बई है और मुझे यह बिज्यास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके वृज्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृज्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्षत प्रक्रिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अम्तरक के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निख्य में बास्तिक क

- (क) अन्तरण से हुई किसी मान की विवासत, जनत अधि-नियम, के मधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। बीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए जा, जिन्माने में सुविधा के सिए;

अतः, अस, उनत अधिनियम की धारा 269 को सनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269 कप की उपधारा (1) के अधीन नेम्निलिखित अपनितयों, अर्थातः—— 5—196GI/80 (1) श्री बीच बानुमती

(ऋन्तरक)

(2) श्री चिन्नम्माल

(भ्रन्सरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोशन सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की ध्रानिध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इमर्में प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उप प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि टी०एम० 566पा०, पोलमेठ। (डाकुमेंट सं० 5303/79)

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) प्रजैन रेंज 1¹, सद्राम ।

दिनांक: 17-7-80

प्ररूप आईं ० टी ० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई, 1980

निदेश सं० 7801—यतः, मुझे, राधा बालकृष्नं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्स जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 27 कपालिसवरर कोमिल है, जो नारत माल स्ट्रेंट मद्रास-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रंकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय मौलापुर (डाकुमेंट सं० 1998/79) में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधंन 19 नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह बिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान श्रीतफल से, एसे रहयमान श्रीतफल का प्रन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इन्हेमभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- (1) श्री रतटला बैंनकट सुन्दर राव
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीबो॰ एस॰ कुमार राजनवरन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुसूची

भूमि और निर्माण 27, कपालिसवरण कोमिल नारत माल स्ट्रीट मद्रास-4

(डाकुमेंट सं० 1998/79)

राधा बालकुष्नं सक्षम प्राधिकारो महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास ।

नारीख: 17-7-80

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कथालिय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 7768—यतः, मुझे, राधा बालकृष्नं धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिवियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिविन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रूपये से अधिक है और जिसकी सं० 149, है, जो हिबबुल्ला रोड, मद्रास-17 में

श्रीर जिसकी सं० 149, है, जो हिबबुल्ता रोड, मद्रास-17 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारा के कार्यालय टा० नगर (डाकुमेंट सं० 1611/79) में भारताय रिजम्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 79

की पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विभवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रिष्ठक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उश्वेष से उकत प्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत श्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: प्रव, उरत अधिनियम की बारा 269-व के बनुसरण में, में, उरत प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अक्षीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री प्रलमेलु

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुतु धीर प्रवरस

(भ्रग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, सघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीरपदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि और निर्माण 149, हबिबुल्ला रोड, मद्रास-17 (डाकुमेंट सं०: 1611/79)

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारी**ख**ः 17-7-80

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 17 जुलाई, 1980

निदेण सं० 7797—यतः, मुझे, राधा बालकृष्नं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं० 10 है, जो बालाजा नगर-II स्ट्रीट, मद्रास-14 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्राकर्ता ग्रीधकारा के कार्यालय मैलापुर (डाक्ट्रमेंट सं० 1977/79) में भारताय र्राजस्ट्राकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन नवम्बर 79

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से अम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, असके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से अक्त अन्तरण विखित में वास्तिवक क्ष्य से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय् या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिस्ति व्यक्तियों अथित्:—— (1) श्रंत धलसिनगराचार

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती टा० चन्द्रीका

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक³पे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अनुसूची**

भूमि ऋौर निर्माण-10, बालाजी नगर  $\Pi_{f j}$  राजवेट, मद्रास-14।

(डाकुमेंट सं० 1977/79)

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारो महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, मद्राग ।

ताराखाः 17-7-80

प्रकप आई० टी• एन• एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-॥, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई, 1980

निदेश सं० 7739—यतः मुझे, राधा बालकृष्नं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उन्त भिवित्यन' कहा गया है), की धारः 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० से भोधक है

भीर जिसका सं० 41, है, जो पिरलयार कोयिल स्ट्रोट, मद्रास-5 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय ट्रिपलिकेन (डाकुमेंट सं० 1002/79) में भारताय रिजस्ट्राकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रम्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि थथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर ध्रम्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ध्रम्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतं य ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1)) या छक्त मर्घात्त्रमा, या धम-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रतीजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था या किया वाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा व लिए;

अतः अत्र, उता अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नविखित व्यक्तियों, वर्षात्।——

- (1) श्री श्रानठाल ग्रम्भाज मनी, लक्ष्मा
- (ग्रन्तरक)

(2) श्री नेलुफर

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद म समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा:
- (ख) इन सूचना के राजपकः प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भी पर उक्त स्थावर सभाति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहण्ताक्षण के पास लिखिल में किए जा पर्वेगे।

ह्पच्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्त अधि-रियम, के अध्यास २०-२ से परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जा उस अध्यास में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि ग्राँर निर्माण 41, पिल्लयार कोयिल स्ट्रेंट, मद्रास-5 (डाकुमेंट सं० 1002/79)

राधा बालकृष्नं मक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीखा: 17-7-80

प्ररूप आई०टी०एन०एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 7733—यतः, मुझे राधा बालकृष्नं भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 210, टिफनस सरविसस सोसाईटी स्कीम है, जो ननठमपाखम मद्रास-17 में स्थित है श्रीर इससे उपाबस्त अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रालनठूर (डाकुमेंट सं० 2182/79 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख नवम्बर

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के ब्लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (छ) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ग्रन्थ धास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रियोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अघिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नालिखत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रो टो० के० विसयनातन राचेतल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कृष्ण

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 विम की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीत'र उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण-210, टिफनस सरविसस सोसाईटी स्कीम, ननठमपाखम (डाकुमेंट सं० 2182/79)

> राधा ॄबालक्रष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजैन रेज-2, मद्रास

तारीख: 17-7-80

प्रकर भाई। टी। एन। एस।----

ऑयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-भ (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 7734--यतः मुझे, राधा बालकृष्णन प्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रपए से प्रधिक है **भौ**र जिसकी सं० 43, है, जो फरसट भ्रवेन्यू शास्त्री नगर, मद्रास-20 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सैदापेट (डाकुमेंट सं० 2951/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नवम्बर 1979 की पूर्वीक्त गम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्बत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐवे दूरामान प्रतिकत्तका पत्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर घन्तरक (अन्तरकों) और घन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपन प्रत्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; श्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या श्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिखनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में मुक्खा के लिए;

प्रतः, भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री तयागराजन भीर लक्ष्मी

(म्रन्तरक)

(2) श्री कादर मोरान श्रलियार बुहारी

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किनी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किये जा सकोंगे।

हराब्दीकरण ृ:---इसमें अयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि -नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा. जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण-43 फरसट श्रवेन्यू, शास्त्री नगर, मद्रास-201

(डाकुमेंट मं० 2951/79)

राधा बालकृष्णत, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास ।

तारीख: 17-7-80

प्रकप याई• टी• एन• एस•-----

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 7770—यतः, मुझे राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खं के सधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उवित वाजार मूल्य 25,000/- हपसे से सिक है

भीर जिसको सं० 10ए, है, जो वेंनकटराम श्रव्यर स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजल्ट्रीकर्ता अधिकारं के कार्यालय टी० नगर (डाकुमेंट सं० 1643/79) में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर 79

1908 (1908 का 16) कथ्रधान नवस्वर 79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझें यह विश्वास
करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, स्य पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिष्ठ-नियम के ग्रधीन कर वेने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम, की बार। 269-ग के अनुसरण मं, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रो बहुलालजी

(ब्रन्तरक)

(2) श्रा रमनलाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रामोहस्तालरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

मूमि श्रौर निर्माण-10ए, वैंनकटराम श्रय्यर स्ट्रोट, मद्रास-17।

(डाकुमेंट सं॰ 1643/79)

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास ।

नारोख: 17-7-80

प्रकप आई • टी • एन • एस •-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रजीन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 7806—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन झायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिमियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका विश्वास कार्ज मूल्य 25,000/- वपने से प्रधिक है और जिसकी सं० 119, है, जो चामियरस रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में थ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मौलापुर (डाकुमेंट सं० 1957/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृज्यमान प्रक्रिकत के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति

- वृत्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे पह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोवत सम्पत्ति का विश्वत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पर्देश प्रतिशत से प्रविक है और अन्तरित (धन्तरितयों) के बीच ऐसे घन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नलिखित करेश्य से उन्तरित लिखित में वास्तविक क्य से खित नहीं किया गया है:---
  - (क) मन्तरण से हुई किसी धाम को बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/मा
  - (क) ऐंसी किसी आय या किसी घन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय पाय-कर पंछिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंग था या किया जाना चाहिए था, किया में सुविधा क जिए;

अतः मनः उन्त अधिनयम की वारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त मधिनयम की धारा 269-म की सप्कारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— 6—196GI/80 (1) श्रो सी० तिपास राव

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लक्शमी कुष्तस्वामी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की श्रविष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविष्ठ; जो भी ध्रविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भं।तर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी भन्य व्यक्ति हारा, भन्नोहस्सा-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्क । स्पन्न :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शक्ति किया कि धह्याय 20-फ में परिभाषित हैं। बहा अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशापत है।

# **म**नुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण-112, घामियरसरोड, मद्रास। (डाकुमेंट सं० 1957/79)

> राधा बालकृष्णन, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजन रेंज-2, मद्रास ।

तारीख: 17-7-80

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

धायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 7769—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धावीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० धे प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 9 है, जो शफी मोहमद रोड, मद्रास-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय टी० नगर, (डाकुमेंट सं० 1612/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कम से कथित नहीं किया गया। है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की सावत उक्त प्रक्षि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायिस्व में क्षमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए;

. भतः भव, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उक्धान्स (1) के अभीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, प्रयस्ति:— (1) मिर हिबबुल्ला हुसैन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रा० के शनमुह सुन्दरम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में बहुत- बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त भिर्ध-नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा जो उस भव्याय में विवा गुनका है।

# अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण-9, शकी मोहम्मद रोड, महास-6। (डाकुमेंट सं० 1612/79)

> राधा बालकृष्ण, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक**र धायुक्त (निरीक्षण)**, धर्जन् रेंज-2, मद्गास ।

सारीख: 17-7-80

(1) लक्शमिनारायन रेट्ठियार भौर भ्रदरस (भन्तरक)

माय्कर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

(2) नयू डोरिसान शुगर मिल्स (भ्रन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं ० 8823 - यतः मुझे, राधा बालकृष्ण नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-∡⊼. से अधिक है°

भौर जिसकी सं० 268, है, जो कनठमनगलम में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कनठमनगलम (डाकुमेंट सं० 1171/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मुल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसको दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्ति रती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर्/या
- (क्र) एेसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर् अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भांया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियौ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो जबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

भूमि कनठमनगलम-14-24 राकरस (डाकुमेंट सं० 1171/79)

> राधा बालकृष्ण, सक्षम प्राधिकारी, [सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-2, मद्रास ।

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

सारीख: 17-7-80

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास विनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 8836—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिधिक है,

मौर जिसकी सं० पन्नठम है, जो पन्नठम में स्थित है (ग्रीर इससे छपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय (डाकुमेंट सं० 2014/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नयम्बर 1979 को

पूर्वोक्त सम्मस्ति के उत्वत बाजार म्ह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उत्वत वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के कि ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे भ्रचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रधिनियम या धनकर भ्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या खिणाने में सुविधा के लिए;

शतः श्रव, उवत मधिनियम की धारा 269-ग के मनुबरण में, मैं, उवत श्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भधीन, निम्तिबिक्त व्यक्तियों, शर्वातः— (1) श्री सयद रहीम सरपू

(भन्तरक)

(2) श्री के० एन० कुप्पुस्वामी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हरबटी करण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त सिव-तियम के अध्याय 20- क में परिभाषित हैं, वहीं सर्य होगा, जो छस सब्दाय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि—पेन्नठम, मलिगै कोट्टम (डाकुमेंट सं 0 2014/79)

राधा बालकृष्णन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन-रेंज 2, मद्रास ।

तारीख: 17-7-80

मोह्नरः

प्रकप माई० टी॰ एन० एस०---- (1) श्री

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 17 जुलाई, 1980

निवेश सं० 8809—यत: मुझे, राधा बालकृष्ण जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूण्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० सी 13 श्रौर सी 13 ए है, जो कावेरी नगर कौलनी मायूरम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्णरूप से विणत है) (रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मायूरम (ज्ञाकुमेंट सं० 999/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 79

को पूर्णकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पण्डब् प्रतिशत से प्रधिक है और प्रम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रम्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत प्रम्तरण विधित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रक्रियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्: और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चाया किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उपत अधिनियम की घारा 269-न के अनुसरण में, में, उपत पंडिनियम की घारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (-1) श्री नारायान ग्रथ्यर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजगोपाल नायडू

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविष्ठ, जो भी ग्रविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शि में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित सें किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वहीं ग्रयं होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-सी 13 श्रौर सी 13ए, कावेरी नगर कालनी मायुरम

(डाकुमेंट सं० 999/79)

राधा बालकृष्ण सक्षम प्राधिकारी ससहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2 मद्रास ।

तारीख: 17-7-80

प्ररूप आर्ड, टी. एन्. एस्.-----

व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज; मद्रास मद्रास, दिनांक 17 जुलाई, 1980

निदेश सं० 10534---यतः मुझे राधा बालकृष्ण स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं भौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 612 भौर 613/2 है, जो ईरोड में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याक्षय ईरोड (डाकुमेन्ट सं० 5185/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधि-1908 (1908 का 16) के भ्रधीन नवम्बर, 79 को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक इस्य से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) पुरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जिया जिया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अय, उयत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मंग, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुशिवित व्यक्तियों अधितः— 1. श्री दीन दयाल भीर भन्य

(ग्रन्तरक)

2. श्री बी० राम प्रसाद धौर अन्य

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए पा सर्कांगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त कृब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसङ्गी

भूमि टी० एस० सं० 612, 613/2 ईरोड, (डाकुमेंट सं० 5185/79) ।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भद्रास ।

तारीख 17-7-80 मोहर: प्ररूप आई ० टी० एन० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

धार्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० 10534—यतः मुझे राधा बाल कृणण मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करेंने का कारण है कि स्थावर सर्म्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ राठ से अधिक है। भीर जिसकी संठ टीठ एसठ संठ 616/2 और 617/2 है, जी हरोड में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची मे और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरोड में (डाकुमेंट संठ 5199/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन नवम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य,

इसके क्रयमान प्रतिफल से एेसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उनुदोष्य से उक्त अन्तरण लिखित

मों वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री लक्ष्मीनारायण पार्थसारथी

(मन्तरक)

2, श्री बी० रामप्रसाद भौर भन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- वर्ष किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे.

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमत्त्रची

प्रनुसूची

भूमि टी० एस० सं० 617/2 श्रीर 616/2 ईरोड (डाकुमेंट सं० 5199/79)।

> राधा धालकृष्ण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारी**ख** 17-7-1980 मो**ह**र : प्ररूप आई • टी • एन • एस • -----

1. जै० मोदिलाल सौकार,

(भ्रन्तरक)

2. श्री पी० एस० नमबियार

(भ्रन्तरिती)

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, विनांक 17-7-1980

निवेश सं० 8842—यतः मुझे राधा बालकृष्ण कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित् जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 24 है, जो शनमुहम रोड, तामबरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय तामबरम (डाकुमेंट सं० 4727/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन विनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वांक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष्म निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक ख्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उक्त अधिनियम, या धन-कृष्ट अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया धरें।

मन्त्रची

भूमि श्रीर निर्माण 24, शनमुहम रोड, तामबरम (डाकुमेंष्ट सं० 4727/79)।

> राधा बालकृष्ण श्लीसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, मब्रास

,तारीख 1*7-7-*1980 मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों अधीतः— प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, विनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 8807—यत-: मुझे राधा बालकृष्ण, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रधिक है

और जिसकी सं० 63, है, जो कालेज रोड, कारैकुटी में स्थित है (और इससे उपाद्ध भनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय कारैकुटी में (डाकुमेंट सं० 2566/79) में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी प्राय की वाबत, उक्त क्रिधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कगी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधील निम्नालिखत ध्यक्तियों, ग्रर्थात् :---

1. श्री एल० सुद्रामनियन

(ग्रन्तरक)

2, श्री कला नीरप्पन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्ववहीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रष्ट होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 73, कालेज रोड, कारैंकुठी, (डाकुमेंट सं० 2566/79) ।

राधा बालक्वष् सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 17-7-1980 मोहर : पहा पहिं शिव एता एता ----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 हा 43) की धारा 269-ख (1) के धंधीन खुनना

भारत प्रदेश र

कार्यालय, सहायक धायकर धायका (विरीक्षण)

अर्जन रेंज, वंगलार वंगलोर, दिनांक 13 पार्च 1980

निर्देश सं० 269/79-80—यतः मसे एव० तिम्मय्या आयकर अधिनियस, 19-01 (1961 ज 43) किसे इसमें इसके पश्चा जिस्त अधिनियमं कहा प्रवा है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिनातः की वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर क्षिति है। जिस्ता आवार मृत्य 26,000 कि ले अधिक है

भौर जिसकी सं० मैद्रिज नं० 99 और सर्वे नंबर 104 मं० 107 तक है, जो बोर्डर रोड, और डा० शिरमोकर रोड, मन्धि पण जो, में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रन्यूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी है कार्यालय इस्हास श्रींडर डाक्यू मेंट नं० 502 तालीख 22-11-79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक 22नवम्बर, 1979

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार पृल्थ से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (उत्तर्को) और अक्तरितो (प्रनिर्दिशों) के बोत ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्येष से उक्तर उन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: —

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी साथ की बाबन, जक्त ग्रीधिनियम के प्रधीन कर देंगे के शन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बनने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या प्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात:—  श्रीमती झोय वंतिबाई श्रांग्लो उर्फ जैयतिबाई श्रांग्ले अथवा झोयवंतिबाई पोइ श्रांग्लों उर्फ गंगा बाई झोबिस, पणजी ।

(श्रन्तरक)

- 2. (1) श्री यशवंत शिवा आंग्ले, बम्बई
  - (2) बेंकटेण णिवा श्रांग्ले
  - (3) प्रभाकर शिवा श्रांग्ले
  - (3) बाल कृष्ण शिवा आंग्ले
  - (5) किणोर शिवा श्रांग्ले
  - (6) श्रवधून भिवा आंग्ले

महालक्ष्मी मंदिर समीप, पणजी, गोवा

(श्रन्तरिती)

को ाह मूथना जल्पी करके प्रवीका सम्मति के अजन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता है।

उत्त मस्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (फ) इस गुचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख मे 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नुबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीनर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिन-नद्व दिनी जन्म व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

म्बब्दी हरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रव्याय 20-क में परिमाणित हैं, बड़ी अर्थ होगा जो उस श्रद्याय में दिया गुपा है।

### ग्रनुसू**पी**

631, स्क्यायर मीटर खुला जगह बिल्डिंग जिसका मेट्रिज नं० है 991 ग्रीर सर्वे नं० 104 से 107 तक, ग्रीर जो डावटर बोर्कर रोड, ग्रीर डाक्टर शिर्गोकर रोड, सन्धि पाणजी, में स्थित है ।

> एच० तिम्मय्या सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, बेंगलूर

नारीख 13-3-1980 मोहर: प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰ -

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 16 मई, 1980

निर्देश सं० 275/80-81—यतः मुझे एच० तिम्मय्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सि० टी० एस० नंबर, 467, है, जो वार्ड नं ात. बिल्लारि गिल्ल, हुबली में स्थित है (श्रीर इस्से उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिष्टिस्ट्रीस ति अधिकारी के कार्यालय हुबली अंडर डाकुमेंट नंबर 1564 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. गुरुतिगप्ता, भीमप्ता उल्लिकासि
  - (2) भीमध्या रुहीं तगप्या, उल्लिकासि,
  - (3) श्रोमती पुरुगाँतव्या मंजप्पा उल्लिकासि देवाई गलि, हुबली ।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) परशुराम हनमंतसा बद्धि
  - (2) रधुनातसा हनमंतसा बद्धि जोकदवर स्रोणि, हुबली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जगहस्रौर विल्डिंग जिसका सि० टी० एस० नम्बर है 467, स्रौर जो वार्ड नम्बर  $\mathbf{H}$ . बल्लारि गिल, हुबली में स्थित है।

एच० तिम्मय्या सक्षम प्राविकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलोर

तारीख: 16-5-1980

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

# आयकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के समीन सुकना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 3 जुलाई, 1980

निदेश सं० सी० ग्रार० सं० 62/26304/79-80/एक्यू०/ बी०—यतः मुझे, एन० वीरराधवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपय से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 86/4ई खाली जगह है तथा जो बदनीडीयूर गांव, उडुपी, तालुक में स्थित है (ग्रौर जो इससे उपाबद्ध अनु-सूची में ग्रौर जो पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय उडुपी, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 26-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) घोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रीविनयम के भ्रवीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम या अन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उनत अधिनियम की धारा 269-य के भनुसरक में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

- 1. (1) बी० तुकाराम् राव
  - (2) बी० केंदारजी राव के पुत्र बदनीडीयूर गांव, उडुपीतालुल्का,साउत केनरा (डी) ।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स राज महल होटेल्स, प्राइवेट लिमिटेड, सिंडीकेट हाउस, मनिपाल,पी० ग्रो० जिसका प्रतिनिधि है श्री टी० रामेशा, य० पै

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस मूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अञ्चोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्होकरण:--इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, जो उन्त ग्रंधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रंथ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दस्तावेज सं० 1117 तारीख 26-2-1980 खाली जगह है जिसका सं० 86/4ई बदनीडीयर गांव में उडुपी ताल्लुका साउत, केनरा (डी) कर्नाटक

> एन० वीर रा**घवन,** स**क्षम प्राधिकारी** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, **बेंगलोर**

तारीख: 3 जुलाई, 1980

मोहरः

# प्रक्ष धाई॰ टी• एन• एस•---

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के घंधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगल्र, दिनांक 3 जुलाई, 1980

निर्देश सं० सी० श्रार० नं० 62/25983/79-80/ए०सी० क्यू०/बी—यतः मुझो, एन० वीर राघवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के घंधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित्त वाजार मूख्य 25,0000/- रु० से घंधिक है

भीर जिसकी सं० 7, भीर पुराना सं० 23 है, तथा जो कानकपुर रस्ता, बसवनगुडी, बेंगलोर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्गरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बसवनगुडी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 14-12-79

को पर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल प्रश्निक है और पन्तरक (जन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ना पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उना अन्तरण निश्चित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी भाग की बावन उपता अधिन नियम, के भ्रधीन कर देने के सम्बरक के दाशिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विष्: भीर/या
  - (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें ग्रन्थरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उपत अधितियम की घारा 269-म के भनु-सरण में, मैं, उक्त अधितियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निक्तिविधित स्वितियों अर्थात:— के० एस० श्रानन्वराम डोही,
 309, शारवानंदा, भवन रास्ता,
 विश्वेश्वर पुरम,
 बेंगलूर

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) एन० एस० अध्वस्ननारायण मेही
  - (2) एन० ए० नागन्द्रा,
  - (3) एन० ए० द्वारिकानाथ
  - (4) एन० ए० नटराज
  - (5) एन० ए० प्रवीप कुमार सब लोग रहते हैं, सं० 69/1, मिलड स्मूल रोड, वी० वी० पुरम, बेंगलूर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं !

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इप सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद से समाप्त हाती हो, के जीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस तुचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के मीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य स्पन्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्वद्यीकरण :---इसमें प्रयुक्त गब्दों स्नीर पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के सक्याय 20-क में परिचाक्ति है. वद्वी अर्थ होगा, जो उस स्रव्याय में दिया गया है।

### अमुसची

(वस्तावेज सं॰ 2737/79-80 तारीख 14-12-79)

घर संपत्ति सं०

्विभागसं० 7, पुराना स० 23,

कनकपुर रास्ता,

बसवनगुडी, बेंगलूर-4

चक्रबन्दी :

उत्तर : उसी सम्पत्ति के दूसरा वीभाग

दक्षिण : प्राइवेट संपत्ति पश्चिम : धन्सरवेन्सी लेन,

पूर्व

पश्चिम : कनकपुर रास्ता

एन० वीर राघवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज, बेंगसूर

तारीख 3-7-80 मोहर: प्रहा भाई । टो । एन । एस ।

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) हे अधीन मुचना

भारत मरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंग, वेंगलूर

बेंगलूर, दिनांदः 10 जुलाई, 1980

निदेश सं० सी० ग्रार० 62/25489/79-80/एक्यू०/बी⊶-यतः मुझे ग्रार० तोतान्नी

आयकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका प्रितियम' हदा गया है), को धारा 269-ख के अधीत नक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करते हा कारण है कि स्थावर सम्मति, जिल्हा उचित्र बाचार मृत्य 25,000/-क्षये से श्रीष्ठक है

स्रौर जिसकी री० सं० 398 2B & 397-3 & 398-4ए एण्ड टी० एस० सं० 187-4 ए, 187-2 बी एण्ड 188-3 है, तथा जो कोर्ट वाड, इस्वा दिलर, मगलूर, में स्थित है (स्रौर इसी उगाबद्ध सन्सूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीय ती स्रिधिवारी के दार्यालय, मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 17-11-1979

पूर्वोक्त सम्पति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान व्रतिकन के निए प्रानित को नर् है तैर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यणापूर्वोक्त मन्द्रित का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिकत स, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्तह प्रतिशत अधिक है और मन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐते अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य ने उच्त अन्तरण लिखित में नास्तिक हम में प्रयोग नहीं किया कर है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी दाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविद्या के लिए; और/न
- (ख) ऐसी जिन्हें भारतीय आयकर प्रधितियन, 1922 को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधितियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, जा धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

लतः लब, उक्त अधिनियम की धारा 26% म के मन्द्रण में, में, उक्त गणिनियम की धारा 26% म की उपधारण (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः —

- 1. (1) श्रीमती हरमें गोंसाल्वेस
  - (2) ग्लेन एवरेस्ट, गोंसाहवेस,
  - (3) मरीयोला जोन गोंसाल्वेस
  - (4) लवेल्ला ार्रमीलिट गोंसाल्वेस सं० 2-4 सं० 1के <mark>छोटे बच्चों</mark> क**र्नाड,सदाशिव** रोड,कोडीया बयल, गांव मंगलरटाऊनप

(ग्रन्तरकः)

 श्री बी० एम० राम्हुष्ण सुपुत श्री माधव राया हतवार, होटेल मालिकः डोर सं० 1165, एक कास, ग्रासकः नगर, मन्डया

(अन्तरिती)

को यह भूगना जारा करम पूर्वों न सम्पत्ति के मर्जन के निष् सर्पेताहियां करता हूं।

उनत तम्यति के प्रार्वत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस मुक्त ह राजपत र प्रजान की तारीख से 45 दिन को प्रवित्त या तत्त्रक्ष्यक्ती व्यक्तियों पर सूचना की सभान से 30 दिन को प्रवित्त जो भी प्रवित्त द्वार में निस्ता नारी हो, के भीता पूर्वीक्त क्ष्मीवनयों में निकास नारित तारा;
- (अ) ६० पूर्यना के राज्यत के प्रजायत की तारीज से 13 कि वा पालर पत्र स्थावर प्रमति में हिताज 18 वो जन्म क्योंना दारा, प्रजोद्दताज्ञारी के पास लिखित में किए आ लहेंगे।

स्यब्दीकरण : ६ वर्षे प्रमुक्त जन्ते सौर पदीं का, जो उन्त अधित्यम, १ अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भी होगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है !

### **अनुसूची**

(दस्तावेज सं० 621/79-80 तारीख 27-11-79) संपत्ति सं०

त्रार०एस० सं० टी० एस० सं० एक०स्टेट ए-सी

(1) 398-ए 187--4ए 0---79½

(2) 398-2बी 187---2 बी1 0---07½

(3) 397-3 188-3 0-01

सान घर संपत्ति सं० 14-6-934 & 14-6-935 स० 937 कोर्ट वार्ड कस्बा बजार गांव मंगलूर, वर्णाटकः,

> श्रार० तोतात्नी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

नारीख 10-7-80 मोहर: प्ररूप याई । टी व्यन । एस ---

आयकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के ग्रधीन मुचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 जलाई, 1980

निदेश सं० सि० स्नार० 62/25649/79-80/ए/सिक्यू/बी--यत: मुझे, स्नार० तोतात्री,

आयकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उना अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के स्रधीत सक्षम प्रधिकारी को, यह जिल्लाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित आजार मून्य 25,000/- ६० से स्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 6/1, है, तथा जो चारवां कास, लालबागरोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बसवन-गुडी, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12-11-1979

को पूर्वीकत सम्पत्त के जीवत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के जिसे अन्तरित को गई है और मुझे यह तिश्वास करने का कारण है कि यशाप्रवींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और स्वतरित्री (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से क्यित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/धर
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपदारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान ---

1. श्री दिलोप एल० भटाविया, सं० 77, एस० पी० रोड, बेंगलूर-1

(ग्रन्तरक)

 श्रीसो० शिविनिन्पा, सं० 25/1, सिद्दन्ता, लेंन, कळानपेंट, बेंगलूर

(ग्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हं

उन्त सम्भित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस पूजना व राजपत वें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वधि, गी भी अवधि बाद में समाध्य होता हो. के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी छ से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ट हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टी हरण: --इन्सं प्रयुक्त शको दौर नदा हा, जो उक्त प्रधि-नियम के आयाप 20-क भें परिभाषित है, वही पर्व होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2333/79-80 तारीख 12-11-1979) खाली जगह सं० 6/1, 4 कास, लाल वाग रोड,

वेंगलूर-27

चकबन्दी :

उत्तर : प्राइवेट प्रापर्टी दक्षिण : जगह सं० 6

पूर्व : 4 कास जाने जगह

पश्चिम : ऋास डेन,

ग्रार० तोतात्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 10-7-1980

### प्ररूप ग्राई० टी० एन०एस०---

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 जुलाई, 1980

निदेश सं० सी०ग्रार०62/25627/79-80/एक्यू०/बी---यतः मुझे, ग्रार० तोतात्ती

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सञ्जाम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 179 है, तथा जो राष्ट्रीय विद्यालय रोड, विक्वेक्वरपुरम, बेंगलूर-4 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बसवनगुडो, में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 2 नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत तिन्तिविवों उद्देश्य न उका अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िक्सो आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- 1. (1) ग्रार० कृष्णामूरती,
  - (2) स्नार० के० भारत
     538, अनन्त निल्या, 32, कास,
     IV ब्लाक, जयनगर, बेंगलूर-11

(ग्रन्तरक)

 श्री एम० एस० कृष्णाय्या शेट्टी 388, राम ग्रयीनगार रोड, विश्वेश्वर पुरम, बेंगलूर-4

(ग्रन्तरिती)

 श्री एस० एन० पार्थसारथीं, सं० 179 ग्रार० वी० रोड, वी० वी० पुरम, बेंगलूर-4 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो एक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2163/79-80 तारीख 2-11-79) घर संपत्ति सं० 179 तथा जो राष्ट्रीय विद्यालय रोड, विश्वेश्वरपुरम, बेंगलूर-4 में स्थित है।

चकबन्दी:

उत्तर : प्राइवेट प्रापर्टी दक्षिण : प्राइवेट प्रापर्टी पूर्व : प्राइवेट प्रापर्टी पश्चिम : श्रार० वी० रोड,

> ग्रार० तोतात्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 10-7-1980

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

नायकर प्रतिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, बिनांक 10 जुलाई, 1980

निर्वेश सं० सी० भ्रार०-62/25648/79-80/एक्वि०/ बी०--यतः मुझे, भ्रार० तोताझी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रिक्षिनयम' कहा गया है); की धारा 269-ख के प्रधीन स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- क से प्रधिक है और जिसकी सं० 6 है, तथा जो नला क्रास, लालभाग रोड़, 4 कास, वेंगलूर-27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची भें और पूर्ण रूप में विणित है), रजिष्ट्रीकर्ण प्रधिकारी के कार्यालय, बसवनगुड़ी, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 12-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान रितफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य रात प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिपात से अधिक हैं भोर भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का छन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त मधिनियम को धारा 269-ग के बनुसरण में, प्रकृत अधिनियम की घारा 269घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
8—196GI/80

- 1. श्री रजेन्द्र एल० बटाविया पुत्न एल० एन० बटाविया स० 77 सरदार पलूष्पा रोड़, बेंगलूर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री जी जिल्लोकनाथ पुन्न एन जी गोपास्प्पा संज् 84/1, III कास, III मेन् संपंगीरामनगर, बेंगलूर-27 (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके जूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उपत सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवज्ञ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः → इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

# भनुसुची

(दस्तावेज 2332/79-80 ता० 12-11-79) खाली जगह, सं० 6 नाला कास, लालबाग रोड़-4 कास, डिवीजन सं० 38, बेंगलूर-27। चक्रबंदी सं० में --जगह सं० 6/1 द० में --पैवेट प्रापर्टी पू० में--IV कास जाने जगह। प० में--कास डैन्।

ग्रार० तोताती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 10-7-1980

मोहरः

# प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 21 जुलाई, 1980

निर्देश सं० सि० ग्रार० 62/25978/79-80/ए० सि० क्यू०/बी०--यतः मझे, ग्रार० तोतान्नी,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 86, है, तथा जो गांधी बाजार रोड, वसवनगृडी, बेंगलूर-4 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी के कार्यालय, बसवनगृडी, बेंगसूर-4 में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रत, ग्रव, उनत ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के **मनुसरण** में, मैं, उनत ग्रधिनियम को धारा 269-च का उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत: ---

- (1) श्रोमती राजाबाई के बाड़े, श्री/डा० करमचन्द वाड़े की पत्नी मं० 15, बाचश्म्माल रोड़, काक्स टाउन, बेंगलूर-5। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती लक्ष्मीदेवी,श्री/सि० एम० एम० गर्मा की पत्नी, 2. श्रीमती स्वर्णलता, श्री एम० वासुदेव की पत्नी, दोनों सं० 13/13, पपमहाकवी रोड़, शंकरपुरम बेंगलूर-4 में रहवासी हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजेंन के सम्बन्ध में कोई श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में नमाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद किसी व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्वब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त मब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिध-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2649/79-80 ता० 10-12-1979) घर संपत्ति जिसको सं० 86 है तथा जो (पुराना सं० 86/2) गांधीबाजार रोड़, बसवनगुडी, बेंगलूर-4 में स्थित है।

चकबन्दी ---उ० में -- कार्न्सवन्सी लेन्।

द० में--- गांधीबाजाररोष्ट्र।

पू० में -- श्रीके० एस० कप्पुराव के घर।

प० में—– श्री वासुदेघमूर्ति के घर।

श्रार० तोतात्री सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 21-7-1980

मोहर

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगसूर, दिनांक 23 जुलाई 1980

निर्देश सं० सी० ग्रार०-62/25567/79-80/एविव०/ बी०—-यतः मुझे, ग्रार० तोतात्री, म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त श्रक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रजीत तक्षा प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-ह्मये से बाजार मृहय म्रधिक श्रौर जिसकी सं० पुराना सं० 69 ग्रीर नया नं० 159 है, तथा जो कुम्बार पेटे मेन रोड़, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्ष्य, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **श्र**धीन तारीख 29-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण निखित में बास्तविह रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण त हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अत्र, उक्त प्रक्षितियम की धारा 269-ग के पनुसरण में, में, उक्त प्रवितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:--

- 1. श्री श्रगोक कुमार, उर्फ श्रगोक सं० सी०-25, वेंन्कोबेराव लेन नगरत पेट, बेंगलूर-2। (श्रन्तरक)
  - 2. 1) श्री जे० एन० गंगाराम राव
    - 2) श्री जे० एन० क्रुपाशंकर राव
    - 3) श्री जे० एन० मंजुनाथ राव
    - 4) श्री जै० एन० नजुन्ड राव

सं० 7, पुगनूर शमक्ष लेन 11 क्रास एस० पी० रोड़, बेंगलूर। (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त वाक्तियों में ज किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूनना के राजाब में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समाति में हितवब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ब्रधोड्स्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोक्तरगः ---इतमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त थाध-नियम के अध्याप 20-६ में परिभाषित हैं, वहां श्रर्थ होगा, जो उत्र श्रष्टगाय में दिया गया है।

### **भ्रनुपू**ची

(दस्तावेज सं० 2854 ता० 29-11-1979) घर संपत्ति सं० पुरानी सं० 69 नया स० 159 कुम्बार पेट मेन रोड़, बेंगलूर सिटी।

द० में--शांता मिरसास इमारत

पु० में -- हन्मक्का के इमारत।

प० में----मुर्ती के इमारत।

ग्रार० तोताती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बेंगसर

तारीखा: 23-7-1980

माहर:

प्ररूप आई० टी० एन०एस०---

भावतर समितियम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के संशीत सूचना

भारत सरकार

नार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, बेंगजूर बेंगलूर, दिनांक 22 जुलाई, 1980

निर्देश सं० सि० श्रार०-62/25674/79-80/ए० सिक्यू०/बी०---पतः मुझे, श्रार० तोतात्ती, आयकरअधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संगत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० 59/01 (श्रीउट हौस) है, तथा जो वेस्ट ग्रांजनेय टेंपल रोड़, बसवनगुडी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बसवनगुडी, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 30-11-1979

को पूर्वोक्त संपंचि के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमन प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परब्रह प्रतिशत से सिक हैं और बन्तरक (बन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उनत प्रक्रि निमम के घ्रधीत कर देने के प्रश्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐमी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, मा धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, खिपाने में सुनिश्वा के लिए;

अतः धन, उक्त धिवियम, की धारा 269-व के धनुसरण में, म, उक्त धिवियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के स्थीन, निम्निस्तिक क्यक्तियों, धर्मात्।——

- 1. श्री बी० बी० नारायणराव, श्री/राव बहादुर, बी० बेंस्टेशप्रावार के बेटा, सं० 59, वेस्ट ऑजनेय टेंपल रोड़, बसवनगुडी, बेंगलूर-5600041 (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती श्रार० भानुमति, श्री ए० राममित की पत्नी, मं० 70, दूसरा कास, गविपुरम् एक्सटेंशन, बेंगसूर-560019 (श्रन्तरिती)
  - 3. (1) बि॰ एन॰ रंग स्वामी
    - (2) ग्रनंत नारायण बदयार (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-प्रक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहम्ताकारी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोक्तरमः ---इसर्वे प्रमुक्त सम्बं भीर पदों का, जो सकत भिवित्यम के भव्याय 20-क में परिभाषित है. वहां अर्थ होता को उस भव्याय में दिया गया है।

# प्रमुसुची

(दस्तावेज सं॰ 2539/79-80 ता॰ 31-11-1979)

घर संपत्ति जिसकी सं० 59/01 (भौउट हौस) है। तथा जो वेस्ट ग्रांजनेय टेंपल रोड़, बसवनगुडी बेंगलूर-4 में स्थित है।

चकबन्दी--उ० में-- जगह सं० 78/31

द० में<del>--- जगह</del> सं० 78/1।

पु० में--- बी० वी० नारायणराव के जगह सं० 59।

प० में--- जगह सं० 781

ग्रार० तोताली सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बेंगसुर

तारीख: 22-7-1980

प्ररूप आई• टी• एन० एस०----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 23 जुलाई 1980

निर्देश स० सी० स्नार०-62/25511/79-80/ए विव०/ बी०—यतः मुझे, श्रार० तोतास्री.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र• से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० ग्रार० एस० सं० 517-3 ए श्रौर 517-11 ए० है, तथा जो बोलूर गांव, मंगलूर सिटी, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-11-1979

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह पितणत से पिछक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) पन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियन के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कि प्रयोजनार्ष प्रग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भ्रथ, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रविनियम की घारा 269-च की उपश्वारा (1) अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्घात् :----

- श्री एम० राम कामत पुत्र एम० नागप कामत, जिसके एजेंट है, के० बालकृष्ण डोनाथ पुत्र दयानंदराव, ग्रन्सारी रोड बुनहेर, मंगलूर। (श्रन्तरक)
- (1) एन० एस० सी० भंडारी पुत्र के० म्रसप्पा
   (2) सरोजा एस० भंडारी सं० 1 की पस्नी बोलूर
   गांव में रहने वाले मंगलूर-3। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्य क्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी अविकत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत्र में प्रकाशा को उत्तरीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर समाति में हित-बद्ध किसी अन्य काक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: --इसमें प्रपृक्त गन्धों और पदों का जो उक्त श्रीधिनयन के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उप प्रध्याय में दिया गया है।

# श्रनु सूची

(दस्तावेज सं० 680/79-80 ता० 15-11-1979) संपत्ति सं० श्रार० एस० सं० 57-30 श्रीर 57-11 ए बोलुरगांव में है मंगलूर सिटी म्युनिसिपिलटी मंगलूर।

श्रार० तोताती सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगसुर

तारी**ख**: 23-7-1980

प्रस्य प्राई० टी॰ एन॰ एस॰----

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः सहायक श्रायकर <mark>प्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रजेन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 जुलाई 1980

निर्देश सं० सि० ग्रार०-62/25539/79-80/एसिक्य०/ बी०--यतः मुझे श्रार० तोथात्री, ष्ठायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इमके पश्चातु 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-ख के प्रधीत सञ्जन प्राधिकारी की, यह विश्वान करते का कारण है कि स्पात्रर सम्पत्ति, जिसका मरुप 25,000/-रुपये से भविक है ग्रौर जिसकी मं० 654, 566/2 ग्रौर ए-517/2 है, तथा जो **ब**ड़ा बाजार स्टीट, चामराजनगर मैसूर जिला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्ष ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चामराजनगर (पूर्व) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम् 1908 (1908 का 16) के ब्रधीन, तारीख 28-11-1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दशासात प्रतिकत के लिए घरतरित को गई है घीर मझे यह विश्वाप करने का कारण है कि ययापूर्वीवन सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उपके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से मिलक है भीर वन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसं प्रस्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य अ उत्तर धरतरम लिखिन में बास्तविक कम से कबिन

(क) प्रत्तरण में हुई किसी खार की वाका उका, खिंध-नियम के संधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या वससे बचने में सुविता के लिए; भीर/या

नहाँ किया गया है:---

(ख) ऐसी हिसी मात्र या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों, भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किथा गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, अब, उन्न भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्न भ्रधिनियम की भ्रारा 269-न की उपबारा-(1) के भ्रधीन निम्नितिखत व्यक्तियों श्रधीत् :——

- श्री वी० एस० ध्रनंतनारायणरात्र जोयिस सुत्रमण्यय्या के बेटा। सं० 6-85, द्सरा क्रास चमाल स्ट्रीट, चामराज नगर मैसूर जिला। (ग्रन्तरक)
- 3. श्री एच० एम० श्रीकंटस्वामी दि० एच० पी० मल्लन्ना के बेटा सं० ए०-466, जैन स्ट्रीट, चामराजनगर, मैसूर जिला। (श्रन्तरिती)
- 3. श्री सूरनाम दीपक टैक्सटाइल, बाजार स्ट्रीट, चामराजनगर, मैसूर जिला। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पति के ग्रजैन के लिए कार्पवाहियां शुरू करता हूं।

उका सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की नामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वडहो हरण: --इउमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दों का, जो उक्त ग्रीधनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 796/79-80 ता० 28-11-79) घर संपत्ति सं० 566/2, ए०-517/2, सं० 654, दुकान ं० 4, बड़ा बाजार स्ट्रीट चामराजनगर, मैसूर जिला में स्थित है।

श्रार० तोथाती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, बंगल्र

तारीख: 25-7-1980

भोहर :

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगसूर, दिनांक 25 जुलाई 1980

निर्देश सं. सी० ग्रार०-62/25540/79-80/एसि-क्यू०/बी०--यतः मुक्षे, ग्रार० ताथात्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी णाप सं० 654, 566/2, और ए०-517/2 है तथा जो बड़ा बाजार स्ट्रीट. चामराजनगर, मैसूर जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चामराज नगर (पूर्व) में रजिस्ट्रीकरण शिक्षिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 28-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत आक्षिक है और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उना अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की शायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269 घ की छाधारा (1) क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

- श्री बी० एस० ग्रनंतनारायणराव डोर मं० 6-85, द्सरा क्रास चमाल स्ट्रीट, चामराजनगर, मैस्र जिला। (यन्तरक)
- 2. श्री सी० वी० चन्नवीरय्या श्री सी० वीरभड्य्या के बेटा, डोर सं० 8-104, पहला देवांग स्ट्रीट, चामराजनगर, मैसूर जिला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिंह-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 797/79-80 ता० 28-11-79) णाप प्रिमैसिम सं० 654, म्युनिसिपल खाता सं० 566/2, श्रौर ए० 517/2, तथा जो बड़ा बाजार स्ट्रीट, चामराजनगर, मैसूर जिला में स्थित है।

> म्रार० नाथाती सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, बंगलूर

तारीख: 25-7-1980

मोहर

प्ररूप आहरं. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाव, दिनांक 7 जुलाई 1980

सं० श्रार० ये० सी० नं० 185/80-81--यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 6-1-69/5/3ं० है, जो सैफाबाद हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कैरसा बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यगान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्षत व्यक्तिसयों अर्थातः—

1. श्री मिर्जा महमद जाफर घर नं० अं०-1-69/55 सैफाबाद, हैदराबाद। (श्रन्तरक)

2. श्रीमती अरीपुन्नीसा पत्नी मिर्जा गलीम वेग 5-9-8/3, सैफाबाद, हैदराबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

घर सं० 6-1-69/5 श्रे० सैफानाद, हैदराधाद म रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 3027/79 उप रिजस्ट्री नायिलय कैरताबाद में।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदरा**धाद** 

तारीख: 7-7-1980

प्ररूप आहुं. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, हैदराबाद

हैवराबाद. दिनांक 7 जुलाई, 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 186/80-81---यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संब्प्लाटनंव 2 है, तथा जो 10-3-314 में मासाबाद टैक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे धश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:--

1. श्रीमती फातिमा बेगम पति कर्नल एस० अन्दुल्ला 16-10-29 पुराना मलक्षपेट, हैदराबाद। (ग्रन्तरकः)

2. श्री बी० सीताराम राओ घर निवासी सुराराम राधान्ता पेट, तालुक नलगोण्डा जिला। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरमम्बन्धी व्यक्तियां पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित+ बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त भव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-वः में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में गया 🕱 ।

# भ्रन् सूची

प्लाट नं० 2 वीस्तर्न 511--वर्ग यार्ड नं० 10-3-314 के बीठ भाग में मलाबटेंक, हैदराबाद में रिजस्ट्री वस्तावेज नं० 4662/79 है उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

> एस० गोबिन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 7-7-1980

मोहर :

9-196 G1/80

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्देश सं० श्रार० ये० सी०नं० 187/80-81---यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जमीन नं० 116, 117 है, जो गगनपाड गाऊ, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद बेस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तितयों अर्थान्:---

- श्री पतनगी काबय्या पिता हनुमत्या घर नं० 1~24~ गगनमहल गाऊ, हैदराक्षाद वेस्ट रंगारेड्डी जिला। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री गदीराजु नारायनराजु पिता सत्यानारायनराजु घर नं० 1--10-गोलालाकीनडाक गाऊ भीमाधरम तालुक वेस्ट गोदावरी जिला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अन<u>ु</u>स्ची

खुली जमीन सर्वे नं० 116, ग्रौर 117, कुल 7.10 एकर्स है गगनपाड गाऊ हैदराबाद वेस्ट, रिजस्ट्री दसतावेज सं० 2650/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद धेकुट में ।

एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी**झण**) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तरीख: 8-7-1980

मोहरः

### प्रकृप धाई-टी-एन-एस----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक **धायकर धायुक्**त (निरीक्षण)

श्रर्जन रैंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जुलाई 1980

निर्देश सं० ग्रार० ये० सी० नं० ए० एफ० नं० 1045 यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

धौर जिसकी सं० ध्रार एस० नं० 78/1 है, जो नथदूरू भीमाधारम तालुक में स्थित है (धौर इससे उपाश्वद्ध अनुसूची-में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, यशवेशवरापुरम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख नथम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छद्ग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं। किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ध्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख). ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारेतीय भ्रायं-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धनः, धनः, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् !---

- 1. (1) डी० विजय वेंकट रामराजु
  - (2) दण्डू राजीव राजु
  - (3) दण्डू कोटि रेड्डी
- (4) श्रीमती दण्डू विजयालक्ष्मी, जिला आध-प्रदेश भीमावारम तालुक वेस्ट गोदावरी। (श्रन्तरक)
- 2. (1) पेनुमत्स वेंकटा माल्लीखारजुन, श्रीनिवासन वर्मी, गो थाम नगर, कोला गुडेम तालुक्।
- (2) भुपति राजू, रामराजू, पेनुमतरा, तानुका तालुक ।
- (3) श्रीमती भूपतिराजु पवमाकुमारी, पेनुमतरा तानुका तालुक। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आबोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपेक में प्रधासन की तारीख से 45 दिने के भीतर उक्ते स्थावर सम्पत्ति में दितक कि किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वढंडी करण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबस श्रिष्ठित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रनुसुची

सिनिमा घर नं० 1/100 श्री विजयालक्ष्मी टाकिज, नवम्बर,भीमावारम रोड़, रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 68/1980, 69/1980 भ्रौर 70/1980 उप रिजस्ट्री कार्यालय यशवेशवरा-पूरम।

> एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज; हैवराबाद

दिन†क : 14-6-1980

भोहर:

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई, 1980

निर्देश सं० भ्रार० ये० सी० नं० 190/80-81—यतः मुझे, एस० गोबिन्द राजन,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7-2-1087/10/4 है, जो सनतनगर हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का अन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उक्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत औध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निस्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- 1. श्रीमती श्रनगुरी देवी पत्नी एम० श्रार० गुप्ता 7-2-1087/10-4/2 सन्तनगर, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती वी० सरोजिनी पत्नी वी० नरसीनग रोड़ 7-1-611/1 श्रमीरपेट, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह स्<del>च</del>ना जारी करके पृत्रांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **म**नुसृषी

मकान पहली सतह और दुसरी मान्जिल का घर नं 7-2-1087/10/4 और 10-2-1087/10/4/1 सनतनगर हैदगबाद में रिजस्ट्री दस्तावेज नं 2946/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय, कैरताबाद में।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-7-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्गेन हेंज, ठकतर बंगना, गिरीमेठ, नागपुर

नागपुर-10 दिनांक 15 मई 1980

फा० सं० नि० स० प्रा० प्रा०/प्रजेन/141 80-81--यतः मुझे, एस० के० बिलय्या, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 6, लक्ष्मीनगर, है तथा जो नागपुर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19-11-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (खा) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रम्य श्रास्तियौं को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उना अधिनियम की धारा 269-ग के प्रन्-सरण में, मैं, उन्त सिंहिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थातः---:

- 1. श्री मधुकर विश्वलराय कवडे, सर्कल नं० 8/13. तिननल चौक, नागपुर, (अन्तरक)
- 2. श्रीमती वसुंधरा पू० बाल; श्रीमती मंगला मोहन वबीर, श्री मोहन कृष्णाजी पनसारे, श्रीमती संयुक्ता व्ही० रालेगांवकर श्रीमती संध्या मार्तंड भरंगे, श्रीमती वैशाली, ए० उपदेव, श्रीमती इदु कुरवेर, श्री प्रशांत एस० टंकेसले, श्रीमती ग्रनीता कापरे, श्री सुधीर के० उदगोवकुर, श्री शतीश डी० मुजुमदार श्री गोविन्द एम० खंडाईत सभी रहने वाले, नागपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
    45 दिन के भीतर उत्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
    पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त णढ़दों और पदों का, जो खक्त ऋधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ऋध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 6, ब्लाक नं० 5 सर्कल नं० 20, जो सायंटीफीक कोग्रापरेटिय हार्जीसग सोसायटी केले ग्राउट में नागपुर में स्थित है।(एरिया 743.216 स्केग्रर मीटर)।

> एस० के० बिलय्या, सक्षम प्राधिकारी, सह्यक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, नागपुर

तारीख: 15-5-80-

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय**, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)** भ्रर्जन रेंज, ठक्कर बंगला, गिरीपंठ नागपुर नागपुर-10 दिनांक 15 म**ई**, 1980

निर्वेश सं० फा० सं० नि० स० ग्रा० श्रा० ग्रिजेन / 141/80-81---यतः मुझे, एस० के० विलथ्या,

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० तेत नं० 300-304/3, (दो० भाग में) है तथा जो हिंगणघाट में स्थित है) ग्रौर इससे उपाबब्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हिंगणघाट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिध नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 16, 26-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के जिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पम्झे प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकीं) भीर अन्सरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नजिखित उहेश्य से उक्त धग्तरण किखात में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रक्रिनियम के अधीन कर देने के ध्रम्बरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अग्य भारित्यों को जिन्हें भायकर भिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त भिनियम, या धनकर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती धारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना शाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उवत अधिनियम, की घारा 269-गःके धनुसंदण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (:1:) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, श्रवीत !---

- 1. श्री हैमराज नारायण रघटाटे, श्रीमती कौसल्याबाई हेमराज राघटाटे, श्री दामोदर हेमराज रघटाटे, श्री विजय हेमराज रघटाटे, श्री अलवंत हेमराज रघटाटे, श्री प्रकाश हेमराज रघटाटे, श्री सुरेण हेमराज रघटाटे, श्री रमेण हेम राज रघटाटे, श्री बी० एन० रघटाटे, श्रीमती ग्रंजनाबाई बी० रघटाटे। (श्रन्तरक)
- 2. श्री बलवंत तुलगीराम ढोमने, श्री विनायक पांडुरंग चंद्रायन, श्री सुरेश पांडुरंग मजीबे, श्री केवसराम कवडुजी सावरकर ,श्री मधुकर प्रारारामजी बाटेकर, श्री बोरादवे बग्गाजी तुपडा सभी रहने वाले नागपुर। (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यकाहियाँ करता हूं।

उरत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीवस्ताकारी के पास निखिस किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त मान्वों और पर्वो का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### भ्रनुसूची

कृषि योग्य जमीन 2.75 एकड़ के दो भाग में, खेत नं॰ 300-304/3, मौजा, हिंगणघाट, मौजा नं॰ 407, तह् हिंगणघाट, जिला वर्धा।

> एस० के० बिलय्या सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीखः: 15∸5-1980

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

आयकर **ज**िधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, क्कर बंगला गिरीपंठ नागपुर नागपुर-10 दिनांक 20 मई, 1980

निर्देश सं० फा० स० नि० स० म्रा० म्रा० / प्रजेन / 142 / 80 — 81 — यतः मुझे, एस० के० बिलस्या,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

हैतथा जो विखानों से स्था कि 11, पी० सी० कु० 39 है तथा जो विखानों में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूचि में और पूर्ण क्प से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता मिधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर, 1979 को पूर्वाक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ज्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिका के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्रीमती ग्रनुसयाबाई श्रावणजी सरोदे, सर्कल नं० 3, सिरमपठे, नागपुर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री संत ज्ञानेण्यर गृह निर्माण सहकारी संख्या, जिला नागपुर। (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्साक्ष्री के पास लिसित में किए जा सकरों।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

# अनुसूची

कृषि योग्य भूमि खसरा नं० 11 पी० सी० नं० 39 2.40 एकर जमीन, मौजा चिखली त० जिला नागपुर।

> एस० के० बिलय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

नारीख: 20-5-1980

भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269च (1) के भंधीत सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, ठक्कर बंगला, गिरीपेंठ, नागपुर नागपुर, 10 दिनांक 29 मई, 1980

सं० फा० सं० नि० स० श्रा० श्रा०/श्रर्जन/143⁷80--81--यतः मुझे, एस० के० विलय्या,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन उक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित दाजार मृत्य 25,000/- र॰ से श्रिधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 38¹2 है तथा जो भानापेट, चन्द्रपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चंद्रपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-11-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द ह प्रतिशत से ग्रीधक है और अन्तरक (शत्तरकों) धोर अन्तरिती (श्रम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित छद्देश्य से उक्त चन्तरण लिखित में वास्तविक रूप रे कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के मधीन कर वेमें के यन्तरक के दासिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय भागकर भिधिनियम, 1922 (1923 कर 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः, अब, उक्त अधिनियम की श्रारा 269-ग के अमु-मरग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—-

- 1. श्रीमती राजाबाई धनराज भावागर, चंद्रपुर। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती पिनलाबाई वालिकसनजी काकानी, श्रमरावती (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा. अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्व•डीकरण: ---इसमें प्रय्क्त गड्यों बौर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 2०-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

प्लाट नं० 38¹2 शीट नं० 10 ब्लाक नं० 51, भानापेठ चंद्रपुर।

> एस० के० बिलय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 29-5-1980

प्ररूप साई• टी० एत० एस०-----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीर स्वता

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 जून 1980

भ्रादेश सं० राज०/सहा० श्रा० भ्रजन/727---- यतः भृक्षे. एम० एल० चौहान आयकर अधिनियम, 1961 (1961 年) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्तास करने का कारण है कि स्थावर मंगित, जिसका उचित बाजार मध्य 25,000/- र॰ से अधिक है भौर जिसकी सं० प्लाटनं० एस० बी० 56 है तथा जो जयपूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, भारतीय रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीखा 10 जून, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मूले यह विक्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सप्पत्ति का उचित बाबार

मुश्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का

प्रमाह प्रतिमत अभिक है और अन्तरक (भ्रम्तरकों) और अश्वरिती

(अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के जिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नीसित उद्देश्य से उन्ध भन्नरण लिखित में वास्त्रविक

कप से कचित नहीं किया गणा है:---

- (का) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बायत -अधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्त्र में कमी करने या उससे बचने में सूतिधा के लिए: और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या खक्त अधिनियम, पा वन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्वं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 2.6 ≱ग के घनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की अपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः--

(1) श्री किशोरी रमण भागव, एस० बी० 56, टौंक रोड, बापूनगर, जयपुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नन्द किशोर शरीक पुत्रश्री रामगोपाल शर्राक, बी-66, सिवाइ एरिया, बापूनगर, जयपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोश्त सम्पत्ति के घर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच है 45 विस की भविष्य या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकातन की तारीब से 45 दिन में भीतर इक्त स्थायर संपत्ति में द्विवबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताकरी के पास मिबित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्ट मित्रिनियम के अध्याय 20-क में परिवाधित है, वही घर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

## अनुसूची

प्लाट नं ० एस० बी० 56, बापूनगर रें जैयपुर में स्थित मकान सम्पत्ति जो उपपंजीयक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 10 दिनांक 10-1-1980 परपंजिबद्ध विकय पव सं० भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> ंएम० एल**० चौ**हान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 11-6-80

मोहर:

10-196 GI/80 ·

प्ररूप आहु . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 जून 1980

निदेश सं० राज*०|*सहा० म्रा० मर्जन/732—यतः, मुझे, एम०एल० चौहान

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 8-11-1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वावत उक्त अधि-नियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती खूबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातुः— (1) श्री मदन लाल पुत्र श्री मुकन चन्द द्वारा नेहरू पार्क, जोधपुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रब्दुल मजीद पुत्र श्री फकीर मोहम्मद एवं मेहरूनिशा पत्नी ग्रब्दुल मजीद मुसलमान, महावतों की मस्जिद, जोधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## ततुत्वी

'इन्दर विलास' नामक मकान सम्पत्ति का भाग, महिला बाग, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 1843 दिनांक 8-11-79 परपंजीबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एक ० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीबा: 11-6-80

प्रकप माई०टी० एन० एस०

आयकर घष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेन रेंज, जयपुर जयपुर, विनोक 11 जून 1980

भ्रादेश संख्या राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/733---यतः, मुझे, एम०एल० चौहान

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है) की बारा 269-ख के मिनियम' कहा गया है। की बारा 269-ख के मिनिय सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से मिकिक है

भौर जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-11-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कंप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिन्न नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्टिनियम, या धन-कर भिष्टिनियम, या धन-कर भिष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधास (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्षात् :--- (1) श्री मदन लाल पुत्र श्री मुकन चन्द द्वारा नेहरू पार्क, जोधपुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री समसुद्दीन पुत्र अजीमखाँ जी मुसलमान, बंबा मोहरूला, जोधपुर

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की घविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 विन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन में प्रकारात की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:—हसर्में प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्रमुस्ची

'इन्दर विलास' नामक मकान सम्पत्ति का भाग, महीला बाग, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 1833 दिनांक 8-11-79 पर पंजीयद में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एस० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 11-6-80

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०---भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 जून 1980

निर्देश संख्या राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/734---यतः मुझे एम० एल० चौहान

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है ), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन् सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख 11 जून, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से श्रिष्ठक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर प्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अग्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रव, उस्त घिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-च की जपधारा (1) के घिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्:— (1) श्री मदन लाल पुत्र श्री मुकन चन्द, द्वारा नेहरू पार्क, जोधपुर।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री अञ्चुल जलील एवं अञ्चुल मजीव पुत्रान अञ्चुल लतीफ मुसलमान गिरदीकोट, जोधपुर

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

इन्दर विलास नामक मकान सम्पत्ति का भाग, महिला बाग, जोधपुर जो उप पंजीयक जोधपुर द्वारा कम संख्या 1831 दिनांक 8-11-79 पर पंजीबद्ध विकयपत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 11-6-1980

प्ररूप आई० टो० एन० एस०-

भायकर घ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 जून 1980

म्रावेश संख्या राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/735—यतः मुक्षे एम० एल० घोहान

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं मेकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है, ('भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण भिधितयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है भीर मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रकारक (अन्तरकों) भीर ∮अन्तरितो (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रकारण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चहेश्य से उसत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्दरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; ब्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं बन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनु-सक्ण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपघारा (1) अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--  श्री मदन लाल पुत्र श्री मुक्तन चन्द द्वारा नेहरू पार्क, जोधपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रब्दुल जफर एवं ग्रब्दुल सत्तार पुतान श्री लाल मोहम्मद जी, महावतों की मस्जिद, जोधपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त आधि-नियम, के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

'इन्दर विलास' के नाम से सम्बन्धित सम्पत्ति का भाग, महिला बाग, जोधपुर जो उप पंजीयक जोधपुर द्वारा कम संख्या 1830 दिनांक 8-11-79 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 11-6-80

म्रुक्ष् आहे. टी. एन. एस.-----

धायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर

> > जयपुर, विनांक 11 जून 1980

भादेश संख्या राज०/सहा० मा० प्रजंन/731——यतः मुझे एम० एख० चौहान

श्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- अपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं॰ मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख 8-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ग्रधि-लियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐती किसी भाष या किसी धन या प्रत्य पास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के चनुवरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के अभीन निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात्:→- (1) श्री मदन लाल पुत्र श्री मुकन चन्द द्वारा नेहरू पार्क, जोधपुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रसी बाई पत्नी श्री मुराद का मुसलमान एवं सफी मोहम्मद ग्रब्दुल रजाक, कमरुद्दीन, उदय मन्दिर जोधपुर

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ सुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हित्बत किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदौं का, जो उक्त अधिनियम के ग्रह्माय 20-क में परिभावित है, वही ग्रथ होगा, को उस ग्रह्माय में विया गया है।

## अनुसूची

'इन्दर विलास' नामक सम्पत्ति का भाग, महीला बाग, जोधपुर जो उपपंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 1832 दिमांक 8-11-79 परपंजीबद्ध विकय पत्न में विस्तृत रूप से विवरणित है।

> (एम० एल० चौहान) सक्षम प्राधिकारी, (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जयपुर

तारीख: 11-6-80

प्रकृष प्राई • टी • एन • एस • ----

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-व (1) के धनीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई, 1980

भादेश संख्या राज०/सहा० भ्रा० भर्जन/755——यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

वायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'तकत प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीत सक्षम प्रधिकारी को यह विक्वास करने का कारज है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका छवित बाजार मृह्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो किशनगढ़ में स्थित है, (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय किशनगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृद्ध प्रसिक्त से अधिक है और धम्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (धम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्तअ-तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है: —-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रविनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में क्यी करने वा उससे अवने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिश्चियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिश्चियम, या धन-कर ग्रिश्चियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भ्रम, क्षतः अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) श्री महावीर प्रसाद गौतम चन्व, राजेन्द्र कुमार पुष्ठ भंवरलाल द्वारा मैसर्स गुलराम भंवरलाल, किशनगढ़ (म्रन्तरक)
- (2) मैसर्स मित्तल इन्डस्ट्रीण द्वारा नरेश टैक्सटाइस्स, कटला, किशनगढ़

(बन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सकारित के अर्थम के जिए कार्यवाहियाँ चचता हूं।

एक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाज्येप !---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारीज से 4,6 विन की घवधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की वामीज से 30 विन की घवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कें राजपत में प्रकामन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी सम्य म्यन्ति द्वारा अधोइस्ताबरी के पास किसिवत में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त श्रिश्वितयम के श्रद्धाय 20-न में परिभावित है, वहीं शर्व होता, को उस श्रद्धाय में विया गया है।

## अनुसूची

16 बीघा 16 बिस्या कृषि भूमि जो खोड़ा गणेश रोड, चुंगी चौकी के बाहर, किशनगढ़ में स्थित हैं भीर उप पंजियक, किशनगढ़ द्वारा कम संख्या 1148 पर दिनांक 8-11-79 को पीजीबद विकय पत्र में भीर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> (एम० एल० चौहान) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जयपुर

तारीख: 16-7-80

प्रस्प ग्राई० टो० एन० एस०----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजेन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई, 1980

श्रादेश संख्या राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/749--यतः मुझे. एम० एल० चीहान. क्षायकर धर्मिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त मधिनियम' कहा की द्वारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका **उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से मधि**क है, ग्रीर जिसकी सं० म० नं० 8/533 है तथा ओ ब्यावर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय ब्यावर में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के प्रधीन, तारीख 2-11-1979 को पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल में लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्दरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित प्रदेश्य से उनत ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित वहीं किया गया है:---

- (क) धन्सरण से हुई िकसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; थोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भ्रिवियम की घारा 269-घ की उपधारा, (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) श्री जीवराज पुत्र तेजमल जैन सांखला निवासी सांखला गली, ब्यावर

(ग्रन्तरक)

(2) मैं भर्स गनपती कोलोनाईजर्स, ब्यावर द्वारा इसके पार्टनर्स श्री मुरेण चन्द पुत्र भजनलाल सर्राफ 2. श्री कानमल पुत्र श्री गुलावचन्द मोदी 3. श्रीमती सरस्वती पत्नी भागचन्द निवासी ब्यावर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्रन सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिलबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

क्ष्यब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अञ्चित्यम के अध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

म्युनिसिपल 8/533 वाली सम्पत्ति, टाटगढ़ रोड, एस०डी० गवर्नमेंट कालेज, के पास, ज्यावर जो उस पंजीयक, ब्यावर द्वारा ऋम संख्या 2556 दिनांक 2-11-79 पर पंजीबद्ध विकथ पत्न में ग्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी, (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जयपुर

तारीख: 16-7-80

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालेप, सहायके प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज,

जयपुर दिनांक 16 जुलाई, 1980

सं० राज०/सहा० भ्रा० श्रर्जन/750---यसः मुझे, एम० एक० चौहान,

भावकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत सिविनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वात करने का करण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूका 25,000/- उपएँ से स्थिक है

भौर जिसकी स० प्लाट नं० 631 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय जौधपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 16 नवम्बर, 1979

को भूकोंक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से क्य के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोंक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल का परवह प्रतिशत से अधिक है भीर प्रश्तरक (धन्तरकों) भीर प्रश्तरिती (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की नावत, प्रक्त धिविषम के धर्मीन कर देने के अग्तरण के शिविष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी धाय था किसी धन या घन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर धिधियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या पा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुकिक्षा के लिए;

अतः अब, एकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में एकत अधिनियम की धार 269-म की धपधारा 1 के अधोन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्: 11—196GI/80

- श्री जयकुमार मोटीयानी पृत्र पारुमनजी मोटीयानी निवासी सरदारपुरा, रेजीडेन्सी रोड्, जौधपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री चिमन जगवानी, पुत्र श्री दौलत रामजी जगवानी निवासी सरदारपुरा, सी-रोड़, जौधपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्थन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविष्ठ, जो मी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य स्थक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास ज़िक्कित में किए जा सकेंगे।

स्वव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों ग्रीन पदों का, जो उनत ग्राविनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 631, रेजीडेसी रोड़, जौधपुर पर स्थित मकान जो उप पंजियक जौधपुर द्वारा कम संख्या 1892 दिनांक 16-11-79 पर पंजीकृत विकय पद्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सज्ञन प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षणउ) ग्रर्जन रेंज, जयपुर,

दिनांक: 16-7-1980

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यातय, महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई 1980

सं० राज०/सहा० घ्रा० घर्जन/७५१——यसः मुझे, एम० एल० नैकार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इप के पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक हैं.

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 631 है तथा जो जौधपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय जौधपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 16 नवस्थर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्र के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंति का उचित बाजार मुह्म, उनके दृश्यमान प्रतिकत्र से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्र का पण्डाह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्र तिमनितिखत उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण ने दुई किसी स्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के श्रम्तरक के दायिख्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी फिनी श्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण मे, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, श्रथीतः—  श्री जयकुमार मोटीयानी पुत्र पाठमलजी निवासी सरदार पुरा रेजीडेन्सी रोड़, जौधपुर

(भ्रन्तरक)

 चिमन जगवानी, पुत्र श्री द्रौलत राम जगवानी निवासी सरदारपुरा, सी-रोड़, जौधपुर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या सत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखिन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रथं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गमा है।

## अनुसुची

प्लाट नं० 631, रेजीडेसी रोड़, जोधपुर पर स्थित मकान सम्मपत्ति जो उप पजियक, जौधपुर द्वारा पजीकृत विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> एम० एस० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 16-7-1980

प्रकप बाई॰ टी॰ एत॰ इस॰----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के घंधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई, 1980

सं० राज०/सहा० थ्रा० थ्रर्जन/752--यतः मुझे, एम० एस० चौहान,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्बंति, जिसका छचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्लाट नं० 631 है तथा जो जौधपुर में स्थित है (श्रीर इससे जपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोक 16 नवम्बर, 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छनित नाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिकृत के लिए सन्तरित की गई है मौर मृते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है और सन्तरक (सम्तरकों) मौर मन्तरिती (अम्तरितियों) के बीव ऐसे सन्तरम के लिये तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उसत सम्तरम लिखित में बास्तिक क्य से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त ग्रीधनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसो किसो प्राप्त या किसी घन या अन्य आस्तियों,
  को जिन्हें भारतीय घायकर धिधनियम, 1922
  (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
  प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
  गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
  में सुविधा के लिए;

ग्रतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269ना के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269नम की उपधारा (1)के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात '---  श्री जयकुमार मोटीयानी पुत्र पारुमल मोटीयानी निवासी सरदारपुरा रेजीडेन्सी रोड, जौधपुर

(ग्रन्सरक)

 श्री ईश्वर जगवानी, देवदास जगवानी पुत्र श्री दौलत राम जगवानी निवासी सरदापुरा सी० रोड़, जौधपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्वन के संबंध में कोई भी धार्कोंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की धवित्र या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यंक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के चाजपंत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा भंधीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टी वरण:--इमर्म प्रयुक्त शब्दों प्रोर पदों का, जो उत्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट न'० 631, रेजीडेन्सी रोड़, जौधपुर पर स्थित मकान सम्पत्ति जो उप पंजीयक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 1891 दिनांक 16-11-79 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में ध्रौर विस्तृत रूप से विणित हैं।

> एम० एल० कुौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपूर

दिनांक: 16-7-1980

प्रकृष गाई॰ टो॰ एन॰ एस॰---

मायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,

जयपुर, विनांक 16 जुलाई, 1980

सं० राज०/सहा० म्रा० भ्रर्जन/ ७५३—यतः मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की जारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 26,000/- श्पए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 631 है तथा जो जौधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 16 नवम्बर, 1979 के पूर्वीक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पलि का उचित बाबार मूस्य, उसके दृश्यमा प्रतिकल को पन्द्रह प्रतिशत से शिक्षक है और प्रन्तरिक (प्रश्रमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से शिक्षक है और प्रन्तरिक (प्रश्रमां) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निष्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त शक्ति-नियम, के मधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; क्षेप/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिश्चित्रमा, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिश्चित्रमा, या ग्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा ग्रक्ट नहीं किया नया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उन्त विश्वनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त धिवनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निन्नलिखित व्यक्तियों अर्थांत:—

- 1 श्री सुन्दरदास पुत्र श्री देसराजमल सिंधी मोटीयानी निवासी सरवारपुरा, रेजीडेन्सी रोड़, जौधपुर (श्रन्तरक)
- सर्वंश्री देवदास जगवानी पुत्र श्री दौलत रामजी जगवानी निवासी सरदारपुरा सी० रोड़ जौधपुर (ग्रन्तरिती)

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की ताक्रीका के 45 दिन को घर्वाच या तःसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन को धर्मात, वो भी भवकि बाद म नमाप्त होती हो, के भी कर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राज्ञनज में प्रकाणन की नाणीय से 45 वित के भीतर उनत स्थावर मन्यलि में हितवश्व किया भन्य व्यक्ति नरा, आ नेत्स्ताध्या के पास लिखित में किए जा नकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इनर्न प्रयुक्त शब्दों मार नदां का, जो उक्त पश्चितियम के पश्चाय 20क में परिमाणित है, को पर्व होना जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं ० 631 पर स्थित मकान सम्पत्ति, रेजीडेन्सी रोड़, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा पंजीबद्ध विकथ पत्र संख्या 1894 दिनांक 16-11-79 में श्रीर विस्तृत रूप से विवर्णित हैं।

> एम० एल० चौहान, सक्तम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जयपुर

दिनकि: 16-7-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

काय्लिय, सहायक आयक्तर आय्वत (निरीक्षण) भर्जन रेंज,

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई, 1980

सं ० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/ ७५४——यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकाद 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व को अभीम सक्षम प्रतिधकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप संपस्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क से अधिक है

भौर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 631 है तथा जो जीधपुर में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण ऋष से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 16 नवम्बर, 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्त्रह अतिकात से प्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन कि विस्तरित उद्देश्य से उसत अन्तरण निखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के ग्रीधान कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय था किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त भधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त भधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपीत् :--  श्री सुन्दर दाम पुत्र श्री देशराजमल सिंधी नोटियानी निवासी सरदार पुरा रेजीडेन्सी रोइ, जौधपुर

(ग्रन्तरक)

 सर्वश्री दीपक जगवानी पुत्र श्री दौलत राम जी जगवानी निवासी सरदारपुरा सी-रोड़, जौधपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह पूजना जारी करके पूर्जीका सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्जवाहियां करता हूं।

उन्त सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी स्नाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताकील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इप सूनना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकरे।

स्वब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर मदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 631 रेजीडेन्सी रोड़ जीधपुर पर स्थित मकान सम्पत्ति जो उप पंजीयक जीधपुर द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवर्णित हैं।

> एम०एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर ।

दिनांक: 16-7-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

मायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रोंज, जयपुर

जयपुर, विनांक, 17 जुलाई 1980

स० राज०/सहा० म्रा० मर्ज/ ७५६—यतः मुझे, एम० एल. कीवान

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं प्लाटन है 53 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (पीटइपसे उराबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, दिनांक 6 नवम्बर, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निखित में वास्तविक हुए से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भ्रिष्ठिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः धव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के धनुतरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के धधीन निम्नसिवित व्यक्तियों, धर्यात:—  श्रीमती सरलादेवी पितन गोविन्द नारायण स्वयं एवं संरक्षक मीना, बीना, निशा व पियूष की पुत्तीया श्री गोविन्दनारायण बी 69 सुभाष नगर, जयपुर।

(भ्रम्तरक)

 श्रीमती कृष्णा देवी पत्नि श्री मोहन लाल एवं सर्वेश्री संकरलाल रामबाबू एव नन्द किसोर पुत्रान मोहन लाल, ई 53 सास्त्रीनगर जयपुर

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो
  भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
  हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो छक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो छस श्रध्याय में दिया गया है।

## **अनुसूचो**

मकान सम्पत्ति जो प्लाटनं० ई 53 शास्त्री नगर, जयपुर पर स्थित है और उपपंजीयक जयपुरद्वारा कम संख्या 2854 दिनांक 6-11-79 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनोंक: 17-7-1980

प्ररूप माई॰ टी॰ एत॰ एस॰-----भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के ग्रिधीन सूचना

#### भारत गरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बिहार, पटना पटना, दिनांक 7 जुलाई 1980

निर्देश सं० ।।।-415/म्रर्जन/80 81---म्रतः मुझे ज्योतीन्द्र

नाथ आयकर श्रिष्ठितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- ध्पए से श्रिक है

धीर जिसकी सं० वार्ड नं० 8 पुराना 18 तया, हो० नं० 299 थाना नं० 406 भ्रादि है, तथा जो मोहल्ला सरैयागंज, जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूषी में भौर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 26 नवम्बर, 1979 !

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाँजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण ने हुई किसी ग्राम की बावत, उकत ग्रिश्वित्यम के ग्रिप्तीत कर देने के ग्रम्सरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के जिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसो बाब या किसा बा या भ्रन्य अधितयों को, जिन्हें भारतीय ब्राय-कर भ्रधिनियम, 1932 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भ्रन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अत्र, उका अधिनियम हो धारा 269-ग के धनुमरण में, में, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-घ की जपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्रीमती धनेण्वरी देवी जौने श्री ज्ञान मोहनदास सा० सरैयागंज शंकरकाग, जि० मुजफ्फरपुर ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती जगतारन चौधरी जौजे—श्री म्रर्जुन प्रसाद चौधरी सा० मुहम्मदपुर काजी पंजा टोली पो०/जिला मुजफ्फर पुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भो भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रस्थ क्यक्टि द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास विविद्या में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिवित्यम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा जी उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

गवाजी 11 धूर जमीन मय मकान पोखता दो मंजिला जो महल्ला सर्रयागंज जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है। जिसका पूर्ण विवरण दस्तावेज सं० 15697 दिनांक 26-11-79 में वर्णित है। इसका पंजीयन जिला ग्रवर निबंधक मुजफ्फरपुर में हुमा है।

ज्योतीन्त्र लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना ।

विनांक 7-7-1980 मोहर: भाषकर प्रविनियम, 1981 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के ग्राधीन सूचना

### भौरत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना।

पटना, दिनांक 7 जुलाई 1980

निर्देश सं० ।।।-416/म्रर्जन/80-81---म्रतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत श्रिधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के मिनियम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से भिषक है

भौर जिसकी सं० वार्ड नं० 8 पुराना, 18 नया, हो० नं० 299, याना नं 406 ग्रांबि है, तथा जो महल्ला-सरैयागंज जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 27 नवम्बर, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निमातिश्वत उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रष्ति-नियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/मा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या प्रस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत श्रिष्ठनियम, या धन-कर श्रिष्ठनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुखिधा के लिए;

ग्रतः, अभ, उना यधितियम, की धारा 269-ग के स्रतुसरण में,मैं, उनत अधितियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन सिम्नलिखित व्यक्तियों, स्रर्थात्:—  श्रीमती धनेण्वरी देवी जौजे श्री ज्ञाण मोहनदास सा०-सरैयागंज शंकरबाग, मुजफ्फरपुर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती जगतारन चौधरी जौजे—श्री ग्रर्जन प्रसाद चौधरी सा०-काजी महम्मदपुर पंखा टोली, मुजफ्फरपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जोशी श्रविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधौतस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त ग्रिधिनियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रयं होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसुची

मवाजी 10 प्र जमीन मय चाहरदिवारी पोख्ता जो महल्ला सरैयागंज, मुजफ्ररपुर में स्थित है। इसका पूर्ण विवरण वस्तावेज सं० 15759 दिनांक 27-11-79 में विणित है। इसका पंजीयन जिला श्रवर निबंधक मुजफ्ररपुर में हुश्रा है।

ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, बिहार, पटना

दिनांक: 7-7-1980

प्ररूप साई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रैंज, बिहार, पटना

पटनां, दिनांक 7 जुलाई, 1980

निर्देश स० III---417/प्रार्जन/80-81---प्रतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ.

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से ग्रधिक ग्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 8 पुराना, 18 नया, हो० नं० 299, थाना नं० 406 है, तथा जो मोहल्ला-सरैयांगंज, जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्री-करण म्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 20 फरवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भौर भ्रन्तरिक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चहेंग्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्रचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, मब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा के (1)के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयितः⊸⊸ 12—196GI/80

- श्री ज्ञाम मोहन दास वस्द श्री छठु लाल दास सा०—-सरैयागंज शंकरबाग, मुजक्फरपुर ।
  - (भ्रन्तरक)
- श्रीमती जगतारन चौधरी जौजे--श्री प्रर्जुन प्रसाद चौधरी मा० काजी महम्मदपुर पंखा टोली, मुजफ्फरपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के स्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्म व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त प्रव्यों भीर पदों का, जो उकत भीव-नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है ज़्रे

## अनुसूची

मवाजी 11 धूर जमीन मय मकान जो महल्ला सरैयागंज जिला-मुजफ्फरपुर में स्थित है। जिसका पूर्ण विवरण दस्तावेज सं० 2087 दिनांक 20-2-1980 में वर्णित है। इसका पंजीयन जिला भ्रवर निबंधक मुजफ्फरपुर में हुआ है।

> ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, बिहार, पटना

दिनांक: 7-7-1980

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जुलाई, 1980

निर्देश सं० III-418/ग्रर्जन/80-81—-ग्रतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक है।

ग्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 8 पुराना, 18 नया, हो० नं० 299, थाना नं० 406 है, तथा जो मृहस्ला सर्यमांज, जिला मृजपफरपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्री-करण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8 श्रश्रैन, 1980।

को पर्वाकन सम्पति के उचित बाजार मस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिणों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- ज्ञान मोहन दास वस्द श्रो छठु लाल दास सा० सरैयागंज णंकरबाग, जिला म्जफ्करपूर ।
  - (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती जगतारन चौधरी जौजे श्री श्रर्जुन प्रसाद चौधरी मा० काजी मुहम्मदपुर पंखा टोली, मुजफ्फरपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक्षरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हुँ।

## प्रमुसूची

मवाजी 10 धूर जमीन जो मुहल्ला सरैयागंज जिला मुजफ्फर-पुर में स्थित है। जिसका पूर्ण विवरण दस्तावेज सं० 4467 दिनांक 8-4-1980 में विणित है। इसका पंजीयन जिला भवर निबंधक मुजफ्फरपुर में हुमा है।

> ज्योतीन्त्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज, बिहार, पटना,

विमोक: 7-7-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटना

पटना, विनांक 7 जुलाई, 1980

निर्वेश सं० III-419/मर्जन/80-80-मतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

नायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मौजा नम्बर 30 खाता नम्बर 566 प्लाट नम्बर 6998 इत्यादि है, तथा जो चास धनवाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय चास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13 नवम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पत्नह प्रतिजत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कम से किंग्य पृती किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिबित व्यक्तियों मुध्ति:—  श्री मनीलाल गोरसीया वल्द छोटे लाल गोरसीया मौजा नास पत्नालय चास जिला धनबाद

(ग्रन्तरक)

 (1) श्रीमती सरला देवी रामपूरिया जौजे श्री मगनमल रामपूरिया (2) श्रीमती विमला देवी रामपूरिया जौजे श्री नीम चन्द रामपूरिया मौजा—चास पत्नालय चास परगना खासपेल जिला धनबाद

(मन्तरिती)

 मेसर्स संगीता क्लीय इम्पोरीयम चास धनवाद (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरो।

स्पर्ध्वीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

जमीन का रकवा 5 डीसमल पक्का मकान सहित, मौजा नम्बर 30, खाता नम्बर 566 प्लाट नम्बर 6998 इत्यादि जो चास, घनवाद में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 9062 दिनांक 13-11-79 में विणित है।

> ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बिहार, पटना ।

तारीख: 7-7-1980

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 7 जुलाई, 1980

निर्देण सं० III-420/ग्रर्जन/80-81---ग्रतः मुझे, उथोतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी संब्हम्त्रभमेन्ट ट्रस्ट प्लाट नम्बर 84 'सी' (खण्ड) वार्ड नम्बर 11 (पुराना) 18 (नया) धाना नम्बर 4 इत्यादि है, तथा जो राजेन्द्र नगर पटना में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध सनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 21 नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथितः—  श्री गोपी कृष्ण सिन्हा वल्द स्व० इम्बरी प्रसाद सिन्हा मौजा फालय—महेशपुर जिला मुंगेर वर्तमान—कांग्रेस मैदान कदम कुग्रां पटना-3

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती माधुरी सिंह जौजे श्री लक्ष्मी नारायण सिंह मौजा—राजेन्द्र नगर पटना-16 द्वारा श्री मृत्यू जय नारायण सिंह श्रार० के० ऐवेन्यू रोड राजेन्द्र नगर पटना-16 (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अवसूची

जमीन का रकवा 4 कठ्ठा 6 धूर जो रोड नम्बर 2 बी राजेन्द्र नगर थाना कदम कुछा पटना में स्थित है तथा जो पूर्णरूप से वसिका नम्बर 7070 दिनांक 21-11-79 में विणित है तथा जिसका पंजी-करण जिला अवर निबन्धन पदाधिकारी पटना में हुछा है।

> ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक: 7-7-1980

प्रस्प माई० टी० एन० एस० ----

भायकर श्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च(1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्योलय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 7 जुलाई 1980

निर्देश सं०-III-421/म्रर्जन/80-81----भ्रतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ.

भामकर भिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिर्मित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिर्मीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भिर्मिक है

श्रीर जिसकी सं० सिंकल नं० 13 (नया) होल्डींग नम्बर 30/29 बार्ड नम्बर 5 सीट नम्बर 53 इत्यादि है, तथा जो बाकरगंज पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 23 नयम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और झन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे धचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी श्राय या किसी सन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिषा के लिए;

अतः अव, उपत मिविनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त मिविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थान :--

 श्री श्रम्ण प्रसाद महल्ला—बाकरगंज थाना कदम कुग्रां पटना।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राकीव कुमार वर्मा नावालिक अपने मां के द्वारा प्रदर्शित श्रीमती बिमला देवी महल्ला—गरहट्टा थाना खाजकला पटना सिटी जिला—पटना।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितध क्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मं किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिविचम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, बही शर्य होगा, जो उस श्रष्टमाय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का रकवा  $16/\frac{1}{2}$  डीसमल पक्का मकान सहित जो मुहल्ला वाकरगंज पटना में स्थित है तथा पूर्णरूप से वसिका नम्बर I-6076 दिनांक 23-11-79 में विणत है तथा जिसका द्रंजीकरण रजिस्ट्रार श्राफ ऐसोरेंस कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बिहार पटना,

दिनांक: 7-7-1980

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर श्रविनियम, 1961 (1961 मा 43) की घारा 269 व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण</mark>)

म्रर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 7 जुलाई 1980

निदेश सं ॰ III-422/म्रर्जन/80-81/----म्रतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पश्चात् 'उन्त मिधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० होल्डीग नम्बर 30/29 वार्ड नम्बर 5 सीट नम्बर 53 इत्यादि है, तथा जो वाकरगंज पटना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908(1908 का 16) के श्रीम दिनांक 22 नवम्बर, 1979। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रग्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिगत से प्रधिक है घोर पन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरितो (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रग्तरण सिखित में वास्त्रिक रूप से कचित नहीं किया गया है ।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त पश्चिमियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, जिनामे में सुविधा के जिए;

अतः धनः उन्त प्रशिविषम की श्रारा 269-न के समुखरन में, में, उन्त प्रशिविषम की भारा 269-न की उपनारा (1) के प्रश्रीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—- 1. श्री भ्रष्ण प्रसाद मुह्ल्ला बाकरगंज थाना कदमकुं घा पटना।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्रीमती बीमला वेवी मोहल्ला गरहट्टा थाना खाजकला पटना सीटी जिला पटना (ग्रन्तरिती)
- 3. अन्तरक (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के **ग्रर्जन** के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रअधि या सरकस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को शवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के धीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के मीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घडोड्डस्ताखरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्वव्होक्करण:---इसमें प्रयुक्त मध्यों और पर्यो का, को उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

जमीन का रकवा 16/1/2 छीसमल पक्का मकान सिंहत जो मुहल्ला बाकरगंज पटना में स्थित है तथा पूर्णरूप से वसिका नम्बर I-6063 दिनांक 22-11-1979 में विणित है तथा जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रार श्राफ एसोरेन्स कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुश्रा है।

ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक: 7-7-1980

मोष्टर:

प्ररूप पाई• टी• एत• एस•----

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के प्राधीन कुचना

#### पारत सरकार

## कार्यावय, रहायक धावकर पायुक्त (निरोक्तण)

श्चर्जन रेंज, पटना

पटना, विनांक 7 जुलाई, 1980

निर्देश सं० III 423/ग्रर्जन/80-81----ग्रतः मुझे ज्योतीन्द्र तथः

मायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रिश्तियम' कहा गया है), की बारा 269-खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूस्य 25,000/- रु∙ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नम्बर 491 खाता नम्बर 1, थाना नम्बर 212 इत्यादि है, तथा जो सेमलौंग रांची में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रीध-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 22 नवम्बर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मून्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिक्रत से अधिक है और मन्तरित (मंतरिकों) के बीच ऐसे मन्तरित (कंतरितिकों) के बीच ऐसे मन्तरित के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित छड्डेश्य से उक्त सम्मरण लिखित में बास्तविक कप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त समिनियम के सभीन कर देने के सम्तरक के वासिरक में कभी करने या उससे बचने में बुविका के मिए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रीव्रतियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भन्नितियम, या जन-कर भिन्नित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त ग्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रविनियम की घारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निवित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- भी बद्री प्रसाद टेवरीवाला निवासी 4, सिनडेली रोड़ प्रलीपुर कलकता ।
   श्री लिलत प्रसाद रिमानी निवासी चुटीया रोड़, सेमलोंग रांची । (श्रन्तरक)
- मेसर्स बिहार उद्योग द्वारा सुरेश कुमार खेमका पार्टनर मेसर्स बिहार उद्योग रांची ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपंत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, ग्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो जक्त ग्रीविनयम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## **प्रमु**सूची

जमीन के सभी श्रंश जिस पर मकान, फैक्ट्री, शेंड़, गोदाम श्रीर दूसरे बनावट स्थित हैं तथा जो पूर्ण रूप से बिसका नम्बर I-6055 दिनांक 22-11-79 में विणित है तथा जिसका निवेधन रिजस्ट्रार श्राफ ऐसोरेन्स कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न है ।

ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, बिहार, पटना ।

**दिनांक**े 7-7-1980

प्ररूप आई. टी. एनः एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचीन-5

एरणाकुलम, दिनांक 9 जुलाई, 1980 निर्देण स० एल० मी० 412/80-81—यतः मुझे बी० मोहन लाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं श्रमुसूचि के श्रनुसार है नथा जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रौर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 27 नवम्बर, 1979।

को पूर्वोक्त संवरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पर्या गया प्रतिकल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित क्युक्तियों अधीतः — 1. श्री नारायणा पिल्लै

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० हरजीत सिंह

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की मुक्कि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्थव्योकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुषुची

Property as per schedule attached to document No. 4059: dt 27-7-79

वी० मोहन लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

दिनांक: 9-7-1980

प्रकृप बाई•टी•एन•एस•--

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-भ (1) के प्रधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन-5

एरणाकुलम, दिनांक 9 जुलाई, 1980

निर्देश स० एल० सी० 413/80-81----यतः मुझे वी० मोहनलाल,

आयकर प्रिक्षित्रियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उन्त धिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रिष्ठकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 29 नवस्बर, 1979

के प्रधीन, 29 नवस्वर, 1979
की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पग्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक
(धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धम्हरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित
बहेश्य से उक्त भन्तरण निष्कित में वास्तिविक क्य ने कथित
नहीं किया गया है:—

- (अ) अन्तरण से हुई किसी बाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्य में कमी करने या **प्रससे बचने** में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या घन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा अकट नहीं विया गया था या किया जाना चाहिए था, शिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त मिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:13—196 GI/80

1. श्रीमती राधा देवी

(अन्तरक)

2. श्री मनजीत सिंह

(मन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के मंबंध में कोई भी सासी। --

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविष्ठ या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविद्या जी भी धविष्ठ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रष्ठो इस्ताकरी के पाप निविद्यत में किये जा सकेंगे।

माश्रीकरमः -- -- इसमें प्रमुखत मन्दीं और पदों का, जो अवत धीधनियम क धन्याय 20-क में परिचावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस घन्याय में दिया गया है।

## अनुसृघो

Property as per schedule attached to document No. 4085 dt 24-11-79

वी० मोहनलाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम ।

दिनांक: 9-7-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

एरणाकुलम, दिनांक 9 जुलाई, 1980 कोच्चिन-5

निर्देश सं० एल० सी० 414/80-81—यतः मुझे वी० मोहन लाल,

डायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं श्रमुस्नी के श्रमुसार 4 है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुस्नी में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 27 नवम्बर, 1979

को पूर्वाक्त सम्पति वो उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधित्:-- 1. श्रीमती राधा देवी

(अन्तरक)

2. श्रीमती मनजीत सिंह

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

Property as per schedule attached dee No. 4060/27-11-79

वी० मोहनलाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम ।

दिनांक: 9-7-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, एरणाकुलम,

एरणाकुलम, दिनांक 14 जुलाई, 1980

निर्देश सं० एल० सी० 415/80-81---यतः मुझे, वी० मोहन लाल,

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं श्रमुस्ति के श्रमुसार है जो त'प्पूणिसुरा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुस्ति में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पूणिसुण में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 15 नवम्बर, 1979

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरिक (धन्तरिकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिय उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--
  - (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्राध-नियम के भ्रामीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; भीर/या
  - (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या धन्य भ्रास्तियां की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भंतः शव, उनत भविनियम की बारा 269-म के प्रनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नतिबाद व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री टी० वी० विजयकुमारन

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० एस० चात्तुप्टी

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति ने प्रजंत ने सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना कें राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रान्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों घीर पदों का, जो उक्त भ्रष्टिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अख्याय में दिया गया है।

## भनुसूची

11 Cents of lend with buildings as per scheldule atteched to document No. 3986/79

वी० क्वेंमोहनलाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम ।

दिनांक: 14.7-1980

### प्रकप चाई • टी • एन • एत • ----

## जायकर जिल्लाम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के स्थीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 जून, 1980

निर्देश सं० एस० पी० टी०/17/79-80—-श्रतः मुझे, गो० सी० गोपाल,

आयकर धिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अचीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रु• से धिक है

मोर जिसकी सं० 6 बीधा भूमि कालुपुर है सथा जो कालुपुर सोनीपत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नयम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत अधिक है और मन्तरक (अंतरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उहेश्य से उन्त भग्यरण किखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उन्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किनी भाष ना किनी धन या घन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रश्चित्यम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात :—

 श्रीभती गुलबन्त कौर पत्नी सरदार म्रजीत सिंह पुत्र सरदार लाल सिंह निवासी 282-एल०, माडल टाऊन सोनीपत ।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स श्राजाद स्टील इण्डस्ट्रीज, समीप श्राई० टी० श्राई०, शाबीपुर रोड कालुपुर (सोनीपत)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कायंवाहियां करता है।

बस्त संपत्ति के अजन के संबंध में कोई भी भारतेय ।--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविधि या तस्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि
  बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त पश्चित्रम के अध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

सम्पत्ति 6 बीघा जमीन जोकि कालुपुर (सोनीपत) में स्थित है तथा जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्री कमांक 3957 तिथि 9-11-79 में दिया गया है।

गो० सी० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 30-6-1980

प्रकृप धाईं वी एन एस---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून, 1980

निर्वेश सं० जी० म्रार० जी०/21/79-80---अतः मुछे, गो० सिंह गोपाल,

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त ग्रिजियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुप्य से श्रीक्षक है

न्नौर जिसकी सं० मकान नं० 159/11, इन्द्र पुरी हैं तथा जो गुडगौव में स्थित है

(भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांवा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान अति- छल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रम्द्रह प्रतिका से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरंग निश्चित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत उकत यधि-नियम के ग्रभीन कर देने के ग्रस्तरक के वायिख में कभी करते या उससे बचने में शुविधा के जिए; भौर/या
- (क) एसी किसी भाष या किसी अन या अन्य भास्तियों को, जिस्हें भारतीय प्रायकर अग्निनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ज्ञारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, खिसा में युक्तिया के खिए;

पतः चव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरम में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्मिक्तियों, प्रचीतः :-- 1. श्री बी० एस० सरपाल मकान न० ई० पी० टी०-51, सरोजनी नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. सर्व श्री सतीश चन्द्र व हरीश चन्द्र मकान नं० 9/477, गली महादेव श्रागरा ।

(ग्रन्तरिती)

 डा० जी० डी० बांगिया मकान नं० 159/11 इन्द्रपुरी, गुज्गांव ।

को यह युचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के सर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी धार्शप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
  हितबद किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रम्भोहस्ताकरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपण्डीकरण:--- इसमें प्रयुक्त जन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं मधें होगा जो उस भश्याय में दिया गया है।

### अनुसूधी

सम्पत्ति मकान नं० 159/11, इन्द्रपुरी गुड़गांव में स्थित हैं तथा जिसका ग्रीर श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकृत गुड़गांव के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3254 दिनांक 22-11-1979 में दिया गया है।

> गो० सी० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक ।

दिनांक: 28-6-1980

प्ररूप भाई० टी• एन• एस•----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-च (1) के प्रवीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्क)

ध्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 28 जून 1980

निर्देश सं० एस० श्रार०/11/79ब80—श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक, श्रायकर श्रायकत ग्रजंन रेंज रोहतक। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कोठी ग्रीर 8 कनाल भूमि है तथा जो रसनगढ़ (शाहबाद मारकण्डा) में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, थानेणर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उनत श्रीवित्यम के श्रीत कर देने के श्रम्यण्क के ्यित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के श्रिष; श्रीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य झास्तिमों को, जिन्हें भारतीय आय-कर घिषित्मम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घितियम, या धन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रव, उनतं भिमिनियमं की बारा 269-ग के भनुसरण में, में, उनतं मिनियमं की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निजिखतं व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. श्री सरबजीत सिंह बल्द गुरचरण सिंह गा० रतनगढ़ जि० कृष्क्षेत्र

(श्रव्रतरक)

2. मेससर्ज लक्ष्मी सोलवेन्ट इंस्डट्रीज रतनगढ़ जि॰ कुरुक्षेत्र (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंन के लिए कार्येगाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजॅन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या ततसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही भर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति कोठी तथा भूमि जो कि रतनगढ़ में स्थित है तथा जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता थानेशर के कार्यालय में रिजस्ट्री कमांक 3816 विनांक 27-11-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक ।

दिनांक: 28-6-1980

प्ररूप आइ⁴. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहसक

रोहतक, दिनांक 28 जून, 1980

निर्देश सं० जी० ग्रार० जी०/24/79-80——ग्रतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षक सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, को धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करते का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० मकान नं० 252/11 (नमा नं० 455/7), पुरानी रेलवे रोड़ है तथा जो गृड़गांचा में स्थित है (भ्रौर हससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गुड़गांवा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1979। को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल निम्नलियित अद्योग के उद्यो अन्तरण लिखित में वास्तिवक कुप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रीधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तिकों, अर्थात् :---  श्री भगवान दास, टेलर मास्टर संतराम, मार्कीट, सदर बाजार गुड़गांवां।

(अन्तरक)

 श्रीमती कौगल्या वन्ती मार्फत श्री एस० के० गर्मा, एन्ड वोकेट पुरानी रेलवे रोइ, गुड़गांवा।

(भ्रन्तरिती)

3. मेसर्स श्रासाम बुड कर्राफ्टस् पुरानी रेलवे रोड़, गुड़गांवा । को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति एक मकान नं० 252/11 (तथा नं० 455/7) जो कि पुरानी रेलवे रोड़ गुड़गांव पर स्थित है तथा जिसका श्रौर श्रधिक, विवरण रजिस्ट्रीकर्ता गुड़गांव के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3454 दिनांक 14-12-1979 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहसक ।

तारी**ख**: 28-6-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

धायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून, 1980

निर्देश सं ० एस० परे० टी ० 22 / 79-80—अतः सेम्, गो० सी० गोपाल, निर्देशण सहायक, श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जुन रेंज रोहतक श्रायकर श्रिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्रिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 60 कनाल 6 मरले है तथा जो गा० कुंडली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, मोनीपत में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1680 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- ाा र ा किसी प्राप की बावत, **धक्**त श्रीधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा क लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत :---

 श्रीमती चन्द्र प्रभा पुत्री श्री र्षाण पाल मिह निवासी कुंडली तथा पत्नी श्री क्रिलोक नाथ पुत्र श्री बग्नेगर नाथ निवासी भुन्डापुर ।

(भ्रन्तरकः)

2. भेसर्ज गेडौर अक्सपैलर यृतिट हाऊसिंग ट्रस्ट कुंडली (सोनीपत) ।

**भ्रन्तरिर्त**()

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ब्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीय मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों ग्रौर पदों का, जो खक्त ग्रिधिनियम के भ्रष्टयाय-20क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसची

सम्पत्ति भूमि 60 कनाल 6 मरले जो कि कुंडली में स्थित है। जिसका श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रोकक्ता सोनीपत के कार्यालय में रजि-स्ट्री कमांक 4775 दिनांक 19-1-1980 से दिया गया है।

> गो० स∴० गोपाल, सक्षग प्राधिकारः, सहायकस्रायकरस्रायुक्त(निरीक्षण) सर्जुन रेंज, रोहतकः ।

दिनांक: 28-6-1980

प्ररूप वाइ. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून 1980

निर्देश सं० ए० एम० बी०/31/79-80—अतः मुझे, गो० सी० गोपाल, निरीक्षी महायक, भ्रायकर भ्रायुक्त धर्जन रेंज रोहतक

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० 35-एल० माडल टाऊन है तथा जो भम्बाला में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसुची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, भम्बाला में, रजिस्ट्रीकरण भिधितयम, 1908 (1908 का 16) के भर्षीन, दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) औद्ध अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वोस्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तीचक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियस, वा धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निष्कित् व्यक्तित्यों स्थात्ः—
14--196GI/80

- श्री सरदार सिंह साहनी पुत्र श्री गुरचरन सिंह साहनी, जी-9, गंगापुर श्रक्टैन्सन, नई दिल्ली-110014 । (श्रन्तरक)
- (1) श्रो विनोद कुमार गुप्ता पुत्र श्रो प्रेम नाथ गुप्ता
   (2) श्रीमता संगुरी देवी पत्नी श्री प्रेम नाथ गुप्ता निवासी मकान नं० 2081/6, ग्रम्बाला सिटी।
   (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याप्त:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

सम्पत्ति मकान नं० 35 एल० माडल टाऊन जो कि ग्रम्बाला में स्थित है। जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 4951 दिनांक 29-1-1980 में विया गया है।

> गो० सी० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 28-6-1980

## प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून 1980

निर्देश सं० जे० डी० श्रार०/27/79-80—श्रतः मुझै, गो० सी० गोपाल, निरीक्षण महायक श्रायकर ग्रायुक्त ग्रजैन रेंज, रोहतक श्रायकर ग्रायकर कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रायीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संम्यास, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्राधिक है

श्रीर जिसकी सं मकान नं ० 60-ए है तथा जो माडल टाउन, यमुना नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1890

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और घन्तरक (प्रन्तरकों) और घन्सरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिष्ठ-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या ग्रग्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाग-कर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रीधिनियम, या धन-कर भ्रीधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भत: भव, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त भिधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निखिखत व्यक्तियों, भ्रयात:—

- 1. सर्वश्री लगमोहन कपूर, मनमोहन कंवल कपूर पुत्र श्री राम लाल कपूर माडल टाउन, यमुनानगर। (श्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री मंजीत सिंह गंठोक, हरीकिणन गडोक पुत्र मोहन लाल गठोक निवासी 60-ए, माडल टाउन, यमुनानगर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

छक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पैरे सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्णिकी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हिलबंद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा घंधोहस्ताकरी के पासे लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पंडतींकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दीं भीर पदों का, जी उक्त संवि-नियम, के ग्रंड्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं भ्रषं होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अनुसची

सम्पत्ति मंकान नं० 60-ए माङल टाउन यसुनानगर में है तथा जिसका भधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्सा जगाधरी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 5756 दिनांक 19-3-1980 में दिया गया है।

> गो० सी० गोपाल, मक्षम प्राधिकारो, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण), श्रजीन रेंज, रोहसक

दिनांक: 28-6-1980

प्रकप आई • टी • एन • एत •---

भायकर समियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

क्रामालम्, सहायक ब्रायकर मायुक्त (निरीक्रण)

ध्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून, 1980

निर्देश सं० एस० एफ डी०/1/80-81---ग्रतः मुझे, गो० सी० गोपाल, निरीक्षक सहायक ग्रायकर ग्रायक्त भर्जु न रेंज, रोहतक भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उका अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-सा के अधीन सक्तम प्राधिकारी विक्यास करने का कारन है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित्रं बाजार मृस्य 25,000/- र से अधिक है भीर जिसकी सं० दुकान है तथा जो मंडी सफीदों में स्थित है (भीर इससे उपाबड प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, मफीदों में, रिल्स्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1980 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उवित वाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्द्रित की गई है भीर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, छसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रातफल का पन्द्रह प्रतिगत ग्रीवक है भीर जन्तरक (प्रस्तरकों) भीर अन्तरिती (ग्रन्तरितिग्रॉ) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिये तय पामा गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्देश्य से उद्देश अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया बया है :--

- (क) अन्तरण से दुई किती काम को बाबत अक्त प्रधितियन के प्रधीन कर वेने के प्रकारक के शाक्तिय में कभी करने या नससे वजने में सुविधा के जिए। धौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन मा प्रम्य ब्रास्तियों को बिन्हें भारतीय माय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 19) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अस्तिरती बाज प्रकट नहीं किया गया या किया जाना आदिए था, किसाने में सुविधा के किए।

अतः धव, उक्त पश्चितियम की धारा 269क्व के अनुसरण में, में, चक्त अधितियम, की धारा 269क्च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थाण्:--- 1. श्री चतुर्भुज श्रीर जगदीश राम सपुत श्री माई राम निवासी सफीवों

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती कौशल देवो, विद्या देवी और बोहती देवी निवासी सफीदों

(ग्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप अन्न

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की घवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताश्वरी के पास लिखित में किए जा नर्केंगे।

स्वच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवाबित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति दुकान जो कि सकीदों में स्थित है तथा जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ती सफीदों के कार्यालय में रजिस्ट्री ऋमांक 25 दिनांक 7-4-1980 में दिया गया है।

> गो० सो० गोपाल, सक्षम प्राधिकारा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रज्जैन रेंज, रोहनक ।

दिनांक: 28-6-1680

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 जुलाई, 1980

निर्देश सं० के० एन० एल०/41/79-80—ग्रतः मुझे, गो० सी० गोपाल, निरीक्षण सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त भ्रजुंन रेंज रोह-तक

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कपए से अधिक है और जिसकी संग्यों कम नंग 3, बारान्डा तथा भूमि है तथा जो जीं हो। रोड़, करनाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के तिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ग निखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त धिक्ष-नियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विका के लिए;

मतः, मन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिति स्थिनियों, मर्गत्।---  (1) श्रो ज्ञान सिंह पुत्र श्रो लंबा मल (2) सर्वश्री जगदोश सिंह, कुलदीप सिंह, पुनान श्रो ज्ञान सिंह निवासी माडल टाऊन, करनाल ।

(ग्रन्तरक)

 (1) श्रोमतो कान्ता रानी परनी श्री देस राज निवासी जरनैला कालानी, करनाल (2) श्रीमती हरबंस कौर परनी श्री सरदार सिंह निवासी बिशनपुरा, करनाल । (ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खकत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धाधि-नियम के ध्रष्ठयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ध्रष्ठयाय में विया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति एक शो रूम नं० 3 जोकि चौक माल रोड़, जो० टी० रोड़ करनाल; स्थित है तथा जिसका भ्रौर श्रधिक विवरण रिजस्ट्री-कर्त्ता करनाल के कार्यालय में रिजस्ट्री क्रमांक 4890 दिनांक 29-11-1979 में दिया गया है।

> गो० सो० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहृतक ।

दिनांक: 15-7-1980

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस.-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 जुलाई 1980

निर्देश सं० जे० डो० आर०/17/79-80— यतः मुझे, गो० सि० गोपाल, निरोक्षक सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विरुधास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसको सं ० फैक्टरो विल्डिंग है तथा जो रेलवे रोड़, जगाधरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक विसम्बर, 1979।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्स निम्नलिचित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृष्टिया के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों अधृति:——

- (1) श्री इन्द्र सिंह पुत्र श्रो प्रोतम सिंह (2) श्रो हरबंस सिंह पुत्र श्रो प्रोतम सिंह मार्फत में घाई० एच० मैटल इंडस्ट्रीज जगाधरी। (प्रन्तरक)
- 2. (1) श्री कस्तुरी लाल पुत्र श्री भगवान वास (2) श्री किशन लाल पुत्र श्री मनी राम मार्फत मैं० एन० एम० मैंटल वक्स रेलवे रोड़, जगाधरी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपप्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### सत्त्रप्रची

सम्पत्ति फैक्टरी बिल्डिंग जोकि मैं० भ्राई० एच० मैटल इंड स्ट्रोज, रेलवे रोड़ जगाधरी के नाम से जानी जाती है तथा जिसका भीर भ्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता जगाधरी के कार्यालय में रिजस्ट्री कमांक नं० 3657 दिनांक 10-12-1676 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक ।

विनांक: 15-7-1680

प्रकप ब्राई० टी० एन० एस०----

आग्रकर भिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भिधीत मूचना भारत सरकार कार्मानय, सहायक स्थासकर भायुक्त (जिसेश्यम) श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 17 जुलाई 1980

ग्रीर जिसकी सं भूमि रक्ष्या 107 कनाल 4 मरले है तथा जो ग्रामधान, तहसील ग्रम्बाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रम्बाला में, रजिस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अहमे का कारण है कि यशापूर्वोक्षत सम्प्रति का उचित काजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमन प्रतिफल का प्रमान क्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किती भाग की बाबत, उक्त प्रक्षि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख़) ऐसी किसी भाष सा किसी भन मा अस्य अविस्तिमों को जिन्हें भारतीय माय-कर अविनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत स्विनियम, या धन-कर स्विनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए चा, खिनाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त श्रविनियम, की धारा 2,69-ग के भनुसर्ग में, मैं, उक्त श्रविनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:—  श्रो सरधानाथ चेला श्रो समुन्द्र नाथ निवासी अम्बाला गहर।

(मन्तरक)

2. सर्वश्री मदनसास, मुलखराज पुतान श्री ग्रानीख राज (2) श्रीमती पुष्पा वन्ती परनी श्री मदन लाल निवासी भ्रम्बाला शहर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के **लिए** कार्सवाहियां करता हूं।

ज़क्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हो 45 दिन की अमित्र मा तत्सम्बन्धी अपिक्तमों पर सूत्रना की सामील से 30 दिन की अमित्र को भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के श्रीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त सिध-नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही ग्रथ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

**अनुसुची** 

सम्पत्ति भूमि रक्षा 107 कनाल 4 मरले जोकि ग्राम धीन तहसील ग्रम्बाला में स्थित है तथा जिसका और श्रधिक विवरण रज़िस्ट्रीकर्ता ग्रम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3894 दिनांक 14-11-1979 में दिया गया है।

> मो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक ।

दिनांक: 17-7-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एस० एस०——— प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जेन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 17 जुलाई, 1980

निर्देण सं० ए० एम० बी०/26/79-80—श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल, निर्दाक्षक सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रजंन रेंज रोहतक भायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त श्रीविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्वये से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि रकवा 77 कनाल 3 मरले है तथा जो ग्राम धीन जिला ग्रम्बाला में स्थित है (भीर इससे उपावद ग्रनुमूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिल्स्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रम्बाला में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक नवम्बर 1979।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्वह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिनयम के श्रिष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रान्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त प्रक्षिनिषम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों ग्रथीत :—  सर्वश्री जिले राम, केसर राम, ग्रमरीक सिंह छोटू राम गुलजार सिंह, गुलाब सिंह पुत्रान श्री सरदारा राम निवासी ग्राम धीम, तहसील ग्रम्बाला ।

(भ्रन्तरक)

2. (1) सर्वश्री धनपत ग्ररजन पुत्रान श्री गादी राम (2) श्री ज्ञान सिंह पुत्र श्री सुरजा राम निवासी ग्राम रूड़की, तहसील ग्रम्बाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रंजीन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संस्पति के धर्जन के सम्बन्ध में कीई भी धालेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भावधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों बंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति म हितबस किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पार्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रक्षितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्ये होगा, नो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# धनुसुची

सम्पत्ति भूमि रक्षा 77 कमाल 3 मरले जोकि ग्राम धीन तहसाल ग्रम्बाला में स्थित है तथा जिसका ग्रीर श्रक्षिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता ग्रम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 4040 दिनांक 23-11-1979 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 17-7-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भाषकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 16 जुलाई, 1980

निर्देश सं० जे० डी० आर०/15/79-80—-अतः मुझे, गो० सिं० गोपाल, निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 140-ए, है तथा जो माडल टाऊन यमुनानगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबस श्रनुसूकी में ग्रीर पूर्ण रूप से ब्रिणित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रीधकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, दिनांक नवस्बर, 1979।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) चन्तरण से हुई किसी श्राय की बावत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायिख में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रंब, उपत अधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अधीत:--  श्रीमतः राज रानी पत्नी श्री ईशर दयाल महत्ता माडल टाऊन, यमुनानगर ।

(ग्रन्तरक)

2. (1) श्रो मुभाष दुगल पुत्र श्रो चमन लाल (2) श्री चमन लाल पुत्र श्रो ज्ञान चन्द 140-ए, माङल टाऊन, यम्नानगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के झर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपुत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, खो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्याक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदो का, जो उक्त प्रधिनियम के घट्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

#### **ग्रनुपुची**

सम्पत्ति मकान नं० 140-ए, माडल टाऊन यमुनानगर तथा जिसका ग्रीर ग्रधिक विवरण रिलस्ट्रीकर्ता जगाधरी के कायलिय में रिजस्ट्री क्रमांक 3736 दिनांक 21-11-1676 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, रोहतक

दिनांक: 16-7-1680

मोहर 🖑

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 22 जुलाई, 1980

निर्देश सं० श्रार० टी० के०/25/79-80—श्रतः मुझे जो० सि० गोपाल, निरीक्षण सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, रोहतक श्रायकर प्रायक्ति के स्थाप करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित श्राजार मूल्य 25,000/- कार्य से श्रायक हैं श्रीर जिसकी सं० प्रापर्टी नं० 31 तथा 32, वार्ड नं० 10 है तथा जो सिविल रोड़, रोहतक में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायक श्रायक्ति में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिलस्ट्रंकिती श्रायकारी के कार्यालय, रोहतक में, रजिस्ट्रंकर श्रायक्तिम, 1608 (1608 का 16) के श्रायीन, विनांक नवम्बर, 1979 पूर्वीक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिर् ना पारा गरा प्रतिक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय कीवाबत उक्त मधि-नियम के अबोन कर देने के अत्तरह के दायित्व में कमी करने या उसपे बनने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या जिसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनयम, या धनकर प्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ठियाने में सुविधा के लिए;

भतः, भ्रव, उन्त भ्रधिनियम को धारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीतु:~--15---196 GI/80  श्रो विषिन गुप्ता पुत्र श्री गुरदास सिंह निवासी मोहल्ला कलालां रोहतक ।

(भ्रन्तरक)

- (1) श्री नरसिंग दास छाबरा पुत्र श्री लघा राम (2) श्रीमती बिमना देवी पत्नी श्री नरसिंग दास छाबड़ा निवासो सर छोटू राम भवन सिविल रोड़, रोहतक। (अन्तरितो)
- मेमर्स टायर सिविल कम्पनं। भिविल रोड़, रोहतक (श्रन्तरितो)

को यह मूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत समात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की ग्रवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अगोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोक्तरगः -- -इसमें प्रयुक्त गब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है ।

### श्रनुसुची

समात्तिमकान/दुकान सं० 31 तथा 32वार्डनं० 10,सिविलरोड़, रोहतक गथा जिसका ग्रीर ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता रोहतक के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 3175 दिनांक 16-11-1979 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम ग्रधिकारो, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक ।

दिनांक: 22-7-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) व्ये अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जलंग्धर

जलंन्धर, दिनांक 9 जून 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2143--यतः मुझे बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रज. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० जैसा कि अनुसुची में लिखा है। तथा जो गली नं० 15 मण्डी अबोहर में स्थित है (ग्रेंर इससे उपाबश्च में श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय अबोहर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नथम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त लिधानयमः की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

- श्री जरनेल सिंह गुरनाम सिंह संबुरी सिंह करनार सिंह वासी दर्ग वाला फाजिलका (अन्तरक)
- 2. श्री गुरबाज सिंह पुत्र करतार सिंह पुत्र भाग सिंह वासी मुरादवाला सिंध तहिसील फाजिलका (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह ध्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो ध्यक्ति सम्पति में रूचि रखता हो ( (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध हैं )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति श्रीर व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 1832 नवस्वर 1979 के रजिस्ट्री कर्ला अधिकारी ग्रवोहर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जलन्धर

तारीख: 9-6-1980

प्रकप भाई की ० एन ० एस०----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के प्रवीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजने रेंज जलंन्धर

जलंन्धर, दिनांक 20 जून 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2145—यतः मुझे बी० एस० दहिया,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्पए से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो गांव नुरपुर खीरेवाली कपूरथला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रनूसूची में भीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कपूरयला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर यह कि अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रम्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; जीर्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, कौधारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:——

- 1. श्री ग्राज्ञापाल सिंह पुत्र हरी सिंह पुत्र सन्तासिह वासी नुरपुर खीरेवाली आकखाना नुरपुर खीरेवाली तहिसील ग्रोर जिला कप्रथता (ग्रन्तरक)
- 2. श्री परेगन सिंह, दर्शन सिंह जगीर सिंह सुपुत्रंत्र सुन्दर सिंह गांव नुरपुर खीरेवाली ॄतहिसील व जिला कपूरथला (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकिरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिमम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति भ्रौर व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 3222 जनवरी 1980 को रजिस्ट्री कर्त्ता ग्रिधिकारी कपूरथला ने लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जलन्धर

तारीख: 20-6-1980

प्रकप माई॰ टी॰ एत॰ एस॰----

भायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष(1) के भ्रघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन, रेंज जलन्धर कार्यालय

जलन्धर, दिनांक 20 जून 1980

मिदेश सं० ए० पी० नं० 2146—यतः मुझे बी० एस० दहिया,

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपए से ग्रिधिक है

ग्नौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो गांव बजवारा तिह में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध में धनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय होशियारपुर में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशान से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसो आप की पावत, उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या;
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 289-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अग्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. श्रयीन्:---

- गुरमेण लाल चम्बा ऊर्फ मखन लाल पुत्र माना राम गांच बजवारा जिला होशियारपुर (ग्रन्तरक)
- 2. गुरदास राय पुत्र सुवा राम गांव अजवारा जिला होशियारपुर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर (वह ध्यक्ति, जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारीकरकेपूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उरत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इ.प. सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्यव्ही करण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्राध-नियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रयं होगा जो उस भ्रष्टवाय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पति ग्रोर व्यक्ति जैसा कि विलेख 3936 जनवरी 1980 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी ने लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख 20-6-1980 मोहर: प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजनरेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 20 जुन 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2147—यतः मुझे बी० एस० इंहिया.

दहिया, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्यात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपये बाजार मुख्य ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनसूची में लिखा है। तथा जो न्यु रेल के रोड जलन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रौरपूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दुश्यमान प्रतिफल के निए श्रन्तरित की गई है प्रौर सुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है ग्रीर भ्रन्तरक (अन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीव ऐने प्रतारम के तिए तर राजा गरा प्रतिकत, निस्तलिखित **उद्देश्य से उन**त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्राध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के घायिस्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधीतः---

- श्री करतार सिंह पुत्र राम सिंह वासी कपुरयला रोड लन्धर (अन्तरक)
- 2. श्री जोगिन्वर सिंह पुत्र गोपाल सिंह मारफत ईसटरन पंजाब हरमोनीयन न्यू रेलवे रोड, जलन्धर (ग्रन्सरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो ध्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे म ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबक्ष है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रार्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (ह) इस सूबना के राजगत्त में प्रकागन की तारीख से 45 दिन की पनिश्च पातत्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजन प्रमें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समाति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छी करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, ओ उक्त घिष्ठ-नियम के घ्रष्टपाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रहपाय में विया गया है।

#### भ्रनुसूची

सम्पति श्रीर व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 5768, नवम्बर 1979 को रिजिस्ट्रीकर्त्ता जलन्धर ग्रिधकारी ने लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जलन्धर

ता**रीख**: 20-6-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय जलन्धर, दिनांक 26 जून 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2148—यतः मुझे बी० एस० दिवया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो लाजपत नगर में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबद्ध अन्-सूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीम, तारीख नधम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से धुद्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गृंग था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः——

- मृरिन्द्र प्रकाण पुत्र एम० ध्रार० पंडित वासी 26-एल० लाजपत नगर जलन्धर (वर्तमान पता माल्म नहीं ड)। (ध्रन्तरक)
- 2. श्री चरन दास पुत्र मंगत राम गांव व डाकखाना समराए तहसील फिललौर जिला जलन्धर (म्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह स्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्बति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनुसूची

सम्पत्ति भौर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5776 नवम्बर 1979 को रजिस्ट्री कर्त्ता श्रिधकारी जलंधर, ने लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज जर्लन्धर

तारीख 26-6-1970 मोहर: प्ररूप माई० टी॰ एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर धापुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज जलन्धर कार्यालय जलन्धर, दिनांक 3 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2149—स्प्रतः मुझे बी० एस० दहिया,

प्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से ग्रिधिक है

जैसा कि अनुसूची में लिखा है। आर्यसजाज मन्दिर रोड होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख नथम्बर 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त ग्रिश्चित्यम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रान्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रव, उन्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, प्रभीत्:---

- श्री म्रजीत सिंह पुत्र बक्तवन्त सिंह पुत्र भगवान सिंह ग्रायं समाज मनदिर रोड होशियार पुर वर्तमान 924 सिन्गु गोगयु गली पूना (श्रन्तरक)
- डा० शिव चरन दास वित्रपता देवी सुन्द्र चैरीटेवल ट्रस्ट श्रार्थसमाज मन्दिर रोड होशियारपुर (श्रन्तिरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति है)
- 4. जो ध्यक्ति सम्पित में रूचि रखता है (बह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पित में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवन सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए का**र्यवाहियाँ कर**ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितखब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के लध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

सम्पति भ्रौर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3406 नवम्बर 79 को रिजस्ट्रीकर्त्ता भ्रक्षिकारी हुशियारपुर ने लिखा है।

> बी० एस० दहिया स**क्षम प्राधिकारी** सहायक ग्रायक रश्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारी**ख**: 3-7-1980

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम० --

भापकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जलन्धरकार्यालय जलन्धर, दिनांक 27 जुन 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2150—यतः मुझे बी० एस० दक्षिया.

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्गत्ति, जिसका छिनत बाजार मूल्य 25,000/- इपये से भ्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो नीरिंग सहापुर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विजित है), रिजस्ट्रीकर्सा स्रिधकारी के कार्यालय फगवाडा में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन तारीख नवस्वर 1979।
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रश्विक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की वाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के अधीन कर देने के भ्रग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (का) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिषितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रवित्यम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, द्विपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री जगत सिंह पृत्र देवा सिंह गांव मेहातर तहसील फगवाड़ा (अन्तरक)
- 2. श्री दलजीत सिंह पुत्र जगत सिंह गांव मेहत तहसील फगवाड़ा (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह क्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में ठिच रखता हो (वह ध्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समात्ति में हित्तबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-निषम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं वही श्रथं होगा जो उन श्रध्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

सम्पिति भ्रोर व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 1582, नवस्बर 1979 को रजिट्टीकर्ता भ्रधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर ग्रायुक्त (मिरीक्षण) ग्रर्जन रेंण, जलन्धर

तारंख: 27-6-1980

प्रका ग्राई० टी० एत० एस०----

ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज जलन्धरकायलिय

जलन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2151, यतः मुझे शी० एस• दहिया,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सज़म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो गांव ग्रपरा में स्थित है (ग्रोर इससे उपायद्ध में अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप में घणित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय फिलौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यपान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल है, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण सं हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्राधिक नियम, के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- . (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय म्नायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनन मिधिनियम, या धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ण की उपद्वारा (1) के श्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, श्रयीन:→-16—196 GI/80

- 1. श्री चरन जीत सिंह पुत्र रतन सिंह गांव समरारी तहिसील फिल्लौर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मजमीर सिंह, गुरमीत सिंह, बलबीर सिंह गांव समारारी तहिसील फिल्लौर (मन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नें० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में भ्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी चन्य व्यक्ति द्वारा, च्रोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए का सकेंगे।

स्वब्धी चरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ऋधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पति श्रीर व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 3419 नवम्बर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी फिल्लौर ने लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जलन्धर

तारी**ख 7-7-198**0 मोहर: प्ररूप श्रा६० टी० एन० एम० ----

प्रायक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायक**र मायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज जलन्धरकार्यालय

जलन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2152—यतः मुझे बी० एस० दहिया,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहागया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-दप्त संप्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है। तथा जो माल रोड क्रिप्रथक्षा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधक ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बिणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख नवम्बर 1979।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उनत प्रनरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रष्ठि-नियम, के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्तितिखात व्यक्तियों, अर्थान्:→→

- 1. श्री ऊषा देवी परनी हरमोहिन्द्र सिंह वासी माल रोड कप्रथला (श्रन्तरक)
- 2. सुरिन्द्र कौर पत्नी करतार सिंह दर्शन कौर पत्नी मोहन सिंह ग्रौर रिजन्द्र सिंह रिवन्द्र सिंह सपुन्न मोहन सिंह कपूरथला (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पित है।
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति हे अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि । द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में ब्रकाशन की तारी ख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्त में
  दितवड किती अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी
  के पान लिखित में किय जा सकेंगे

स्वच्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों स्रोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क से परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पति ग्रोर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 2422 नवम्बर 1979 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> बी० एस० दिह्नया सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, जलन्बर

तारीख 7-7-1980 मोहर: प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंग जलन्धर कार्यालय जलन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1980

निदेण सं० ए० पी० नं० 2153—यतः मुझे, बी० एस० वहिया,

भायकर मिं विस्तित 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिं विस्तियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से मधिक है

मोर जिसकी सं जेसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो माल रोड कपूरथला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारी व्यवस्वर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से ग्रिधिक है ग्रीर मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: --

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसे किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रबं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री बरजिन्दर सिंह पुत्र हरमोहिन्द्र सिंह द्वारा दान
  सिंह उर्फ देवका पत्नी खुद कपूरथला (ग्रन्तरक)
- 2. सूमीता घई, नीलमा घई, पुत्रियां ग्रोम प्रकाश, कंवल कुमार पुत्र नरण टास वासी 4 कपूरथला (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिथिभोग में सम्पति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पित में एचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पित में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप : --

- (क) इस सूचना के राजपत्न मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की प्रश्रीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्दोकरण :--इसमें प्रयुक्त णव्यों ग्रौर पर्यों का, जो उक्त अधि नियम के पश्याय 20-क में परिभाषित है ही ग्रार्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पति ग्रौर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2470 नवम्बर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी, कपूरचला ने लिखा है [।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज जलन्धर

तारीख: 7-7-80

मोइर:

# प्ररूप भाई• टी॰ एन॰ एस•-----

# भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मन्नीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

# मर्ज रेंज जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 4 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए०पी० नं० 2154---यत. मुझे, बी० एस० विद्या,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोहला सोडीयावाला फिरोजपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरग जिखित में बास्तिबक रूप से कियत बही किया गया है:---

- (क) धन्तरण से दुई किसी भाय की सासत उसत मिधि-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिम्हें भायकर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठितियम, या धन-कर भिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, भव, उन्त मधिनियम की घारा 269-ग के धनु-करण में, में, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के ग्रेष्टीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, बर्बात:---

- 1. कुन्ती देवी विधवा ग्रमृत राय वासी मोहला सोडी-यांवाला फिरोजपुर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राज पाल कपूर युव राम चन्द वासी मोहला सोडीयां वाला फिराजपुर (अन्तरिती)
  - 2. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति है)
  - 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जाता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

रूपध्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिध-नियम के श्रद्धाय 20-क में परिकाधित हैं. वहीं धर्म होगा जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्नि भौर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3692 नवम्बर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ला ग्रधिकारी फिरोजपुर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख 4-7-1980 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जलन्धर जलन्धर, दिनांक 4 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2155---यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रोर जियकी मं० जैसा कि स्रनुसूची में लिखा है तथा जो तोरी बाजार फिरांजपुर गहर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद श्रापूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवस्बर

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1) को अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों अर्थातुः—

- 1. श्री ज्ञान चन्द पृत्र राधा किशन वासी तोरसी बाजार फिरोजपुर शहर (अन्तरक)
- 2. बलदेव कुमार, प्रमोद कुमार सुपुत्र राम गोपाल वासी कुचा सौदागर मल फिरोजपुर शहर (श्रन्सरिती)
  - 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति है)
  - 4. जो व्यक्ति सम्पित में किच रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पित में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करको पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पति और ध्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3753 नवम्बर 1979 को रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी फिरोज पुर ने लिखा है।

> बी० एस० **दहि**या सक्षम **प्राधिकारी** सहायक भ्रायकर घायु<del>क्त (नि**रीक्षण**)</del> श्रर्जन रेंज जलन्त्रर

तारी**ख**: 4-7-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

धावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, विनांक 9 जुलाई 1980

निर्देश सं॰ ए० पी० नं० 2156---यतः मुझे, बी० एस० बहिया,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनसूची में लिखा है तथा जो खेड़ा रोड फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद अनु-सूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, जक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्राव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीक, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयीत्:--

- 1. श्री गुरमीत कौर पत्नी सोहन सिंह गाँव डाकखाना चाहल कलाँ जिला जलन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री यशपाल, सतीश चन्त्र सपुत्र मोहिन्द पाल, मोहला बेदीयां फगवाड़ा (अन्तरिती)
  - 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह अयक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पति है)
  - 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबदा है)

को यह सूचना जारी अपरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गड्दों भीर पदों का, जो 'उक्त भिधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पति भ्रौर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1511, नवम्बर 1979 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

> बी० एस० दक्षिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जलन्कर

तारी**वा : 9-**7-80

प्ररूप आह². टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 9 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० पी०नं० 2157—यतः मुझे, बी० एस० दिहयाः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

घोर जिसकी सं० जैसा कि ध्रनुसूची में लिखा है तथा जो खेड़ा रोड फगवाड़ा में स्थित है (घोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता घिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण धिवियम, 1908 (1908 का 16) के धिधीन तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिमे; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- श्रो सोहन सिंह पुत्र गुरदेव सिंह, गांव व डाकखाना चाह्रस कलां, जिला जलन्धर। (ग्रन्सरक)
- 2. श्री मोहिन्दर पाल पुत्र नशुराम, बंसी धर पुत्र मोहिन्द्र लाल, मौहला बंदीया, तह० फगवाड़ा। (प्रन्तरिती)
  - 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह अयक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पति है)
  - 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो। (बह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह स्पना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्सि में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्यास में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पति ग्रीर स्यक्ति जैसा कि विलेख नं॰ 1512, नवस्वर 1979 को रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पर्मग्राड्य ने लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स, (निरीक्षण) प्रजन रेंज, जलन्धर

तारीब: 9 जुलाई 1980

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

मायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जलन्धर, दिनांक 9 ज्लाई 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2158---यतः मुझे बी० एस०, दहिया,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्द्र प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के भधीन समन गांधे हारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति जित्रहा उचित बाजार मूख्य 25,000/-- कि से सिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो खेड़ा रोड फावाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राध-कारी के कार्यालय फावाड़ा में रिजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन तारीख नवम्बर 1979
को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती
(भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य न उका अन्तरण लिखित में वास्तविक
कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आप की बाबत उक्त भिध-नियम के अधीन कर देने के अप्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी िस्सी प्राप या िस्सी धन या प्रन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जीना चाहिए था, िकपाने में सुविधा के लिए;

मतः मतः, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, छक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, ग्रयित:—

- श्रीमती गुरदेव कौर पत्नी सोहासिह वामी चाहल कलां जिला जालन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बंसी घर यणपाल, सतीण, श्रीर मोहिन्द पाल नृत्र नयुराम वासी मोहिला बेदीया, फगवाड़ा (श्रन्तरिती) 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)
  - 4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि ब्लिता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्राधोहस्ताक्षणी जानता है कि वह संप्यति में हितबद्ध है)

को यह सुवना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्रत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.त सूचता के राजात में प्रकाणत की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूतना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों श्रीर पदों का, जो खक्त श्रधिनियम के श्रष्टपाय 20-क में परिभाषित है, बही पर्य होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पति श्रौर व्यक्ति जैसा कि विलेखनं० 1534 नवम्बर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखा: 9-7-1980

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23rd May 1980

No. A. 32014/3/80-Admn. II-The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following officers to officiate as Superintendent (DP) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810 EB-35-880 40-1000-EB-40-1200, on an ad hoc basis for a period of six months, in the lirst instance, w.e.f. the dates mentioned against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No.	Name	Date of
		appointment
		as Superintenden
		(DP)

Sh. S. P. Bansal, S. O.(DP)

Sh. B. R. Gupta, S. O. (DP) Sh. S. C. Mastana, S. O. (DP)

Sh. M.M. Sharma, Assistant Supdt. (Holl.) Sh. Jagdish Lal, Asstt. Supdt. (Holl.)

Su, Jaguish Lat, Asset, Supat. (1101.)
 Smt, D. J. Lalwani, Asset, Supdt. (Holl.)
 Smt. Raj, Sethi, Asset, Supdt. (Holl.)
 Miss Sudarshan Handa, Asset, Supdt. (Holl.)

9. Sh. R. R. Bhardwaj, Asstt. Supdt. (Holl.)

14-5-1980 (AN)

12-5-1980 (FN)

- 2. The above-mentioned officers should note that ad hoc appointment to the post of Superintendent (DP) will not automatically entitle them to regular absorption or for senior in the grade.
- The Notification Nos. (1) No. A. 32014/1/79-Adm. II, dt. 10-1-80, (2) F. 2/34/67-Ests. (A) (I) dated 19-2-1970 (3) No. A. 32016/2/70-Adm.-I dt. 24-12-70, (4) No. A. 32016/8 72-Adm.-II dt. 7-4-73, (5) No. A. 32016/4/75-Adm.-II dt. 25-8-75, (6) No. A. 12019/9/77-Adm.-II dt. 10-4-78 and (7) No. A 12019/9/77-Adm. II dt. 18-7-78 stand superseded accordingly w.e.f. 12-5-1980.

S. BALACHAND Under Secy for Secy Union Public Service Commission

#### ENFORCEMENT DIRECTORATE

# FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi, the 21st July 1980

No. A-11/48/74—The following Enforcement Officers have been appointed to officiate as Chief Enforcement Officers with effect from the date of their assumption of charge and until further orders. The place of posting and date of assuming the charge are indicated against each :-

S, No	Name	Place of posting	assumi	te of ng the arge
1. Sh.	Balkar Singh	Jullundur zonal Office.	28-4-80	(F.N.)
2. Sh.	M. Jeevaratnam	Madras zona) Office.	7-5-80	(F.N.)
3. Sh.	K.V. Lele	Bombay zonal Office.	21-4-80	(A.N.)

S. D. MANCHANDA Director

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION, CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY New Delhi-110022, the 25th July 1980

No. 1-23/78-CFSL/5955.—Consequent on his appointment as Assistant Director (Physics), Forensic Science Laboratory, Madhuban, Haryana, Dr. R. P. Singh has been relieved of the office of Senior Scientific Officer (Physics), Central For-17-196GI/80

ensic Science Laboratory, C.B I., New Delhi on the afternoon of 14th July, 1980.

> S. K. JHA Dy. Director (Admn.) C.B.L

#### DTE, GENL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 24th July 1980

No. O.II-268/69-Estt.—Consequent on expiry of period of extension granted to him, Shri V. Krishnaswamy relinquished charge of the post of Commandant '5 Bn C.R.P.F. on the afternon of 30-6-80 and retired from Govt. Service.

K. R. K. PRASAD Assistant Director (Adm)

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi, the 22nd July 1980

No. 11/8/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri D. T. Deshmukh, an Officer belonging to the Maharashtra Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 1st July, 1980, until further Orders.

The headquarter of Shri Deshmukh will be at Amravati.

No. 11/8/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri D. D. Date, an Officer belonging to the Maharashtra Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 30 June, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Date will be at Nagpur.

No. 11/8/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. D. Kharosekar, an Officer belonging to the Maharashtra Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 2nd July, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Kharosekar will be at Auranga-

No. 11/116/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Tarkendra Vaishnay, an Officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Uttur Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, with effect from the forenon of 17th June, 1980, until further deputation, with

The headquarter of Shri Vaishnav will be at Nainital.

No. 11/110/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint No. 11/110/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri V. A. Sathe, an Officer belonging to the Gujarat Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Gujarat Ahmedabad, by transfer on deputation, with effect from the afternoon of 17th June, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Sathe will be at Surat.

# The 24th July 1980

11/1/80Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. Krishnamurthy, an Officer belonging to the Kerala Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Director of Census Operations, Kerala Trivandrum, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 1st July, 1980 until further orders.

The headquarter of Shri Krishnamurthy will be at Quilon.

11/1/80Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri P. Gopalakrishnan Nair, an Officer belonging to the Kerala Civil Service as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations Kerala, Trivandrum, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 7th July, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Nair will be at Muvattupuzha.

No. 11/31/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Bh. V. Satyanarayana Rao, un Officer belonging to the Andhra Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 14 June, 1980 until further orders.

The headquarter of Shri Rao will be at Vizianagaram,

No. 11/123/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri A. N. Tiwari, an Officer belonging to the Madhya Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 14, June, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Tlwari will be at Rewa.

No. 11/123/79-Ad.J.—The President is pleased to a ppoint Shri Balbir Singh, an Officer belonging to the Madhya Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 7 June, 1980, until further orders

The headquarter of Shri Singh will be at Indore.

No. 11/123/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri U. D. Mishra, an Officer belonging to the Madhya Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations Madhya Pradesh, Bhopal, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 11 June, 1980, until further orders

The headquarter of Shri Mishra will be at Bilaspur.

No. 11/123/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. N. Tiwari, an Officer belonging to the Madhya Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 26 June, 1980, until furthre orders.

The headquarter of Shri Tiwari will be at Bhopal.

P. PADMANABHA Registrar General, India

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, GUJARAT,

Ahemedabad, the 24th July 1980

No. Estt.(A)/GO/730.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint the following permanent members of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officers in office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from 28-6-80 FN until further orders.

S/Shri

- 1. T. R. Venkatachari.
- 2. T. J. Patel.

- 3. S. O. Shah.
- 4. J. M. Rana.
- 5. S. J. Pandya (Proforma)
- 6. S. R. Yeri,

The above promotions have been made on ad-hoc basis and subject to the final orders of the Gujarat High Court in the Special Civil Application No. 735 of 1980.

A. KRISHNA RAO, Sr. Deputy Accountant General (A),

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, MAHARASHTRA-I

Bombay-20, the 17th July 1980

No. Admn. I/Geni/31/Vol.III/C1(1)/4.—The Accountant General, Maharashtra-1, Bombay is pleased to appoint Shri R. P. Datar, Section Officer (Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 11th July, 1980. F. N. until further orders.

S. R. MUKHERJEE, Sr. Dy. Accountant General/M.

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENNT

OFFICE OF THE C. G. D. A.

New Delhi-110022, the 19th July 1980

No. 18383/AN-I.—Onattaining the tage of 58 years, Shri P. L. Ahuja, IDAS, Asstt. Controller General of Defence Accounts, will be transferred to the Pension Establishment with effect from 31st January 1981 (AN) and accordingly struck off strength of the Defence Accounts Department with effect from 31-1-1981 (AN).

No. 18383/AN-I.—On attaining the age of 58 years, Shri D. R. Vohra, ACDA, will be transferred to the Pension Establishment with effect from 31st Jan., 1981(AN) and accordingly struck off strength of the Defence Accounts Department w.e.f. 31st January 1981 (AN)

R. L. BAKSHI,
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

#### MINISTRY OF DEFENCE

#### ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 12th June 190

No. 3/80/A/M.—The President is pleased to appoint Dr. Bishnu Das Mandal as Assistant Medical Officer in Gun & Shell Factory, Cossipore with effect from 14-2-1980 until further orders.

No. 4/80/A/M—The President is pleased to terminate the services/ to accept the resignation of the undermentioned Junior Medical Officers/Assistant Medical Officers. Accordingly, their names are struck off strength from the Ordnance Factories Organisation from the date mentioned against each:—

SI. No.	Name and Designation				Name of the Factory where posted	Date	
1	2	 		 	3	4	5
	nnil Kumar Bhatia, A. M. O. R. S. Krishnamurthy, A.M. O.	·.			Ordnance Factory, Kanpur Ammunition Fy Krikeee	13-3-78 4-4-78	Resigned -do-

	2								3	4	5
3,	Dr. M. R. L. Kumar, A.M.O.				•		,		Clothing Factory, Avadi	2-6-78	Resigned
4.	D.A. Ramakrishna Rao J.M.O.		•		•		•	•	Ordnance Factory, Tiruchirapalli.	26-5-78	-do-
5.	Dr. Nurul Amin, J. M.O.								Vehicle Factory, Jabalpur	4-6-78	-do-
6.	Dr. S. K. Mahapatra, A.M.O.								Ordnance Factory, Bhandara	8-6-78	-do-
7.	Dr. (Ku.) Sabitri Jharia, A.M.O.								-do-	10-7-78	-do-
8.	Dr. N. K. Singhla, A.M.O.	•	•	-		•			Ordnance Factory, Muradnagar.	17-7-78	Terminated
9.	O, P. Nigam, A.M.O.	•		•					Ordnance Parachute Factory, Kanpur.	19-7-78	Resigned
10.	Dr. V. J. Jose, A.M.O.					•			Cordite Factory, Aruvankadu.	22-7-78	-do-
J1.	Dr. P. V. R. Reddy, A.M.O.								Vehicle Factory, Jabalpur.	26-7-78	-do-
12.	Dr. S. C. Naskar, A.M.O.								Gun & Shell Fy., Cossipore	2-8-78	-do-
13.	Dr. V. M. Chandrasekharan, A.M.	l.O.		,					Vehicle Factory, Jabalpur	4-8-78	-do-
14.	Dr. B. K. Jain, J.M.O.			•	٠			٠	Small Arms Factory, Kanpur.	14-8-78	-do-
15.	Dr. Vijay Saxena, J.M.O.		•					•	Ammunition Factory, Kirkee.	16-8-78	-do-
16.	Dr. L. R. Murthy, A.M.O.					•			Ordnance Factory, Ambarnath.	26-8-78	Terminated
17.	Dr. R. B. Kaushal J.M.O.	•	•				•	•	Ordnance Factory, Ambarnath.	31-8-78	Resigned
18.	Dr. R. K. Kodal, Asstt. Surgeon	Grad	le I						Heavy Vehicle Fy., Avadi	31-8-78	-do-
19.	Dr. R. S. Goyal, J.M.O.				,				Ordnance Factory, Kanpur	4-9-78	-do-
20.	Dr. D. Sreenivasan A.M.O.		•	•		•		•	Ordnance Factory, Varangaon.	13-9-78	-do-
21.	Dr. A. K. Misra, J.M.O.								Vehical Factory, Jabalpur	24-9-78	-do-
22.	Dr. (Mrs.) A. S. Jaikumar, A.M.O		•	•	•	•	•	•	-do-	17-10-78	-do-
23.	Dr. P. V. Chandran, A.M.O.			•				•	Ammunition Factory, Kirkee,	1-11-78	-do-
24.	Dr. (Mrs.) Veena Goyal, J.M.O.		_				_		Ordnance Factory, Kanpur.	16-8-78	-do-
25.	Dr. (Mrs.) I., Rukmini A.M.O.	•			•			•	Ordnance Factory, Dehra Dun.	15-1-79	-do-
26.	Dr. R. K. Malhotra, J.M.O	•		•	•	•	•		Ordnance Factory, Muradnagar,	23-1-79	-do-
27.	Dr. R. S. Kulkarni, J.M.O.			•				•	Ordnance Factory, Khamaria.	15-2-79	-do-
28.	Dr. (Mrs.) S. S. Bangadia, J.M.O.			•				•	Ordnance Factory, Bhusawal.	26-3-79	-do-
29.	Dr. S. U. Dave, J.M.O.	•		•					Ordnance Factory, Bhandara.	18-4-78	Terminated
30.	Dr. (Mrs.) R. Gouri, J.M.O.								Clothing Factory, Avadi	20-4-79	Resigned
31.	Dr. Balaram Sharma, A.M.O.								Vehicle, Factory, Jabalpur	27-4-79	-do-
32.	Dr. D. K. Saxena, A.M.O.							•	Ordnance Equipment Factory, Kanpur.	10-5-79	-do-
33.	Dr. S. G. Vashista, A.M.O		•						Ordnance Factory, Ambajhari.	30-4-79	-do-
34.	Dr. H.S. Chandle, A.M.O	•						-	Clothing Factory, Shahjahanpur.	1-7-79	-do-
35.	Dr. N. V. Sridhara, A.M.O.								Vehicle Factory, Jabalpur.	16-8-79	-do-
36.	Dr. (Ku.) Geeta, Mohanty, A.M.	O.							Gun & Shell Fy., Cossipore.	18-8-79	-do-
37.	Dr. T. K. Venugopal, A.M.O.		-						Ordnance Factory, Ambarnath.	22-8-79	-do-
38.	Dr. B. K. Panda, A.M.O.								Rifle Factory, Ishapore,	24-8-79	-do-
39.	Dr. Subrata Chakraborty, J.M.O.				,		,		Rifle Factory, Ishapore.	31-8-79	-do-
40.	Dr. P. V. Prakash Rao, A.M.O.								Gun Carriage Fy. Jabalpur.	31-8-79	
	-	•	'	•	•	•	•	•			-do-
41.	Dr. M. R. Reddy, A.M.O			· · _	<u>.</u>		'		Ammunition Fy., Kirkee.	15-10-79	-do-

1	2						3	4	5
42.	Dr. A. K. Srivastava, J.M.O.		,		•		Ordnance Factory, Muradnagar,	2-11-79	Terminated
43. E	Dr. S. S. Dawod Saheb, A.M.O.						Gun Carriage Factory, Jabalpa	ır 19-11-79	Resign ed
44.	Dr. S. R. Kulkarni A.M.O.						Vehicle Factory, Jabalpur.	30-1 1-79	-do-
45.	Dr. (Mrs.) S. Basu, J.M.O.		•				, Ordnance Factory, Dehra Dun,	10-12-79	-do-
46.	Dr. (Ku.) K. K. Banga, J.M.O.					•	Ordnance Cable Fy., Chandigarh,	4-1-79	Terminated
47.	Dr. S. K. Verma, J.M.O.		•			•	Ordnance Factory, Bhusawal.	12-12-79	Resigned

O, P. BAHL

Addl. Director General, Ordnance Factories/ Member (Personnel)

# Calcutta-16, the 22nd July 1980

No 50/G/80—The President is pleased to confirm the following Officers in the grade of GM (SG)/DDGOF-Level-II with effect from the date shown against them:—

1.	Shri S. S. Basu, Offg. DDGOF- Level-I (Retd.)	4th Jan.,	1976
2.	Shri Shiva Prasad, Offg. GM (SG)-Level-I (Retd.)	8th Oct., 1	977
3,	Shri P.L. Jalota, Offg. GM (SG)/ Level-1	8th Oct., 1	977
4.	Shri R. R. Wanchoo, Offg. DDGOF/ Level-I	8th Oct., 1	977
5,	Shri R. Swaminathan, Offg. GM (SG)/Level-I (Retd.)	8th Oct., 1	977
6.	Shri J. B. Saxena, Offg. GM(SG)/ Level-I	13th Jan., 1	979
7.	Shri K. Narayan, Offg. GM (SG)/ Level-II	31st Jul, 19	979
		V. K. MEH	TA
	Assit.	Director Ger	ocral
		dnance Fact	
	OI	diance Tack	DITEG

### MINISTRY OF COMMECE

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 23rd July 1980

# IMPORT AND EXPORT TRADE.CONTROL (ESTABLISHMENT)

NO. 6/1081/75-Admn(G)/4632.—On attaining the age of superannuation, Shri Kartick Charan Manna, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta relinquished charge of the post in that Office on the afternoon of 30th June, 1980.

No. 6/1066/75-Admn(G)/4638.—On tattaining the age of superannuation Shri S. G. Upadhya relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, on the afternoon of 30-11-79.

P. C. BHATNAGAR Dy. Chief Controller. For Chief Controller

#### MINISTRY OF INDUSTRY

#### (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

# OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 17th July 1980

No. A/19018/489/80-Admn.(G).—The President is pleased to apoinment Shri Virendera Nath, a Grade IV Officer of I.E.S., as Assistant Director [Gr. I. (E1)] in the Office of the Development Commissioner (SSI), New Dell'hi with effect from 1-4-1980 until further orders.

#### The 21st July 1980

No. A.19018/487/80-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Raghuvansh Bahadur, a grade I officer of the C.S.S. and Under Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) as Deputy Director (Administration) in the Office of Development Commissioner (Small Scale Industries), New elhi with effect from 27-5-80 (FN) and until further orders.

#### The 22nd July 1980

No. 12(166)/61-Admn.(G)Vol.III..—The President has been pleased to allow Shri K. M. Divekar, Assistant Director (Gr.I) (Ecnomic Investigation) in the Small Industries Service Institute, Bombay to retire voluntarily from Government service with effect from the afternoon of 30th April, 1977, in terms of F.R.56(K).

#### New Delhi, the 22nd July 1980

No. 12/760/62/-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Guruswamy, Asstt. Director (Gr.I) (Mechanical) in branch Small Industries Service Institute, Jammu as Deputy Director (Mechanical) on ad hoc basis in Small Industries Service Institute, Agra with effect from the forenoon of 30-6-80 until further orders.

No. 12(645)/70-Admn.(G).—On his appointment as Senior Research Officer, Planning Commission, New Delhi Shri K. V. Vishwanathan relinquished charge of the post of Assistant Director(Gr.I) (Economic Investigation) in the office of Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi in the afternoon of 1st July, 1980.

No. 12(752)/72-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Technical Adviser in Indian investment Centre, New Delhi, on deputation basis, Shri S. R. Singh has relinquished charge of the post of Deputy Director(Chemical) in Small Industries Service Institute, New Delhi in the forenoon of 31-5 1980.

No. A.19018/14/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri G. P. Pathodia, Assistant Director (Gr.I) (Mechanical), Small Industries Service Institute, Bombay as Deputy Director (Mechanical) on ad hoc basis in Regional Testing Centre, Bombay with effect from the forenoon of 30-6-80 until further orders.

No. A-19018(425)/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri V. S. Malik, Small Industry Promotion Officer (Glass/Ceramics) as Assistant Director (Gr. II) (Glass/Ceramics), at the Small Industries Service Institute, Jaipur with effect from the forenoon of 21-4-1980 until further orders.

No. A-19018(455)/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri B. B. Das, a permanent Small Industry Promotion Officer (Economic investigation & Statistics Division), Small Industries Service Institute, Calcutta as Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation) on ad-hoc basis in the Small Industries Service Institute, Allahabad with effect from the forenoon of 22nd April, 1980 until further orders.

#### The 23rd July 1980

No. A-19018/13/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Krishna Kumar, Assistant Director (Gr. I) (Mechanical) in Small Industries Services Institute, Solan as Deputy Director (Mechanical) on ad-hoc basis in Small Industries Service Institute, Ludhiana with effect from 30-6-1980 (F.N.).

M. P. GUPTA Dy. Director (Admn.).

# DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 19th July 1980

No. A-6/247(230).—Shri M. D. Babyloni, permanent Assistant Director of Inspection (Met) (Grade III of Indian Inspection Service, Metallurgical Branch) Group 'A' and officiating Dy. Director of Inspection (Met) (Grade II of Indian Inspection Service, Metallurgical Branch) Group 'A' in the office of Director of Inspection (Met), Jamshedpur retired from service with effect from the afternoon of 31st May, 1980 on attaining the age of superannuation.

#### The 21st July 1980

No. A-17011/172/80-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri K. N. Shrivastava, Examiner of Stores (Engineering) in the office of the Dy. Director of Inspection, Kanpur to officiate on ad-hoc basis as Assistant Inspecting Officer (Engineering) in the office of the Director of Inspection, Calcutta with effect from 30-6-1980 (FN) and until further orders.

No. A-17011/172/80-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri S. K. Jain, Examiner of Stores (Engineering) in the office of the Dy. Director of Inspection, Kanpur to officiate on ad-hoc basis as Assistant Inspecting Officer (Engineering) in the office of the Director of Inspection, Calcutta with effect from 30-6-1980 (FN) and until Further orders.

No. A-17011/179/80/A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri A. K. Chakravarty, Junior Field Officer in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta to officiate on ad-hoc basis as Asstt. Inspecting Officer (Met) in the office of the Director of Inspection (Met) Jamshedpur with effect from forenoon of 23-6-1980 and until further orders.

No. A-17011/181/80-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri R. P. Sinha, Junior Field Officer in the office of the Director of Supplies & Disposals, Kanpur to officiate on ad hoc hasis as Assistant Inspecting Officer (Met-Chem) in the office of the Deputy Director of Inspection (Met) Durgapur under Burnpur Inspectorate with effect from forenoon of 28-6-1980 and until further orders.

#### The 25th July 1980

No. A-1/1(462).—The President is plased to appoint Shri S. L. Sakhuja, Assistant Director (Gr. I) (Gr. III of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate of Supplies & Disposals Bombay, to officiate on ad hoc basis as Deputy Director of Supplies (Gr. II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate at Bombay, with effect from the afternoon of 9-7-1980.

2. The ad-hoc promotion of Shri S. L. Sakhuja as Deputy Director of Supplies will not confer on him any right or claim towards seniority and regular appointment in the grade to which he is promoted on ad hoc basis.

#### The 26th July 1980

No. A-17011/166/79-A6.—The President is pleased to appoint Shri P. Madhavan, Assistant Foreman of Controllerate of Inspection (Heavy Vehicles), Avadi Madras as Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A') in the office of the Director of Inspection, Bombay with effect from afternoon of 6-6-1980 and untuil further orders.

P. D. SETHI Dy. Director (Admn.) For Director General of Supplies & Disposals.

#### DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 23rd June 1980

No. 29/10/76-S-II (Vol.-II)—The Director Genetal, All India Radio hereby appoints the following officers in a substantive capacity in the cadre of Farm Radio Officer, AIR with effect from 1-1-79:—

s.	Name, Present designation and	Station/Office where
No		lien is allotted on
		confirmation
	S/Sh.	
1.	S. B. Singh, FRO, AIR, Lucknow	AlR, Lucknow
	K. V. Subbarao, FRO, Hyderabad .	AIR, Hyderabad
3.	P. K. Dey, FRO, AIR, Caclutta	AIR, Calcutta
4.	T. P. Thandavarayan, FRO, Madras	AIR, Tiruchirapalli
5.	S. S. Panke, FRO, AIR, Nagpur .	AJR, Nagpur
6.	R. K. Vohra, FRO, AIR, Jullundur	AIR, Jullundur
7.	M. T. Jayana, FRO, AIR, Bangalore	AIR, Bangalore
8.	R. B. Deshpande, FRO, AlR, Punc .	AJR, Pune
9,	Y. Hanumantha Rao, FRO, Vija-	
	yawada	AIR, Vijayawada
	H. S. Srivastava, FRO, AIR, Rampur	· -
	A. N. Tiwari, FRO, AIR, Patna	AIR, Patna
12.	P. Saravanan, FRO, AIR, Coimbatore	AIR, Coimbatore
13	R. J. Pandya, FRO, AIR, Rajkot	·
	A. N. Sahoo, FRO, AIR, Sambalpur	· • .
	G.L. Bhagat, FRO, R. K., Jammu	Raipur
	Rati Ram, FRO, AlR, New Delhi	•
	V. S. Srivastava, FRO, AIR, Simla .	AIR, Gwalior
	H. C. Gupta, FRO, AIR, Jaipur .	AIR, Jaipur
		AIR, Parbhani
	R. D. Ram, FRO, AIR, Varanasi .	AlR, Varanasi
21,	D.G. Mishra, FRO, AIR, Cuttack .	AIR, Cuttack
22.	S. K. Bhan, FRO, R. K. Srinagar ,	R. K. Srinagar
23.	K. K. Kurian, FRO, AIR, Tri-	·
	chur	AIR, Calicut
24,	D. R. Hiromath, FRO, AIR, Dharwar	AIR, Dharwar
25.	Bhoop Singh, FRO, AIR, Ranchi .	AIR, Ranchi
	A. A. Ansari, FRO, Indore	AIR, Udaipur
	N. C. Sakia, FRO, AIR, Gauhati .	AIR, Imphal
28.	A. K. Chakravarti, FRO, AIR,	. 120 0 11 1
	Agartala	AlR, Cuddapah

1	2	3
	. B. Kuril, FRO, AIR, Parbhani .	AIR, Gulbarga
	o. P. Deb Burman, FRO, AIR, nphal	AIR, Bhagalpur
31. S	aryu Prasad, I'RO, AIR, Gwalior .	R. K. Jammu
32. N	tiss A. N. Parimala, FRO, Home omale) DGAIR, New Delhi	DGAIR, New

2. Their confirmation is subject to the condition that they will be liable to transfer at any time to serve under a public corporation and that on such transfer, they will be liable to the conditions, of service to be laid down for the employees of that corporation.

#### The 19th July 1980

No. 29/8/80-SII.—Director General, All India Radio, is hereby to appoint Shi P. B. Kureel, Farm Radio Reporter All India Radio, Rampur to officiate as Farm Radio Officer, All India Radio Rampur on ad-hoc with effect from 30th June 1980.

S. V. SESHADRI Deputy Director of Administration For Director General.

Delhi.

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 20th June 1980

No. A-12025/5/79-D.—Consequent on his appointment as Deputy Assistant Director General (Store) in the Directorate General of Health Services, Shri Randhir Mandal relinquished the charge of the post of Drugs Inspector in the office of Deputy Drugs Controller (India) Central Drugs Standard Control Organisation East Zone, Calcutta on the 12th May, 1980 (afternoon).

R. BALASUBRAMANYAN
Deputy Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services.

#### New Delhi, the 10th July 1980

No. A-35021/1/80-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri V. Sankara Navayanan to the post of Accounts Officer at Safdarjang Hospital, New Delhi with effect from afternoon of 10th June, 1980 on deputation basis and until further orders.

No. A-35021/1/80-Admn.I.—Consequent on his reversion to his parent Department, viz. Director of Audit, Central Revenues, New Delhi, Shri K. C. Sharma relinquished charge of the post of Accounts Officer, Safdarjang Hospital, New Delhi on the afternoon of 10th June. 1980.

SANGAT SINGH Deputy Director Administration (O&M)

# New elhi, the 17th July 1980

No. 17-17/74-Admn.(Part II).—Consequent on his selection to the post of Senior Research Officer in the Office of the Registrar General of India, Dr. S. R. Mehta relinquished charge of the post of Health Education Officer (Field Study Demonstration Centre), Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, New Delhi on the forenoon of the 16th June, 1980.

F. No. A-12025/23/79/NMEP/Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri H. Biswas to the post of Assistant Director (Ent.). National Malaria Eradication Programme Directorate with effect from 31st March, 1980 (F.N.) on a temporary basis and until further orders.

F. No. A-12026/5/80-NMEP/Admi.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Vimal Kumar Verma, Section Officer of the Director of Audit, Central Revenues, New Delhi, to the post of Accounts Officer at the National Maluria Eradication Programme, Delhi on deputation basis with effect from the forenoon of the 5th June, 1980 and until further orders.

S. L. KUTHIALA Deputy Director Administration (O&M).

# MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 22nd July 1980

No. A-19023/44/78-A-III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group I), in this Directorate at Hyderabad, Shri B. K. Ghosh handed over charge of the post of Marketing Officer at Faridabad in the afternoon of 2-7-1980.

No. A-19023/47/78-A-III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group 1) in this Directorate at Surat, Shri A. P. Tichkule handed over charge of the post of Marketing Officer at Bombay in the afternoon of 30-6-1980.

No. A-19025/18/80,A-III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, Shri Ram Gopal Singh, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer, (Group 1) in this Directorate at Faridabad with effect from 2-7-1980 (FN), until further orders.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONAL DIVISION)

Bombay-400 085, the 24th June 1980

No. PA/19(11)/79-R-IV.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Pramod Ramchandra Fadnavis, Assistant, Department of Atomic Energy, to officiate as an officer in the Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650-960) in the Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenon of 30 May, 1980 until further orders.

#### The 26th June 1980

No. BARC/Hosp/G/66.—The Competent Authority appoints Dr. (Smt.) Poornima Krishnamoorthy as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of June 12, 1980 to the afternoon of July 12, 1980.

# The 4th July 1980

No. PA/43(1)80-R.IV.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Paramel Eippuru Job, a permanent Assistant Security Officer to officiate as Security Officer in the Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of July 1, 1980 until further orders.

# The 8th July 1980

No. PA/79(11)/79-R-IV.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Som Nath Watal, Section Officer, from the office of the Accountant General, Jammu and Kushmir on deputation as Assistant Personnel Officer in

BARC in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880— FB—40—960/- with effect from the forenoon of March 15, 1979 unto September 14, 1980.

> A. S. DIKSHIT Dy. Establishment Officer

#### Bombay-85, the 2nd July 1980

No. 5/1/80/Estt. II/3212.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri V, K. Murthy, permanent Assistant Security Officer to officiate on an ad hoc basis as Security Officer for the period from 3-5-1980 (FN) to 5-6-1980 (AN).

#### The 5th July 1980

No. 5/1/80-Estt. II/3293—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to office at on an ad-hoc basis as Assistant Personnel Officer for the period shown against their names:—

SI.	Name & Designati	ime & Designation		tion Appointed to officiate as				Period		
No.						From	То			
1. Shri I	. B. Gawde, Assistant				. Asstt. Personnel Officer	1-4-80	30-5-80 A.N.			
2. Shri S	R. Pinge S. G. C.				Asstt, Personnel Officer	2-4-80	30-5-80 A.N.			
3. Shri V	. P. Kulkarni, Assistant				Asstt. Personnel Officer	17-4-80	23-5-80 A.N.			
4. Shri B	V. Bhagunde Assistant	-			Assti, Personnel Officer	21-4-80	7-6-80 A.N.			

#### The July 14th 1980

No. 5/1/80-Estt. 11/3431—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Personnel Officer for the period shown against their names:

SI. No.	Name & Designation		Appointed to officiate as	Period		
110.				From	То	
1. Shri P. T.	Borkar, Assistant .		. Assit. Personnel Officer	28-4-80	21-6-80 A.N.	
2. Shri U.	R. Menon Assistant		. Asstt. Personnel Officer	12-5-80	21-6-80 A.N.	
3. Shri D. S	. Ingle , Assistant		Assit. Personnel Officer	5-5-80	27-6-80 A. N.	
4. Shei <b>D</b> . I	. Mangaonkar, Assistant		Asstt. Personnel Office	28-4-80	7-6-80 A.IN.	

#### The 15th July 1980

No. P-489/Estt. II/3452.—Consequent on voluntary retirement from Government service under the provisions of Ministry of Home Affairs O.M. No. 25013/7/77-Estt(A) dated 26-8-1977, Shri Prabhakar Ramachandra Paradkar, permanent Security Officer in this Research Centre, relinquished charge of his post on the afternoon of June 30, 1980.

KUM. H. B. VIJAYAKAR, Dy. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 23rd July 1980

No. PPED/3(288)/79-Adm./10047.—Consequent on his transfer from Madras Atomic Power Project to Power Projects Engineering Division, Q.S.Group at Hyderabad, Director, Power Projects Engineering Division is pleased tor, Power Projects Engineering Division is pleased tor, Power Projects Engineering Division is pleased to appoint Shri V. Satyanarayana, a permanent Scientific Assistant 'C' and officiating Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the same capacity in this Division with effect from the forenoon of May 21, 1980 until further orders.

B. V. THATTE Administrative Officer

# (DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES) Bombay-400 001, the 5th July 1980

No. DPS/4/1(5)/77-Adm/10455.—The Director, Directorate of Purchase and Stores. Department of Atomic Energy hereby appoints Shri G. D. Rathod, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Stores Officer, in a substantive capacity against the permanent nost of Assistant Stores Officer in the same Directorate with effect from June 19, 1980.

#### The 8th July 1980

No. DPS/2/1(25)/77-Adm./10617.—On transfer from the Bhabha Atomic Research Centre, Shri Vasant Balwant Vyapari, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts Officer has been appointed in the Directorate of Purchase and Stores with effect from the forenoon of June 12, 1979 in the same capacity until further orders.

No. DPS/4/1(5)/77-Adm/10625.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Arabinda Panda, an officiating Assistant Stores Officer, in a substantive capacity against the permanent post of Assistant Stores Officer in the same Directorate with effect from January 25, 1980.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

### Bombay-400 001, the 17th July 1980

No. DPS/23/4/79-Est./11530—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Purchase Assistants to officiate as Assistant Purchase Officers on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate for the periods mentioned against each:

Sl, No.	Name		Period		
			From	To	
1. Shri S.	G. Jamshendekar		28-4-1980	21- <i>€</i> -1980	
	G. Jobanputra		29-4-1980	13-6-1980	
3. Shri K.	L. Ahluwalia		5-5-1980	16-6-1980	

C. V. GOPALAKRISHNAN Assistant Personnel Officer

#### NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 18th July 1980

No. NFC/PAR/0704/5082.—In continuation of Notification No. PAR,0704/2871 dated 30-5-1980, the Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, has extended the officiating appointment of Sri A. Chennakesava Rao, an industrial temporary Upper Division Clerk as Asst. Personnel Officer from 27-6-1980 to 3-7-1980, vice Sri K. Ramachandran, Asst. Personnel Officer, extended his leave.

P. S. R. MURTY Administrative Officer

#### REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 10th July 1980

No. A. 32023/1/77/2-8416.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri K. M. Velayudhan, a permanent Assistant Accountant of this Centre as Assistant Accounts Officer in an officiating capacity on an ad hoc basis with effect from the forenoon of July 5, 1980 until further orders.

S. PADMANABHAN Administrative Officer

# MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 19th July 1980

No. A-31013/2/78-E.I.—The President has been pleased to appoint the undermentioned two officers to the post of Deputy Director General, in a substantive capacity, in the same post, in the Civil Aviation Department with effect from the dates mentioned against each:—

- 1. Sh. G. R. Kathpalia-3-5-1977
- 2. Sh. P. K. Ramachandran-23-2-1980.

Assistant Director of Administration For Director General of Civil Aviation.

#### New Delhi, the 17th July 1980

No. A-12025/3/78-EW.—The President is pleased to appoint Shri K. Venkatkrishnan to the post of Electrical and Mechanical Officer in the Civil Aviation Department in the scale of pay Rs. 700-40-900-EB-40-1100 50-1300, in an officiating capacity with effect from the 11th June, 1980 (F.N.) and until further orders.

Shri K. Venkatkrishnan is posted to the office of the Region Director, Civil Aviation Department, Madras Region, Madras.

V.V. JOHRI Deputy Director of Administration

#### New Delhi, the 21st July 1980

No. A.32013/9/79-EC.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/4/78-EC, dated 17-1-80, and A.32013/9/79-EC, dated 13-3-80, the President is pleased to continue ad hoc appointment of the following four Assistant Communication Officers to the grade of Communication Officer on ad hoc basis for a further period of six months beyond 29-2-80 or till the regular appointments to the grade are made whichever is earlier:—

- S. No., Name and Station of posting
  - 1. Shri N. Muniandy-Aero. Comm. Station, Madras.
  - 2. Shri T.C. S. Moosad-Acro. Comm. Station, Madras.
  - 3. Shri S. L. Mehra-Acro. Comm. Station, New Delhi.
  - 4. Shri P. K. Dutta I-Aero. Comm. Station, Calcutta.

No. A.32013/13/79-EC.—In continuation of this Department Notification numbers A.32013/11/79-EC, dated 14-4-80 and number A.32013/11/79-EC, dated 3-5-80, the President is pleased to appoint the following three Technical Officers who are at present working as Senior Technical Officer on an ad hoc basis to the grade of Senior Technical Officer on regular basis with effect from 24-4-80 (FN) and until further order and to post them to the station indicated against each is a senior technical order.

- S. No., Name and Station of posting
  - 1. Shri M. Jrulappan---Aero Comm. Station, Calcutta.
  - Shri Vishwanath—Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi.
  - Shri R. Sampathkumaran--Aero. Commn. Station, Bombay.

No. A.38013/1/80-EC.—The undermentioned three officers of the Aeronautical Communication Organisation relinquished charge of their office on 30-6-80 (AN) on retirement on attaining the age of superannuation:—

- S. No., Name & Designation Station
  - Shri S. Tadkase, Asst. Tech. Officer—Aero. Comm. Stn., Bombay.
  - 2. Shri P. Hari, Asstt. Comm. Officer—Acro. Comm. Stn., Madras.
  - Shri K. C. Thomus, Asstt. Comm. Officer—Asso. Comm. Stn., Madras.

R. N. DAS, Asstt. Dir. Admn.

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

#### Kanpur, the 21st July 1980

No. 3/80. The following officers in the grade of Superintendent of Central Excise Group 'B' retired from Govt, service on attaing the age of superanuation with effect from the dates mentioned against each:—

Sl. No.	Name of officer and Post held at the time of retirement		Date of retirement
S/Shr	i		
	G. Bhatnagar, Supdt. Group 'B clse Kanpur-I division	Central	31-10-79 AN
	Sinha, Supdt., Central Excise Hdqrs. Office, Kanpur	Group	31-10-79 AN
Gı	oup 'B' Hdgrs, Office, Kanpur	Excise	30-11-79 AN
	P. Rai, Supdt., Central Excise Hdgrs, Office, Kanpur	Group	29-2-80 AN
	S. Saxena, Supdt., Central Excise Kanpur-II Division	Group	29-2-80 AN
	S. Sebi, Supdt., Central Excise Compur-II Division	roup 'B'	31-3-80 AN
	D. Mehrotra, Supdt., Central oup 'B' Kanpur-II Division	Excise	30-4-80 AN
	. Sinha, Supdt. Group 'B' Centra rrukhabad Division	Excise	31-5-80 AN
		(Sd)	ILLEGIBLE

#### Nagpur, the 26th July 1980

No. 1/80.—On attaining the age of superannuation, Shri Balraj Dewan, Administrative Officer. Central Exclse Division-II Nagpur this Collectorate, has retired from Government service in the afternoon of the 30th June, 1980.

#### K. SANKARARAMAN, Collector.

# Bangalore, the 2nd July 1980

No. 12/80.—Shri Syed Imam, Superintendent of Central Excise & Customs, Group 'B' has retired from Government service on superannuation on 30-6-1980 (after-noon).

R. N. SHUKLA IRS, Collector

COLLECTOR

#### CENTRAL RAILWAY

appointment with effect from the date shown against his name: --

Bombay, the 22nd July 1980

Name Date of confirmation in

Class II Service

No. HPB/220/G/II/L.—The undermentioned officiating Assistant Electrical Engineer (Class II) is confirmed in that

Shri M. V. Puro-22-2-1980

A. K. CHAKRAVARTI, General Manager.

### CLW/CHITTARANJAN

Chittaranjan, the 21st July 1980

No GMA/GS/8(Admn)—The following Class-II Officers who are at present officiating in Sr. Scale and holding lien in Class-III Service on this Administration, are confirmed as Asstt. personnel Officer in Class-II service in the cadre of Personnel Department of Chittaranjan Locomotive Works, with effect from the dates shown against each:

Name of Officer	Date	of confirmation	Remarks
1. Sri G. K. Kairal	From	29-5-79(FN)	Retired from 31-12-79 (AN)
2. Sri S. Lakshmanan	From	1-1-80 (FN)	Against the post released due to retire- ment of Sri Kaira.

K. RAMAN General Manager

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

# (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Kamala Agency Private Limited.

#### Shillong, the 21st July 1980

No. TS/428/560/(5)/1473.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Kamala Agency Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Assam Accumulator Private Limited.

#### Shillong, the 21st July 1980

No. 1091/560(3)/1475.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Assam Accumulator Private Limited In; this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. K. BHATTACHARJEE, Registrar of Companies Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland, Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL
Bombay-400 020, the 19th July 1980
No. F. 48-Ad(A)/80.—Shri Naranjan Dass, officiating
Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal,

Delhi Benches, New Delhi is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on ad hoc basis in a temporary capacity with effect from the forenoon of 7th July, 1980 until further orders vice Shri Sat Pal, Asstt. Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches granted leave.

The above appointment is purely temporary as a local arrangement and is without prejudice to the claims of other senior persons working in the Income-tax Appellate Tribunal.

#### The 25th July 1980

No. F. 48-Ad(AT)/80.—Shri Naranian Dass, offg. Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi who has been appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunnal, Delhi Benches, New Delhi on ad hoc basis in a temporary capacity with effect from the forenoon of 7th July, 1980 in the leave vacancy of Shri Sat Pal, Asstt. Registrar, Delhi Benches vide Notification No. F. 48-Ad(AT)/80, dated 19-7-1980 will now continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on ad hoc basis in a temporary capacity, vice Shri Sat Pal, Asstt. Registrar, Delhi Benches expired, with effect from 21-7-1980 to 16-8-1980 or till the post is filled up on regular basis by appointment of a nominee of the U.P.S.C. whichever is earlier.

2. The above appointment is ad hoc and will not bestow upon Shri Naranjan Dass, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for cligibility for promotion to next higher grade.

B. B. PALEKAR President

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, dated the 1st August, 1980

Ref. No. 1276-A/Meerut/79-80—Whereas I B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immove-able property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 8-11-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indlan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Tilek Rem Batra s/o Lala Gyen Chandra Batra and Sri Brij Mohan Batra s/o Sri Tilak Ram Batra r/o 171, Abu Lane, Meerut Cantt.

(Transferor)

(2) Smt. Rachna A Patel w/o Sri A.K.N. Patel r/o Civil Lines, Meetut City at Present Gul Cettere Lines Kui Navasari Distt: Bulsar (Gujarat) through Sri Prem Nath Real Father and Gentral attorney.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# SCHEDULE

A Half Portion of Bunglow No. 82 Survey No.324, measuring 774 Sq. Mtrs., situated at Hill Street, Meerut Cantt.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-8-1980

#### NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTIN ASSITT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COMET HOUSE, 691/1/10 Pune Satara Road, Pune-411009.
Pune-411009, the 25th July 1980

Ref. No. CA5/SR. Kalyan/Dec. '79/80-81.--Whereas, I A. C. CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herainafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 90, H. No. 2/1 admn. 919-2 sq. mt. Alli No. 55 situated at Chikanghar, Kalyan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at S.R. Kalyan on 27-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18-186GI/80

(1) Shri Sitaram Anandrao Pai, J.N. Bldg., Station Road, Mohammad-alli Chowk, Kalyan, Dist. Thane. (Transferor)

(2) The Sharda Co-op. Housing Society Ltd., Chairman: Shri Ashok Murlidhar Shanbaug, Block No. 10, Rambaug Lanc No. 5, Tehsil Kalyan, Dist. Thane.

(Transferec)

(3) 25 members of the said Co-op. Housing Society. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### **SCHEDULE**

Open land at S. No. 90, Hissa, No. 2/1, Alli No. 55 at Mouje Chikanghar, Tahsil Kalyan, within the municipal limits of Kalyan, admn. 919 2 sq. mts, at Kalyan Dist. Thana

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Kalyan under document No. 1022, dt. 27-12-79).

A. C. CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Peona.

Date: 25-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Harrindar Kaur

(Transferor)

(2) Shri 1. Gurdev Singh 2. Gurmil Singh 3. Gurdayal Singh.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION. RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 24th July 1980

REF No. 722/Acqn R-III/80-81/Ca1.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 125A situated at Motilal Nehru Rd., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 8-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Portion of 125A Motilal Nohru Rd., Calcutta with land measuring 7 cottahas 4 ch. with structures partly as per deed No. I-5987 registered by the Sub-register, Alipore on 8-11-79.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 24-7-80

(1) Smt. Harrindar Kaur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri 1. Mahindar Singh 2. Sindar Singh

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 24th July 1980

REF. No. 723/Acqn. R-III/80-81/Calcutta.—Wherees J, I,V,S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 125A situated at Matilal Nehru Rd. Calcutta-29

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in thet office of the Registering Officer at Calcutta on 8-11 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid ersons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Portion of premises No. 125A Motilal Nehru Rd., Calcutta measuring land 7 Cottahs 3 Ch. 8 sft. with structares registered by Sub-register, Alipore being No. I-5988 dt. 8-11-79.

I. V. S. JUNEJA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 24-7-80

Seal:

(1) Shri Satyendra Chandra Ghosh

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. Bhaskaran.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 25th July 1980

REF. No. AC-13/R-II/Cal/80-81—Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16/2 situated at Raja Santosh Road

(and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 15-11-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said isamevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Bldg & Land measuring 13-Ks., 5-Chs. 34-Sft. situated at promises No. 16/2, Ruja Santosh Rd., Calcutta, more particularly described in deed No. 5926 dated 15-J1-79.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 25-7-80,

Seal:

(1) Shri Satyendra Chandra Ghosh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nalini Bhaskaran.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI, CALCUTTA.
54. RAFI AHMED KIDWAI ROAD : CALCUTTA-16.

Calcutta, the 25th July 1980

REF. No. AC-14/R-II/Cal/80-81/143—Whereas, I K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16/2, situated at Raja Santosh Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 15-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bldg and Land measuring 18Ks., 5 Chs. 34-Sft, situated at premises No. 16/2, Raja Santosh Rd., Cal. more particularly described in deed No. 5925 dt. 15-11-79,

K. SINHA
Competent Authorithy
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Calcutta.

Date: 25-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 17th July 1980

REF. No. 8828-Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

8.9, Kutcherl St., situated at Chidambaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mannargudi (Dec. 1809/75) on Nevember 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 C. Sadananda Mudaliar Mela Veedi, Ulayanadu, Kattumannarkoil (PO)

(Transferor)

(2) J. P. Mohammed Hanifa Sahib S/o, J. Peer Mohammed Sahib Main St., Elleri Kattumannarkoil

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 8.9 Kutcheri St., Chidambaram (Dec. 1809/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom-Tex
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 17-7-80

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006 the 16th July, 1980

REF. No. 7773—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 703, Mount Road, situated at Madras-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc. 1601/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—
19—196GI/80

(1) Shri M. M. Subramanian, M. M. Viswanathan M. M. Paramanadam M/s. Indian Wire Products Industries 104, Nyniappa Naicken St., Madras-3

(Transferor)

(2) Madras Investments and Construction Corporation 192, Llyods Road, Madras-86.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 703, Anna salai, Madras-2, (Dec. 1601/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006-

Date: 16-7-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 17th July, 1980

REF. No. 8820-Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/- and bearing No. B 28, Alagesan Nagar situated at Chingleput (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chingleput (Doc. 2720/79) on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Yasodara Ammal
 Ladakaralai Village
 Madurantakam

(Transferor)

(2) G. KanchanaB 28, Alagesan Nagar, Chingleput

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at B 28, Alagesan Nagar Chingleput (Doc. 2720/79)

RADHA BALAKRISHNAN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 17-7-80

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Srinivasan Rep. K. Narayanaswamy 58, Mariamman Koll St., Peelamedu Coimbatore

(Transferor)

(2) Gnanaprakasam & others 105. Avarampalayam Road, Peelamedu Coimbatore

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, dated the 17th July, 1980

No. REF. 8838-Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 8/1, 8/2 Uppilipalayam

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanallur (Doc. 2057/79) on November 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the Purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at TS. 8/1, 8/2, Uppilipalayam (Doc. 2057/79)

> BALAKRISHNAN, RADHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 17-7-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, dated 17th July, 1980

REF. No. 8838—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No S. No. 8/1, 8/2, situated at Uppilipalayam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Singanallur (Doc. 566/79 on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

 Minor Vikran, Rep. by Narayanaswamy 58, Mariamman Koil St., Peelamedu, Coimbatore

(Transferor)

(2) Gnanaprakasam & others, 105, Avarampalayam Road, Peelamedu, Colmbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 8/1, 8/2, Uppilipalayam (Doc. 566/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11-7-1980

#### FORM ITNS----

(1) Rukmani Ammal, 58, Mariamman Koil St., Peelamedu, Coimbatore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Gnanaprakasam & others 105, Avarampalayam Road Peelamedu, Coimbatore.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 17th July, 1980

REF. No. 8838—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 8/1, 8/2, situated at Uppilipalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanallur (Doc. 2067/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at S. 8/1, 8/2, Uppilipalayam (Doc. 2067/79)

RADHA BALAKRISHNAN)

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-7-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 17th July, 1980

No. REF. 8838—Whereas I RADHA BAI AKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 8/1/& 8/2, Uppilipalayam

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanallur (Dec. 2066/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- K. Narayanaswamy
   Mariamman Koil St., Pcelamedu, Coimbatore
- (2) Gnanaprakasam and others 105, Avarampalayam Road, Peelamedu Coimbatore

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at S. No. 8/1 and 8/2, Uppilipalayam (Dec. 2066/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 17-7-80

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 17th July, 1980

No. REF. 8838—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. S. No. 8/1, 8/2 situated at Uppilipalayam (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanallur (Doc. 567/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Minor Baranidharan Rep. by Narayanaswamy 58, Mariamman Koil St. Peelamedu, Coimbatere (Transferor)
- (2) Gnanaprakasam & others 105, Avarampalayam Road, Peelamedu, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land S. No. 8/1, 8/2 Uppilipalayam (Dec. 567/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 17-7-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 17th July, 1980

REF. No. 10535—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. TS 596P, Peelamedu situated at

Railwaypura, Latif Dehla, Sakarbazar, S. No. 163 M.S. No. 708, situated at Railwaypura, Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Erode (Dec. 5306/79) on November 1979 for an apparent consideration which is

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) B. Banumathi, 59, Mandapam St., Erode.

Srinivasa Textiles (Transferors)

(2) Sri Srinivasa Textiles, 47A, Kumaresapuram, Tiruchengode

(Transferee)

[PART III SEC. 1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 596P, Peelamedu (Dec. 5306/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ran-II, ra

Date: 17-7 80

Scal:

(1) B. Banumathi. 59, Mandapam St., Erode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R. Aasaithambi, 47A, Mandapam St., Kumaresanagar, Tiruchengeda

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 17th July, 1980

No. REF. 10535 -- Whereas, 1 RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Peclamedu, Erode situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Dec. 5305/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RADIIA

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II, Madras-600 006

BAI AKRISHNAN

Competent Authority

Land at Peelamedu, Erode (Doc. 5305/79)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 17-7-80

Scal:

20-196GI80

FOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, MA FRAS 600 006.

Madras 600 006, the 17th July, 1980

No. REF. 10535—Whereas, I RADHA PALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS 596 situated at Peelamedu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. 5304/79)

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to retween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following per ons, namely:—

(1) B. Banumathi, 59, Mandapam St., Erode

(Transferor)

(2) Aasaithambi Textiles 47A, Kumarasapuram, Tiruchengede

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication o fthis notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Landat TS 596 Peelamedu. (Doc. 2304/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Madras 600 006

Date: 17-7-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-Π, MARAS 600 006.

Madras 600 006, the 17th July, 1980

REF. No. 10535.—Whereas, I RAHHA BALA KRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. 596P Peelamedu situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Erode (Doc. 5303/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) B. Banumathi W/o. Amirdhalal 59, Mandapam St., Erode

(Transferor)

(2) Chinnammal, W/o. Muthuswamy Karuyeppampatti, Tiruchengode Tk

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T. S. 596 P, Peelamedu (Dec. 5303/79)

(RADHA BALAKRISHNAN)

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Madras 600 006

**Date**: 17-7,80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 17th July 1980

Ref. No. 7801--Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 27, Kapaleeswar Koil situated at North Mada St., Madras-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Dec. 1998/79) on November 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposses of the Indian Income-tax Act, (1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Rentala Venkata Sundara Ruo and R.F. Subba Rao Rentala House, 27, Kapale North Mada St., Madras-4 KapaleeswararKoil

(Transferor)

( ) F.S. Kumar and B.S. Rajendran 19/1, Pillayar Koil St., Thottapalayam, Vellore N.A.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 27, Kapa lectve be Need Need St., Madras-4 (Dec. 1998/79)

> (RADHA BALAKRISHNAN) Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

> Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 17-7-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 17th July 1980

Ref. No. 7768—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at 149 Habibullah Road Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc. 1611/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 T.R. Alamelu 6, Nungambakkam High Road Madras-600 034

(Transferor)

(2) N. Muthu, Al. Alagappan, Al. Alamelu RM. Theiyana, T. Siyagami RM. Kalyani Achi, 2, Rutland Gate II St., Madras-6

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 149, Habibullah Rond Madras-17 (Dec. 1611/79)

(RADHA BALAKRISHNAN)

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 17-7-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 17th July 1980

No. Ref. 7797.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 10, Balaji Nager IInd St., situated at Madras-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1977/79) on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M.R. Alasingarachar, 10, Balaji Nagar 2nd St., Madras-14.

(Transferor)

(2) Mrs. T. Chandrika, No. 21, Shafee Mohammed Road Madras-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House and Ground No. 10, Balaji Nagai Hnd St., Reyapettah, Madras-14. (Doc. 1977/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 17-7-1980

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 17th July 1980

Ref. No. 7739.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 41, Pillayar Koil St., situated at Madras-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Triplicane (Doc. 1002/79) On November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Andal Ammal, M. Meni, Mrs. B. Loksl mi, 41, Pillayar Koil St., Madros-5.

(Transferors)

(2) Miss Nelufer, Miner Rep. by Mallikunnissa Begum 570, Meunt Road, Madras-18.

(Transferces)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 41, Pillayar Koil St., Madits-5. (Doc. 1002/79)

RADHAB ALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 17-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th July 1980

REF. No. 7733—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 210, Tamilnadu Area Defence situated at Services Co-op. House Construction Society Scheme, Nandambakkm, Madras-97

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alandur (Dec. 2182/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'sald Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Major T.K. Viswanathan Mrs. Rechel K.B. Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) N.R. K. Krishnan, 84, Pilkington Road Madras-23,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHFDULE

Land and building at 210, Tamilnadu Area Defence Services Co-op. House Construction Society Scheme, Nandambakkam, Madras-97,

(Doc. 2182/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 17-7-80

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, dated the 17th July, 1980

Ref. No. 7734—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 43, First Aveneu, situated at Shastri Nagar, Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saidapet (Dec. 2951/79) on November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any lacome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—196GI/80

M.R. Thyagarajan & Lakshmi Thyagarajan
 Yadavagiri Extension, Mysore,

(Transferor)

(2) Cader Meeran Aliar Buhari(A) C.M.A. Buhari, 43, First Avenue,Shastri Nagar, Madras-20,

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givei in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 43, First Avenue, Shastri Nagar, Madras-20.

(Doc. 2951/79)

## RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 17-7-80

(2) Ramanlal,

### FORM ITNS-

(1) Bahulalji, 19, Kasi Chetty St., Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

27, Gopalakrishna Road,
Madras-17.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated the 17th July, 1980

SIONER OF INCOME-TAX

Ref. No. 7770—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10A, Venk: tarrma fyer St., situated at Madras-17 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Dec. 1643/79) on November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property  $a_s$  aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 10A, Venkatarama Jyer St., Madras-17

(Doc. 1643/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 17-7-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated the 17th July, 1980

Ref. No. 7806—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 119, Chamiers Road, situated at Nandanan, Mcdras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1957/79) on November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely:—

C. Thippanna Rao,
 Madavan Nair Road,
 Mahalingapuram, Madras-34.

(Transferor)

(2) Smt. Lakshmi Krishnaswamy, 16, Chinniah Pillai St., Madras-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 112, Chamiers Road, Nandanam, Madras.

(Doc. 1957/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 17-7-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, dated the 17th July, 1980

Ref. No. 7769—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 9, Shafee Mahammed Road, situated at Madras-6

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nigar, (Doc. 1612/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mir Habibullah Hussain, 129, 5th Cross St., Electricity Nagar, Vellore.

(Transferor)

(2) A. K. Shanmughasundaram,23, North Boag Road, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and Ground No. 9, Shafee Mohammed Road, Madras-6.

(Doc. 1612/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date 17-7-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, Madras-600 006 Madras-600 006, the 17th July, 1980

Ref. No. 8823—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

268, Kandamangalam, situated at Villupuram Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Kandamangalam (Doc. 1171/79) on November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perons, namely:—

 S. Lakshminarayana Reddiar, Selvambal Vidyavathy Kousalya, Sakunthala Chinnababusamudram, Kandamangalam 605 102

(Transferor)

(2) New Horizon Sugar Mills (P) Ltd, Sacrur (Ariyur ) Villianur Commune, Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Kandamangalam Villupuram Tk. of extent 14.24 Acres.
(Doc. 1171/79)

#### RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 17-7-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, Madras-600,006 Madras-600006, the 17th July 1980

Ref. No. 8836—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Pannadam 3.78 Acres situated at Maligai Kottam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Pennadam (Doc. 2014/79 on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian, Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Syed Rahim Sarapu
 S/o. Syed Nabi Saragam
 Pennadam,

(Transferor)

(2) K. N. Kuppuswamy S/o. Nathamuni Naidu Pennadam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Pennadam, Maligai Kottam Village 3.78 Acres (Doc. 2014/79).

RADHA BALAKRISHNA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600,006.

Date: 17-7-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Narayana Iyer S/o. Ramayar
 Lamayar S. S. Rawari Nagar, Mayuram.

(Transferor)

(2) Rajagopal NaiduS/o, Pethu Naidu,C. 13, Cauvery Nagar, Mayuram.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, Madras-600006 Madras-600006, the 16th July 1980

Ref. No. 8809 —Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C 13 & Cl3A. Situated at

Kaveri Nagar Colony, Mayuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Mayuram (Doc. 999/79) on November 1979

transfer with the object of-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at C 13 and C 13A, Cauveri Nagar Colony, Mayuram (Doc. 999/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006.

Date: 16-7-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, Madras-600006, Madras-600006, the 17th July 1980

Ref. No. 10534...Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

TS 612, 613/2 Situated at Erode

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Erode (Doc. 5185/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Deenadayalan
  Padmanabhan
  Parthasarathy
  Kadirvel,
  Marappalayam Road, Karungalpalayam Erode.
  (Transferor)
- (2) B. Ramaprasad, K. Guruswamy, Shanmugham, Kuppuswamy, Vasantha Rafia Begum, K. Ramaswamy, K. Abdul Muthalif, Mohammed Yakoob, 41, B. R. K. Road, Erode.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 612, 613/2, Erode (Doc. 5185/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006.

Date: 17-7-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1981)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II Madras-600006

Madras -600006, the 17th July 1980

Ref. No. 10534—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 244, TS. No. 616/2, 617/2, situated at Erode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Erode (Doc. 5199/79) on Nombember 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

**2—19€G**1/80

 D. Lakshminarayanan Parthasarathy
 S/O K. V. Dorairaj Pillai Marappalam Road, Karungalpalayam Erode.

(Transferor)

(2) B. Ramprasad K. Guruswamy, Shanmugham, Kuppuswamy, P. Vasantha Rafia Begum, K. Ramaswamy, Mohammed Yakoob 41, B. R. K. Road, Erode.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesuid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 617/2 and 616/2, Erode. (Doc. 5199/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
MADRAS-600006

Date: 17-7-80

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 17th July 1980

Ref. No. 8842—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 24, Shanmugham Road, situated at Tambaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tambaram (Doc. 4727/79 November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) J. Motilal, Sowcar 22, Shanmagham Road, Madras, 45.

(Transferor)

(2) P. S. Nambiyar, S/o, Sankara Group 24, Shanmugham Road, Madras-45.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 24 Shanmugham Road, Tambaram Madras.

(Doc, 4727/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006,

Date - 17-7-780 Seal:

(1) L. Subramanian, 63, Chekkalai Road, Karaikudi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Kala Veerappan 63, College Road, Karaikudi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 17th July 1980

Ref. No. 7885—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 63, College Road, situated at Karaikudi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karaikudi (Doc. 2566/79 on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; aud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 63, College Road, Karaikudi. (Doc. 2566/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-60000

Date 17-7-1980 Seal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 13th March 1980

Ref. No. 269/79-80/Acq.—Whereas, I, H. TIMMAIAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Matriz

No. 99, Survey No. 104 to 107 situated.

at Junction of Dr. Borkar Road & Dr. Shirgokar Road Panajj (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ilhas-Panaji under Document No. 502 on 22-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Zoiwantibai Anglo alias Jaivantibai Angle or Zoivontibai Poi Anglo alias Gangabai Zoixi, residing at Panaii.

(Transferor)

- (2) 1. Yeshwant Shiva Angle, Residing at Bombay.
  - 2. Venkatesh Shiva Angle,
  - 3. Prabhaker Shiva Angle,
  - 4. Balakrishna Shiva Angle,
  - 5. Kishor Shiva Angle &

 Audhoot Shiva Angle,
 all residing at Near Mahalaxmi Temple Panaji-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document, No. 502 dated 22-11-1972]

Open land measuring 631 sq.m. with residential building bearing matriz No. 991 situated at Junction of Dr. Borkar Road & Borakar Road & Shirgokar Road, Panaji-Goa. It is surveyed under Survey No. 104 to 107.

H. TIMMAIAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-3-1980

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the, 16th May 1980

Notice No. 275/80-81—Whereas, I, H. TIMMAIAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. CTS, No. 467

situated at Ward No. II, Bellary galli, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hubli under document number 1564 on 15-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration threfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Imdian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Gurulingappa Bhimappa Ullikasi.
- 2. Shri Bhimappa Gurulingappa Ullikasl.
- 3. Smt. Gurushantavva Manjappa Ullikasi. Desai Galli, Hubli.

(Transferors)

- 1. Shri Parashuram Hanamantasa Baddi.
- Shri Raghunathasa Hanamantasa Baddi, Joladavar Oni, Hubli.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered document No. 1564 dated 15-11-1979]

Land and building in C.T.S. No. 467 situated at Ward No. II, Bellary galli, Hubli.

H. TIMMAlAH,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-5-1980.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE Bangalore-560001, the 3 July 1980

C.R. No. 62-26304/79-80/ACQ/B—Wherea, I, N. VEERARAGHAVAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No. 86/4E (graden)

aituated at Dada sidicas Vill

situated at Badanidiyur Village,

Udupi (Tq) South Kanara (Dt)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Udupi. Document No. 1117/79-80 on 26-2-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. Tukeram Rao, S/O Sri B. Kedarji Rao, Residing in Baldanidiyur Village Udupi (Tq) South Kanara (Dt)

(Transferors)

(2) M/s Rajamahal Hotels Private Ltd. Syndicate house, MANIPAL. South Represented by it's director Sri T. Ramesh U. Pai.

Kanara (dt)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days fro mthe date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Registered Document No. 1117/79-80 dt. 26-2-80 All that property (vocant land) bearing No. 86/4 F Siterted in Badanidiyur Village of Udupi (Tq) South Kanata (Dt).

N. VEERARAGHAVAN

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge. Rungalcte

Date: 3-7-1980

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANDGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 3 July 1980

C. R. No. 62/25983/79-80/Acg/B.—Whereas I, Sri N. VIRARAGHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Portion No. 7, (Old No. 23) situated at Kanakapura Reco. Basayangudi, Pangalere-4

Plot situated at Lashkav

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Basavangudi, Bangalore, in Document No. 2737, on 14-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195/ (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore ald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely :--

1. Shri. K. S. Anandarama Setty, No. 309, Sharadananda Bhayan Rd. Visveswarapuram, B' lore.

(Transferor)

- (1) M/s. K. S. Aswathanarayana Setty
- (2) N. A. Nagendra,(3) N. A. Dwarakneth
- (4) N.A. Natarij,

(5) N. A. Pradeepkumar No. 69/A, Middle School Rd. V. V. Putam, Bangalere-4

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2737/79-80 Drited 14-12-1579 House property bearing No.
Portion No. 7, Old No. 23, Kanakapura Road, Basaya 14 uci

Bangalore-4.

The property is bounded by

North Portion of the same property

South Private property East Conservancey Lane West Kanakapura Rd.

> N. VIRARAGHAVAN, Competent Authority, Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore

Dated 3-7-1980

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 10th July 1980

No. C. R. No. 62/25489/79-80/ACQ/B— Whereas I, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said  $\Lambda$ ct'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 398-2 B and 397-3, and 398 4A

and T. S. No. 187-4A, 187-2B/, 188-3.

situated at Court Ward, Casaba Bezeer Villege,

Mangalore City

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mangalore Doc No. 621/79-70 on 17-11-79

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income prising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1. Mrs. Harmie Gonsalves, widow of late Fredrick Genselves, (2) Glenn Everest Gonsalves (3) Mariola Jane Gonsalves (4) Louella Carmilita Gonsalves No. 2-4, are minors, and children of No. 1 of Karnad Sadashiya Rao Road, Kodialb ail Village, Mangalore Town.

(Transferor)

2. Shri B. M. Ramakrishna, S/o Sri Madhavraya Hathwar, Hotel Owner, residing at Door No. 1165, Il Cross, Ashoknagar, Mandya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 621/79-80 Dated 17-11-75] Non agricultural property in:—

R.S. No.	T.S.No.	Extent
		AC
1. 398-A	187-4A	0-79-1/2
2. 398-2B	187-2B1	0-07-1/2
3. 397-3	188-3	0-01

with residential promises bearing Municipal Deer No. 14-6-934 and 14-6-935 to 937 situated at Court Ward, Casalt Buzaar Village, Mangalore Town.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Reuge, Bangalore

Dated: 10-7-1980

(1) Shri Dilip. L. Bhatavia. Bangalore.

No. 77, S. P. Road,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 10 July 1980

No. C. R. No. 62/25649/79-80/ACQ/B-Whereas, R. THOTHATHRI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing No. 6/1

Situated at 4th Cross, Lalbagh Road, Bangalore-27.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudri Bangalore DCC, No. 2333/79-80 on 12-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

23-196GI/80

(2) Shri C. Shrivalingappa. No. 25/1, Siddanna Lane, Cubbonpet, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Documet No. 2333/79-80 dt, 12-11-79 Vacant site bearing No. 6/1, Situated in 4h Cross, Lalbagh Road, Bangalore-27.

Bounded on North South.

By Private property.

East

West

Site No. 6. Owned by R.L. Bhatvia. Land left for road leading to IV

Cross.

Cross Drain.

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Bangalee

Date 10-7-1980.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 10th July 1980

No. 62/25627/79-80-ACQ/B—Whereas, I, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 179.

situated at Rashtreeya Vidyalaya Road, Vishweshwarapuram, BANGALORE-4.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi Banglore-4, Document No. 2163/79-80 on 2-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269C of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

 Shri R. Krishna Murthy (2) R. K. Bharath, 538, "Anantha Nilaya" 32nd cross, IV Blick Jayanagar BANGALORE-11.

(Transferor)

(2) Shri M. S. Krishnaiah Setty, 388, Rama Iyengar Road, Vishweswarapuram, BANGALORE-4.

(Transferee)

(3) Shri S. N. Paarthesarthy. no. 179, R. V. Road, V. V. Puram, BANGLAOREK-4
(Person(s) in coccupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2163/79-80. dt. 2-11-79

House Premises bearing No. 179, situated in Rastreeya Vidyalaya Road, Vishweshwarapuram, BANGALORE-4.

Bounded on North SOUTH East West

Private Property Private Property Private Property R. V. Road.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Banglore

Dated 10-7-1970

(1) Shri Rajendra L. Batavia S/o L. N. Batavia, No. 77, Sardarpatrappa Road, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri G. Lokanatha S/o N. P. Gopalappa, No. 84/1. Third Cross, III Main Sampangiramnagar, Bangalore-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGLORE

Bangale-560001, the 10th July 1980

Ref. No. 62/25648/79-80/ACQ/B,-Whearas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing No. 6

situated at Nala Cross, Lalbagh Road, 4th cross, Bangalore-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore, Doc. No. 2332/79-80 on 12-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2332/79-80 dated 12-11-1979]

Vacant site bearing No. 6, Nala Cross, Lalbagh Road, 4th Cross, Division No. 38, Bangalore-27.

Bounded on: North; bysite No. 6/1,

South: by private property
East: by Land leading to IVth Cross
West: by Cross Drain.

R. THOTHATHRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BENGALORE

Banglaore-560001, the 22nd July 1980

Ref. No. 62/25978/79-80/ACQ/B.-Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule

situated at Gandhibazaar Rd. Basayangudi, Bangalore-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Basa yangudi,

B'lore, Doc. No. 2649/79-80 on 10-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

1. Smt. Rajabai, K. Wade, W/o Dr. Karmchand Wade, No. 15, Bachammal Rd., Cox Town, Bangalore-5.

 (1) Smt. Laxmi Devi W/o Shri C.M.M. Sharma, (2) Smt. Swarnalatha, W/o Sri. M. Vasudev, Both residing at No. 13/13, Pampamahakavi Rd., Shankarapuram, Bangalore-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document. No. 2649/79-80 dated 10-12-79] House property bearing No. 86, (old No. 86/2) situated at Gandhibazar Rd., Basavangudi, Bangalore-4.

Bounded on; North by Conservancy lane, South by Gandhibazar Rd., East by Sri. K. S. Kappurao's house, West by Sri Vasudeva Murthy's house.

> R. THOTHATHRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-7-1980

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 23rd July 1980

No. 62/25567/79-80/ACQ/B—Whereas I, R. THOTHATHRI, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangelore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old No. 69, and New No. 159 situated at Kumbarpet main road Bangalore city

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

et Gandhinegar, Document No. 2854 en 29-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Askok kumar alias Ashok, No. C-25, Venkoba Rao lane Nagarthpet, Bangalore 2. (Transferor)
- (2) Shri (1) J. N. Gangaram Rao. (2) J. N.Krupashankar Rao. (3) J. N. Manjunath Rao. (4) J. N. Nanjunda Rao. No. 7, Punganur Ramanna lane, II cross S. P. Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2854 dated 29-11-79)

House property bearing Old No. 69 and New No. 159

Kumbarpet Main road Bangalore, City

Boundaries: On North: Kumbarpet main road On South: Shantha Mirsas Buildings

On East: Hanumakka's Buildings On West: Murthy's Building

#### R. THOTHATHRI

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Dated: 23-7-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 22nd July 1980

No. 62/25674/79-80/Acq./B.—Whereas I, R. THOTHATHRI Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

bearing No. 59/01, (out-house) situated at West Anjaneya temple Road, Basavanagudi, Bangalore-4 and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Basavanagudi, Bangalore, D.O.C. No. 2539/79-80 on 30-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Shri B. V. Narayana Rao, S/o Rao Bahadur B Venkateshachar, No. 59, West Anjaneya Temple Road Basavanagudi, Bangalore-560004. S/o Rao Bahadur B.

(Transferor)

(2) Shrimati R. Banumathi, W/o Sri A. Ramamurthy, No. 70, II Crossa Gavirpuram Extension, Banglore 560019.

(Transferee)

(3) Shri (1) B. N. Rangaswamy (2) Anantha Narayana Vadyar. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2539/79-80 dated 30-11-79] House Property bearing No. 59/01, (out-house) situated West Anjaueya Temple Road, Basavanagudi, Bangalore-4. West Anjaneya North by Premises No. 78/3 South by Premises No. 78/1 East by Premises No. 59 of B. V. Bounded on

Narayana Rao

West by Premises No. 78

R. THOTHATHRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Banglore

Date: 22-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE BANGLORE

Banglore-560001, the 23rd July 1980

No. 62/25511/79-80/Acq/B—Whereas, I, R. THOTHATHRI Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Situated at: Boloor village, Magalore city Municipality area, Manglore..

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Manglore Document No. 680 on 15-11-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedigns for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (1) Shri M. Rama Kamath S/o. M. Nagappa Kamath, represented by his agent K. Balakrishan Shenoy S/o. Dayananda Rao Ansari Road, Bunder, Mangalore.

  (Transferor)
- (2) (1) N. S.C. Bhandary S/o K. Annappa.
   (2) Saroja S. Bhandary W/o No. 1.
   both residing at Boloor village Mangalore-3.
   (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 680/79-80 dated 15-11-79)
Property bearing R. S. No. 57-3A and 57-11A.
Situated in Boloor village, Mangalore City. Municipality,
Mangalore (S.K.)

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Banglore.

Date: 23-7-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGLORE

Banglore-560001, the 25th July 1980

No. 62/25539/79-80/ACQ/B—Whereas, I, R. THOTHATHRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. 566/2, A/517/2, 654 Shop No. 4,

situated at Big Bazaar Street, Chamarajnagar, Mysore Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chamarajnagar, Doc. No. 796/79-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri. B. S. Ananthanarayana S/o. Jois Subramanaiah, No. 6-85, II Cross, Chamal Street, Chamarajnagar Mysore District.

(Transferor

(2) Shri H. M. Srikantaswamy, S/o Late Sri H. P. Mallana, A-446, Jalu Street, Chamarajnagar, Mysore District.

(Transferee)

(3) Sir. Soorram Deepak Textiles, Bazaar St. Chamarajnagar, Mysore District. (Person (s) in occuption of the propety)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 796/69-80 dated 28-11-79)

House property No. 566/2, A. 517/2, No. 654, Shop No. 4, Big Bazaar Street, Chamarajnagar,

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Banglore

Date.: 25-7-1980

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

#### BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th July 1980

No. 62/25540/79-80/ACQ/B—Whereas I, R. THOTHATHRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Municipal No. 566/2, A-517/2, Shop No. 654, Situated at Big Bazaar Street, Chamarajnagar, Mysore District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chamarajnagar (East Dcc. No. 797/79-80) on 28-11-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating at the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Aut, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24---196GI/80

- Shri B. S. Ananthanarayana Roa, D. No. 6-85, II Cross, Chamal Street, Chamarajnagar, Mysore District.
  - (Transferors)
- (w) shri C. V. Channavaeerainaj, S/o. C. Veerabhadraish, Veerabhadraish, Door Nol 8-104, I D. No. 6-85, II Cross, Chamal Street, Chamarajangar, Mysire District.
  - Transferor(s)
- (2) Shri C. V. Channaveeraiah, S/o. C. Veerabharadraih, Door No. 8-104, I Devaga Street, Chamarajnagar, Mysore District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 797/79-80, dated 28-11-70) Shop premises bearing No. 654, Municipal Khata No. 566/2 and A. 517/2 Situated at Big Bazaar Street, Chamarajnagar, Mysore District.

R. THOTHATHRI

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquision Range, Bangalore

Date 26-7-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HYEDERABAD

Hyedcrabad, the 7th July 1980

Ref No. RAC. No. 185/80-81--Whereas, I, S. GOVIND-ARAJAN,

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

6-1-69/5/A situated at Saifabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on November-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Mirza Mohammed Jaffar, H. No. 6-1-69/5/A Saifabad, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Mrs. Arifunnissa W/o Mirza Saleem Baig, H. No. 5-9-8/3 Saifabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House M. No. 6-1-69/5/A situated at Safabad, Hyderabad registered vide Documenet No. 3027/79 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
missioner of Income-tex

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date 7-7-1980;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYEDERABAD

Hyedrabad, the 7th July 1980

Ref No. RAC. No. 186/80-81—Whereas, I, GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Land measuring

Plot No. 2 in situated at 10-3-314 Masab-Tank

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on November-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Fatima Begum, W/o Col. S. Almedullah H. No. 16-10-29, Old Malakpet, Hyderabad.
  - (Transferor)
- (2) Sri B. Sitarama Rao, R/o Suraram Village, Ramannapet, Tq. Nalgonda-Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot bearing No. 2. admeasring 511-Sq. Yds, part of M. No. 10-3-314 at Massab Tank. Hyderabad, registered vide Document No. 6662/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 7-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 8th July 1980

Ref. No. RAC. No. 187/80-81---Whereas, I, S. GOVINDARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land S No. 116, 117 situated at Gaganpad-Vigg, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of the Hyderabad-West. on Nov. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the coacealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Patangi Babaiah, S/o Sri Hanumaiah, H. No-1-24 at Gaganmahal-Villg. Hyderabad West. Rangareddy-Dist.

(Transferor)

(2) Shri Gadiraju Narayana Raju S/o Satyanarayana Raju H. No. 1-10-at Gollalakoderu-vellg Beemavaram-Tq. West-Godawari-Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Dry land in survey No. 116 and 117, total arer 7.10 Acrs, situated at Gaganpad-Village, Hyderabad-West, registered vide Document 2650/79 in the office of the Sub-Registerar Hyderabad-West.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-7-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th July 1980

Ref No. A.F. No. 1045.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

R.S. No. 78/1 situated at Navuduru Bhimavaram Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Yesweswarapuram on 31-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (i) Sri D. Vijaya Venkata Ramaraju, Nelapogulu, Bhimavaram Tq. West Godavarl Dt. A.P.
  - (ii) Sri Dandu Sanjeeva Raju, Nelapogulu, Bhimavaram Taluk, West Godavari Dt. Andhra Pradesh.
  - (iii) Sri Dandu Koti Anandaraju, Nelapogulu, Bhimavaram Taluk, West Godavari Dt. Andhra Pradesh.
  - (iv) Smt. Dandu Vijayalaxmi Nelapogulu, Bhimavaram Taluk, W. G. Dt. Andhra Pradesh. (Transferors)
- Sri Penumatsa Venkata Mallikharjuna Srinivasa Varma, Adopted son of Mr. P. Sriramachandraraju Gowthamnagar, Kothagadem Tq. Khammam Dt. A.P.
  - (ii) Sri Bhunatiraju Ramaraju, S/o Sri Venkataraju Penumantra, Tanuku Tq. W. G. Dt (A.P.).
  - (iii) Smt. Bhapatiraju Padmakumari, W/o Ramaraju Penumantra, Tanuku Tq. W.G. Dt. A.P. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understance:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The Schedule of the property as per the registered documents Nos. 68/1980, 69/1980 & 70/1980 dated November, 1979 before the S.R.O. Yesweswarapura m.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITITION RANGE HYDBRABAD

Hyderabad the

1980

Ref No. RAC. No. 190/80-81—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7-2-1087/10-4 situated

at Sanathnagar Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at st Khairtabad on Nov-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Anguri Devi W/o Sri M. R. Gupta, H. No. 7-2-1087/10-4/2 Sanathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. V. Sarojini W/o V. Narsingarao, H. No. 7-1-611/1 at Amoorpet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Building of ground floor and Ist floor bearing M. No. 7-2-1087/10/4 and No. 7-2-1087/10-4-1 at Sanathnagar, Hyderabad. registered vide Document No. 2946/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE THAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR

Nagpur, the 15th May, 1980

No. IAC/ACQ/141/80-81—Whereas, I, S. K. BILIAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 6, in the layout of Scientific Cc-cr. Housing Society Nagpur, situated at Nagpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 19th November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Madhukar Vithalrao Kawade, Circle No. 8/13, Tin Nal Chowk, Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt Wasundhra A. Bal, Mrs, Mangla Mancher Dabir, Shri Mohan Krishhnaji Pansare, Mrs. Sanyukta V. Ralegaonkar, Mrs. Sandhya Martand Burange, Mrs. Vaishali A. Upadeo, Mrs. Indu Kurekar, Shri Prashnat S. Tanksale, Mrs. Anita. Kapre, Shri Sudhir K. Udgaonkar, Shri Satish D Mujumdar Shri Govind M. Khandait, All resident Nagpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 6, Block No. 5, Circle No. 20, in the layout of Scientific Cooperative Housing Society, Nagpur. (Are 743.216 Som.)

S. K. BÎLLAIYA
Comptent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Dated: 15-5-1980.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME. TAX.

ACQUISITION RANGE, THAKKAR'S BUNGLOW CIRIPETH, NAGPUR

Nagpur, the 15th May 1980

No. IAC/ACQ/141/80-81-Whereas, I, S. K. BILLAIYA being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Field No. 300-304/3. Area 2.75 Acres in two parts (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hinganghat on 16, 26, Nov. 70 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hemraj Narayan Raghtate,

Smt. Kausalayabai Hemraj Raghtate,

Shri Damodhar Hemraj Raghtate,

Shri Vijay Hemraj Raghtate,

Shri Balwant Hemraj Raghtate,

Shri Prakash Hemraj Raghtate,

Shri Suresh Hemraj Raghtate,

Shri Ramesh Hemraj Raghtate,

Shri B. N. Raghtate,

Smt. Anjanabai B. Raghtate,

Allresident of Hinganghat.

(Transferors)

(2) Shri Balwant Tulsiram Dhomane, Shri Vinayak Pandurang Chandrayan, Shri Suresh Pandurang Marjive, Kewalram Kawaduji Sawarkar, Shri Madhukar Asaramji Borkar, Namdeo Baggaji Turkar, all resident of Nagpur.

(Transferees.)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land 2.75 Acres in two parts out of field No. 300-304/3, Mouja Hinganghat, Mouja No. 407, Tah. Hingangahat, Dist. Wardha.

S. K. BILLAIYA

Competent Authority
Acquisition Range, Nagpur
Acquisition Ranu, Nagpur

Dated: 15-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, THAKKAR'S BUNGLOW: GIRIPETH, NAGPUR

Nagpur, the 20th May 1980

No. IAC/ACQ/142/80-81—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Khasra No. 11, P.C. No. 39, Mouja Chikhal, Situated at Chikhali,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred unde rthe Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur

on November 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
25—196 GI/80

(1) Smt. Anusayabai Shrawanji Sarcde, Cir. No. 3, Siraspeth, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Sant Dyneshwar Gruh Nirman Sahakeri Saustha Ltd., Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Kh. No. 11, P.C. No. 39, Area 2.40 Acres, Mouja Chikhli.

S. K. BILLAIYA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, NAGPUR

Dated: 20-5-1980

(1) Smt. Rajubai Dhamaj Ebalghat, Chandrarur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sm. Vim! (bii Bilkisanji Kakani, Amrayati.
(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, THAKKAR'S BUNGLOW,

GIRIPETH, NAGPUR

Nagpur, the 29th May 1980

No. IAC/ACQ/143/80-81—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Plot No. 38/2,

situated at Bhanapeth, Chandrapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandrapur on 27-11-79

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Piot No. 38/2, S'est No. 10, Block No. 51, at Bhanapeth, Chandrapur,

S. K. BILLAIYA

Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Naggun

Dated: 29-5-80

(1) Shri Kishore Raman Bhargava SB-27 Tenk Read, Bapu Nagar, Jaipura

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nand Kishore Saial, s/o Shri Reingeral Seref, B-66, Siwar Area, Bapu Nagar, Jairur.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Tranferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

# Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Jaipur, the 11th June 1980

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No. Rej/IAC (Acq.)/727—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

No. Plot No. SB-56 situated

at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Jaipur on 10-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

### THE SCHEDULE

Property situated at plot No. SB-56 Bapu Negat, Jaipur and more fully described in the safe deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 10 dated 10-1-1980.

M. L. CHAUHAN

Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-thx Acquisition Range, Jaftar

ate: 11-6-1980

DScal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Madanlal s/o Shri Mukan Chand c/c Nelau Park, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Mazid s/o Shri Fakir Mohd. & Mchiunisa, w/o Abdul Mazid Musalman Mahawato ki Maszid Jodhpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1980

Ref. No. Rej./IAC (Acq.)/732—Whereas I, M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Hsuse property situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jadhpur on 8-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
  (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of house property known as Inder Vilas, Mahila Bagh, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1843 Dated 8-11-79

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jiapur

Date: 11-6-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1980

Ref No. Rej/IAC (Acq.)/733—Whereas, I M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 8-11-79

for an apparent consideration which

Is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesasd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Madanlal s/o Shri Mukan Chand c/o Nchru Park, Jodhpur

Transferor)

(2) Shri Shamshuddin s/o Azimkhaji Musalman Bauba Mohalla, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesoid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house property known as Inder Vilas, Mahila Bagh, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide registration No. 1833 dated 8-11-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Dated: 11-6-80

______

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

#### ACQUISTION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1980

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)-734-- Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property

situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 8-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Madanlal s/o Shri Mukan Chand c/o Nehru Park, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Zalil & Abdul Mazid s/o Abdul Latif Musalman Girdikot, Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Part of house property known as Inder Vilas, Mahila Bugh, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1831 dated 8-11-79.

M. J., CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Datd : 11-6-80

# FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1980

Ref No. Rej/IAC (Acq.)/735 -- Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sold Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Jodhpur on 8-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Madantal s/o Shri Mukan Chand c/o Nehru Park, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Gaffar & Abdul Sattar, s/o Lal Mohdji Mahawato ki Maszid, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house property known as Inder Vilas, Mahila Bagh, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 1830 dated 8-11-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

D: te: 11-6-80

 Shri Madantal s/o Shri Mukan Chand c/o Nehru Park, Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Assi Bai w/o Murad Khan Masalman & Saffi Mohd. Abdul Ruziq, Komrudding Mandir, Jodhpur. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1980

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/731—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House property

situated at lodhpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 8-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house property known as Inder Vilas, Mahila Bagh Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1832 dated 8-11-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 11-6-80 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Mahavir Prashad, Gautam Chand, Rajendra Kumar S/o Bhanwarlal C/o M/s Gulram Bhanwarlal, Kishangarh.

(Transferor)

(2) M/s Mittal Industries C/o Naresh Textiles, Katla, Kishangarh.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1980

Ref No. Rej/IAC (Acq.)/755—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. Land.

situated at Kishangarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kishangarh on 8-11-79

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

26-196 GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. Land measuring 16 bigha 16 biswa situated at Knoda Ganesh Road, s/o Octroi Post, Kishangarh & more fully described in the sale deed registered by S. R. Kishangarh vide No. 1045 dated 8-11-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1980

Ref No. Rej/IAC/(Acq.)/749—Whereas, I, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 8/533

situated at Beawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 2-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jeevraj S/o Tejmal Jain Sankhla, R/o Sankhla Gali, Beawar.

(Transferor)

(2) M/s Ganpati Colonisers, Beawar through its Partners;
 (1) Shri Sureshchand, S/o Bhajanlal Saraf, (2) Shri Kanmal, S/o Shri Gulabchand Modi, (3) Smt. Saraswati. w/o Dhagchand, Beawar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the gald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Property bearing Municipal No. 8/533 on Tatgarh Road, Near S. D. Govt. College, Beawar.

M. 1. CIIAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-7-80

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1980

Ref No. Rej/IAC (Acq.)/750—Whereas, I, M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 631

situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 16-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jay Kumar Motiyani, S/o Paremalji Motiyani, R/o Sardarpura Residency Road, Jodhpur.

  (Transferor)
- (2) Shri Chiman Jagwani, son of Shri Daulat Ramji Jagwani, R/o Sardarpura, C-Road, Jodhpur.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property on Plot No. 631, Residency Road, Jodhpur and more fully described in the sale deeds registered by the S.R. Jodhpur.

M. L. CHAUNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-7-80

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1980

Ref. No. Rej/AIC (Acq.)/751—Whereas, J, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 631

situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 16-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jay Kumar Motiyani S/o Parumalji Motiyani, R/o Sardarpura Residency Road, Jodhpur.

  (Transferor)
- (2) Shri Chiman Jagwani, son of Shri Daulat Ramji Jagwani, R/o Sardarpura, C-Road, Jodhpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property on Plot No. 631, Residency Road, Jodhpur and more fully described in the sale deeds registered by the S. R. Jodhpur.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1980

Ref No. Rej/IAC (Acq.)/752—Whereas, 1, M. L. CHAUHAN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 631 situated at

Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 16-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jay Kumar Motlyani, S/o Parumalji Motiyani, R/o Sardarpura Residency Road, Jodhpur.

  (Transferor)
- (2) Shri Ishwar Jagwani son of Shri Daulat Ramji Jagwani, R/o Sardarpura, C-Road, Jodhpur.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property on Plot No. 631, Residency Road, Jodhpur and more fully described in the sale deeds registered by the S.R. Jodhpur.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

# ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 16th July 1980

No. Rej/IAC (Acq./753—Whereas, I M ... L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 631 Sitnated

at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 16-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sunderdas, S/o Sh. Desrajumal Sindhi Motiyani, R/o Sardarpura Residency Road, Jodhpur.

  (Transferor)
- (2) Shri Deodas Jagwani son of Shri Daulat Ramji Jagwani R/o Sardarpura, C.-Road, Jodhpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underlighed—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property on Plot No. 631, Residency Road, Jodhpur and more fully described in the sale deeds registered by the S.R. Jodhpur

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1980

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/754—Whereas, I, M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 631 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jodhpur on 16-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid succeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sunderdas, S/o Shri Desrajmal Sindhi Motlyan, R/o Sardarpura Residency Road, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Deepak Jagwani, son of Shri Daulatramji Jagwani, R/o Sardarpura, C-Road, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property on Plot No. 631, Residency Road, Jodhpur described in the sale deeds registered by the S.R., Jodhpur.

M.L. CHAUHAN
Competent Autority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rage, Jaipur.

Date: 16-7-1980,

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th July 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/756—Whereas, I, M.L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Plot No. E-53 situated at Jaipur,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 6-11-979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 \$27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shrimati Sarla Devi, W/o Govind Narain self guardian of Meena, Beena, Nisha and Picuse, daughters and son of Govind Narain, B-69, Subhash Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Krishna Devi, W/o Mohanlal and SVS. Shankarlal, Ram Baboo, and Nand Kishore, sons of Shri Mohanlal, E-53, Shastri Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property for residential use located at Plot No. E-53, Shastri Nagar, Jaipur and more fully described in the 8: le deed resistered by S.R., Jaipur vide No. 2854 dated 6-11-1979.

M.L. CHAUHA N

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-7-1980.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 7th July 1980

Ref. No. 1II-415/Acq/80-81—Whereas, I,J. NATH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Ward No. 8, old, 18 New, Holding No. 299, Thana No. 406 etc situated at Mohalla Saraiyagani, Muzaffarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 26-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27—196GI/80

 Shrimati Dhaneshwari Devi, W/o Shri Gyan Mohan Das At karaiyagani, khankerbagha Dt. Muzaffarpur

(Transferor)

(2) Smt. Jagataran Coudhary, W/o Shri Arjun Prasad Choudhury, At Mohammadpur Kazi, Pankha Toll, Dt Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 11 Dhurs with building situated at Mohalla Saraiyagani, Dt. Muzaffarpur more fully described in deed No. 15697 dated 26-11-79 registered with the District Sub-Registrar, Muzaffarpur.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Date: 7-7-1980

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 7th July 1980

Ref. No. 111-416/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. -8 old, 8 New, Holding No. 299, Thana No. 406 etc. situated at Mohalla karaiyaganj, Dt. Muzaffarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 27-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shrimati Dhaneshwari Devi, W/o Shrl Gyan Mohan Das Saraiyaganj, Shankerbagh, Muzaffarpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Jagataran ChouJhury, W/o Shri Arjun Pd. Choudhury, At Kazi Mohammadpur, Pankha Toli, Muzaffarpur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sakl immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 70 Dhurs with building at Mohalla Saraiyagani, Muzaffarpur more fully described in deed No. 15759 dated 27-11-1979 registered with the District Sub-Registrar, Muzaffarpur.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna

Date: 7-7-1980,

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 7th July 1980

Reg. III-417/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 8, (old) 18 (New) Holding No. 299, Thana No. 406 etc. situated Mohalla karaiyagan], Muzaffarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 20-2-1980

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gyan Mohan Dass, S/o Shri Chhatu Lal Das, Saraiyaganj, Shankar Bagh, Muzaffarpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Jagataran Choudhury, W/o Shri Arjun Pd. Choudhury, Mohalla Kaji Mohammadur Kzai, Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 11 Dhurs with pucca building in Mohalla Saraiyagani, Muzaffarpur more fully described in deed No. 2087 dated 20-2-1980 registered with the District Sub-Registrar, Muzaffarpur.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Date: 7-7-80.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PATNA

Patha-800001, the 7th July 1980

Ref. No. III-418/Acq/80-81—Whereas, I, .J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Ward No. 8 Old, 18 New, Holding No. 299, Thana No. 406 etc. situated at Mohalla Saraiyaganj, Muzaffarpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 8-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transfor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

. :

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons. namely:—

- Shri Gyan Mohan Das, s/o Shri Chhatu Lal Das, At/ P.O. Saraiyaganj Shankar bagh, Distt. Muzaffarpur. (Transferor)
- (2) Shrimati Jagataran Choudhury, W/o Shri Arjun Pd. Choudhury, At/P.O. Kazi Mohammadpur, Pankha Toli, Muzaffarpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 10 Dhurs with building situated at Mohalla Saraisyagani, Distt. Muzaffarpur more fully described in deed No. 4467 dated 8-4-80 registered with the District Sub-Registrar, Muzaffarpur.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna

Date: 7-7-1980

Scal:

(1) Shri Mani Lal Gorasia, S/o Chhota Lal Gorasia, At & P.O Chas, Distt. Dhanbad.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 7th July 1980

Ref. No. III-419/Acq/80-81—Whereas I, J. NATH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mouza No. 30, Khata No. 566 Plot No. 6998 etc. situated at Chas, Dhanbad.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chas on 13-11-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shrimati Sarala Devi Rampuria, W/o Sri Magan Mal Rampuria, (2) Smt. Bimala Devi Rampuria, W/o Sri Nem Chand Rampuria, At & P.O. Chas, Pargana Khaspel, Distt. Dhanbad,

(Transferec)

(3) M/s Sangita Cloth Emporium, Chas, Dhanbad.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

5 decimal land with pucca house construction thereon bearing Mouza No. 30, Khata No. 566, Plot No. 6998 etc. situated at Chas, Dhanbad more fully described in deed No. 9062 dated 13-11-1979.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna,

Date 7-7-1980. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 7th July 1980

Ref. No. III-420/Acg/80-81 --Whereas I, J. NATH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Improvement Trust Plot No. 84C, (Part) Ward No. 11(old) 18 (New), Thana No. 4, etc. situated at Rajendra Nagar, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 21-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gopi Krishna Sinha, S/o Late Ishwari Prasad Sinha, At & P.O. Maheshpur, Distt. Moughyr, Presently at Congress Maidhan, Kadamkuan, Patna-3.

(Transferor)

(2) Shrimati Madhuri Singh, W/o Shri Lakshmi Narayan Singh, At. Rajendra Nagar, Patna-16, C/o Shri Mirtunjay Narain Singh, R.K. Avenue Road, Rajendra Nagar, Patna-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

4 Kathas 6 Dhurs land at Rajendra Nagar Road No. 2B, P.S. Kadamkuan, Patna more fully described in deed No. 7070 dated 21-11-1979 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Date 7-7-1980

Scal:

#### FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 7th July 1980

Ref. No. III-421/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Circle No. 13 New, Holding No. 30/29, Ward No. 5, Sheet No. 53 etc. slutated at Bakerganj, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 23-11-1979

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Arun Prasad, of Mohalla Bakerganj, P.S. Kadamkuan, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Rajib Kumar Verma, Minor represented by his mother Smt. Bimala Devi of Mohalla Grhatta, P.S. Khajakala, Patna City, Distt. Patna.

(Transferees)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

164 decimal land with pucca building in Mohalla Bakerganj in Patna town, more fully described in deed No. I 6076 dated 23-11-79 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna

Date: 7-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 7th July 1980

Ref. No. III-422/Acq/80-81— Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Holding No. 30/29 (Part) Ward No. 5, Sheet No. 53 etc. situated at Bakerganj, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Arun Prasad of Bakergani, P.S. Kadamkuan, Patna town.

(Transferer)

 Smt. Bimaia Devi of Mohalla Gorhatta, P.S. Khajakala, Patna City, Dt. Patna

(Transferee

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used harein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 16½ decimal with pueca building erected on it bearing Holding No. 30/29 (Part) Ward No. 5, Sheet No. 53 under the Zamindar of Bihar State more fully described in deed No. I-6063 dated 22-11-1979 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Patna

Date: 7-7-1980,

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 7th July 1980

Ref. No. III-423/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 481, Khata No. 1, Thana No. 212, etc. situated at Shamlong, Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

28-196GI/80

 Shri Badri Prasad Tebriwalla, residing at 4, Shindali Road, Aliporo, Calcutta, Shri Lalit Prasad Iremaini residing at Chutia Road, Shamlong, Ranchi.

(Transferər)

(2) M/s Bihar Udyog, through Shri Suresh Kumar Khemka, Partner, M/s Bihar Udyog, Ranchi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land with building, factory, Shed, Godown and other structures, more fully described in deed No. I 6055 dated 22-11-1979 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

J NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitin Range, Patra

Date: 7-7-1980.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN Cochin-682016, the 9th July 1980

Ref. L.C. 412/80-81—Whereas, I, V. MCHANIAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy, No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Ernakulam on 27-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice hereby subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri P.P. Narayana Pillai Geethe Nivas, Diwans Road, Ernakulam

(Transferors)

(2) Shri S. Harjit Singh, XLI/840 A.S. Bave Road, Ernakulam Ernakulam

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:—
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as per schedule attached to doc No. 4059 dt. 27-11-79

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rage, Ernakulam

Date: 9-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA (1) Smt. Radha Devi, Gcctha Nivas, Diwans Road, Ernakulam.

(Transferors)

(2) Shri Manjit Singh, XLI/840, A.S. Bava Road, Ernakulam.

(Transfere o

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 9th July 1980

Ref. L.C. 413/80-81—Whereas I, V. MOHANIAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 29-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as per schedule attached to document No. 4085 dated 29-11-19780.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitin Range, Ernakulam

Date 9-7-1980. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Radha Devi, Geetha Nivas, Diwans Road, Ernakulam,

(Transferor)

PART III—SEC. 1

(2) Shri Manjit Singh, XLI/840 A.S. Baya Road, Ernakulam.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 9th July 1980

Ref. No. L.C. 414/80-81.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Ern; kul; m (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 27-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, mamely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as per schedule attached to doc. No. 4060/dt. 27-11-1979

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 9-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE COCHIN Cochin-682016, the 14th July 1980

Ref. No. L.C. 415/80-81-Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Tripoonithura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tripoonithura on 15-11-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair 'market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shri Vijaya Kumaran, T.V. Neelamuttam, Puthiya Kavu, Tripoonithura.

(Transferor)

(2) Shri K.S. Chathunny, Kottara House, Mission Quarters, Trichur-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

11 cents of land with buildings as per schedule attached to document No. 3986/79 dt. 15-11-1979.

> V. MOHANLAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Date: 14-7-1980

#### FORM ITNS----

 Smt. Gulwant Kaur W/o Sardar Ajit Singh S/o Sardar Lal Singh R/o 282-L, Model Town, Sonepat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Azad Steel Industries, Neur I.T.1., Shadiapur Road, Vill K ; ur, Distt. Sonepat,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK Rohtak, the 30th June 1980

Ref. No. SPT/17/79-80- Whereas I, G.S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring six bighas situated at Vill. Kalupur Teh. Sonepat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 Bighas situated in Municipal Limit at Village Kalupur Distt. Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3957 dated 9-11-79 with the Sub Registrar, Sonepat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak,

Date: 30-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak the 28th June 1980

Ref. No. GRG/21/79-80—Whereas I, G.S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 159/11, Inder Puri, situated at Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gurgaon in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri B.S. Sarpal, H. No. E.P.T.-51, Sarjojini Nagar, New Delhi-110023.

(Transferor)

(2) S/Shri Satish Chander & Harish Chander, 9/477, Gali Maha Dev, Agra.

(Transferee)

(3) Dr. G.D. Bangia,
 H. No. 159/11, Inderpuri,
 Gurgoan.
 (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being House No. 159/11, Inder Puri, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3254 dated 22-11-1979 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 28-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Sarabjit Singh S/o Sh. Gurbachan Singh, Village Ratangarh Teh. & Distt. Kurukshetra, (Transferor)

(2) M/s Laxmi Solvent Industries, Rattangarh Teh & Distt. Kurukshetra.

(Transferee)

[PART III—SEC. 1

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1980

Ref. No. TSR/11/79-80—Whereas I., G.S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi with land measuring 8 kanals situated at Vill. Rattangarh (Shahbad Markenda)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thansar in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being Kothi with land measuring 8 kanals situated at Village Rattangarh (Shahabad Markanda) and as more mentioned in sale-deed registered at No. 3816 dated 27-11-1979 with the Sub Registrar, Thanesar.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 28-6-1980

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1980

Ret. No. GRG/24/79-80:—Where s I, G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 252/11 (New No. 455/7) situated at Old Railway Road, Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gurgaon in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Bhagwan Dass Tailor Master, Sant Lai Market, Sadar Bazar, Gurgaon. (Transferor)
 Smt. Kaushaiya Wanti C/o Sh. S.K. Sharma,

(2) Smt. Kaushalya Wanti C/o Sh. S.K. Sharma, Advocate. Old Railway Road, Gurgaon.

(Transferco)

(3) M/s Asam Wood Crafts, Old Rly Road, Gurgaon,

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovnble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being Old house No. 252/11, New No. 455/7 situated at Old Railway Road, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3454 dated 14-12-1979 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G.S. GOPALA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

29-196 GI/80

Date 28-6-1980

#### 

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONNER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rothak, the 28th June 1980

Ref. No. SPT/22/79-80—Whereas I, G.S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,300/and bearing No.

Land measuring 60 kanals 6 marlas situated at Village Kundli (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sonepat in January, 1980

for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conce. Iment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Chander Prabha D/o Shesh Pal Singh R/o Kundli and W/o Sh. Triloki Nath S/o Bashesher Nath R/o Bundapur.

(Transferor)
Trust, Kundli

(2) M/s Gedore Expeller Unit, Housing (Sonepat),

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 60 kanals 6 marlas situated at Village Kundli and as more mentioned in sale deed registered at No. 4775 dated 16-1-1980 with the Sub-Registrar, Sonepat.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range, Rohtak

Date 28-6-1980. Seal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1980

Ref. No. AMB/31/79-80. Whereas 1., G.S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 35-L (measuring 572 sq. yds) Model Towns situated at Ambala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sardar Singh Sahni S/o Shri Gurbachan Singh Sahni, G-9, Gangpura Extension, New Delhi-110014 (Transferor
- (2) 1. Shri Vinod Kumar Gupta S/o
  Shri Prem Nath Gupta.
  2. Smt. Angoori Devi W/o Sh. Prem Nath Gupta
  R/o House No. 2081/6, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being House No. 35-L measuring 572 sq. yds situated at Ambala and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 4951 dated 29-1-1980 with the Sub Registrar, Ambala.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 28-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak the 28th June 1980

Ref. No. JDR/27/79-80—Whereas I, G.S. GOPAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 60-A situated at Model Town, Yamunagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagadhari in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Jagmohan Kapoor, Manmohan & Kanwal Kapoor S/o Shri Ram Lal Kapoor, Model Town, Yamunagar (Transferor)
- (2) S/Shri Manjit Singh Gadhok, Hari Kishan Gandhok, S/o Shri Mohan Lal Gandhok, R/o 69-A, Model Town Yamunanagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this motice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being House No. 60-A situated at Model Town, Yamunan gar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5756 dated 19-3-1980, with the sub-Registrar, Jagadhar;

G.S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, R ohtak

Date: 28-6-1980

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak the 28th June 1980

Ref. No. SFD/1/80/81—Whereas I, G.S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop situated at Mandi Safidon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Safidon in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Chattar Bhuj & Jagdish Rai sons of Shri Mai Ram R/o Safidon.
  - (Transfero
- (2) S/Smt. Kaushal Devi, Vidya Devi and Bohti Devi R/o Safidon. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servict of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being shop situated at Safidon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 25 dated 7-4-1980 with the Sub-Registrar, Safidon.

G.S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date - 28-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak the 15th July 1980

Ref. No. KNL/41/79-80—Whereas I. G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Showroom No. 3 with verandah and land situated at G.T Road, Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Karnal in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Gian Singh s/o Shri Ladha Mal,
(2) Shri Jagdish Singh and Kuldip Singh sons of Shri
Gian Singh, residents of Model Town Karnal
(Transferor)

(2)(1) Smt. Kanta Rani w/o Sh. Des Raj R/o Jarnaili Colony, Karnal.

(2) Smt. Harbans Kaur w/o Sh. Sardar Singh R/o Bishanpura, Karnal. (Fransfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being Showroom No. 3 situated at Chowk Mall Road, G.T. Road, Karnal and as described more in the sale deed registered at No. 4890 dated 29-11-1979 with the Sub-Registrar, Karnal.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Rohta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 15-7-1980 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak the 15th July 1980

Ref. N. JDR/17/79-80—Whereas I. G.S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing No.

Factory building situated at Railway Road, Jagadhari (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

- (1) Shri Inder Singh s/o Shri Pritam Singh
   (2) Shri Harbans Singh s/o Shri Pritam Singh c/o
   M/s I.H. Mctal Industrial, Railway Road, Jagadhari.
  - (Transferor)
- (2) (1) Shri Hasturi Lal s/o Shri Bhagwan D. ss (2) Shri Kishan Lal s/o Shri Mani Ram c/o M/s N.M. Metal Works, Jagadhari. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being Factory Building known as M/s I.H. Meta Industries, Railway Road, Jagadhari and as described more in the sale deed registered at No. 3957 dated 10-12-1979 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Rohtak

Date 15-7-1980

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th July 1980

Ref. No. AMB/24/79-80 -Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 107 Kanal 4 marta situated at Vill. Dheen Teh.

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Sardha Nath Chela Sh, Samunder Nath R/o Ambala City,
   (Transferor)
- (1) S/Shri Madan Lal, Mulakh Raj S/o Shri Anokh Raj.
   (2) Smt. Puspha Wanti W/o Sh. Madan Lal R/o Ambala City.

  (Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 107 kanal 4 marla situated at Vill, Dheen Teh. Ambala and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 3894 dated 14-11-1979 with the Sub-Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Robtak

Datet 17-7-1980. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACOUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th July 1980

Ref. No. Amb/26/79-80—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
Land measuring 77 kanal 3 marla
situated at Vill. Dhin Distt. Ambala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ambala in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30—196GI/80

 S/Shri Jile, Kesar Ram, Amrik Singh Chhotu Ram & Gulzar Singh, Gulab Singh s/o Shri Sardara Ram, R/o Vill. Dhin, Tehsil Ambala.

(Transferor)

 (1) S/Shri Dhanpat, Arjan s/o Sh. Shadi Ram,
 (2) Sh. Glan Singh, R/o Surja Ram Vill. Rurki Teh. Ambaja.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 77 kanal 3 marla situated at Village Dhani Teh. Ambala and as more mentioned in the sale deed registered at No 4040 dated 23-11-1979 with the sub-Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-7-1980

NOTICE U/S 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th July 1980

Ref. No. JDR/15/79-80—Whereas, I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 140-A situated at Model Town, Yamunanegar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagadhari in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Raj Rani W/o Mehta Ishar Dayal, Model Town, Yamunanagar.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Duggle s/o Sh. Chaman Lal, Shri Chaman Lal S/o Shri Gian Chand, 140-A, Model Town, Yamunanagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being house No. 140-A situated at Model Town, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3736 dated 21-11-1979 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-7-1980,

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE ROTHAK

Rohtak the 22nd July 1980

Ref. No. RTK/25/79-80—Whereas I. G.S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Porperty No. 31 & 32 Ward No. 10, situated at Civil Road, Robtak

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rohtak in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vipin Gupta S/o Shri Gurdas Singh, R/o Mohalla Kalala, Rohtak.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Narsingh Dass Chhabra S/o Sh. Ladha Ram.
   (2) Smt. Bimla Devi W/o Sh. Narsingh Ram Chhabra R/o Sir Chhotu Ram Bhawan, Civil Rohtak.
- (3) M/s Tyre Re-sole Company Civil Road, Rohtak. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being House & Shop No. 31 & 32 Ward No. 10, Situated at Civil Road, Rohtak and as more mentioned in the registration deed registered at No. 3175 dated 16-11-1979 with the Sub-Registrar, Rohtak

G.S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date 22-7-1980 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### **ACQUISITION RANGE JULLUNDUR**

Jullundur the 9th June 1980

Ref. No. A.P. No. 214/3—Whereas I, B.S. Dehiya being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Gali No. 15 Mandi Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the sisue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Jarnail Singh, Gurnam Singh, Sapuran Singh, Kartar Singh R/o Dharag Wala Teh. Fazilka.

(Transferor)

- (2) Shri Gurbaj Singh S/o Sh. Kartar Singh S/o Sh. Bhαg Singh R/o Vill. Muradwala Singh Teh. Fazilka. (Transferees)
- (3) As per Sr. No. 2 sabove. (Person in occupation o the property)
- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1832 of Nov. 1979 of the Registering Authority, Abohar.

B. S. Dehiya
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jullundur

Date 9-6-1980 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR Juliundur the 20th June 1980

Ref. No. A.P. No. 2145—Whereas, I B.S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Vill, Nurpur Khirewali, Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kapurthala on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Agyapal Singh S/o Hari Singh S/o Santa Singh R/o Vill. Nurpur Khirewali P.O. Nurpur Khirewali Teh. & Distt. Kapurthala,

(Transferor)

(2) Shri Pargan Singh, Darshan Singh Jagir Singh s/o Sh. Sunder Singh Vill. Nurpur Khirewali Teh. & Distt. Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the prperty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed no. 3222 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Kapur thala.

B.S. Dehiya,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jullundur

Date 20-6-1980 Seal:

#### FORM.ATNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th June 1980

Ref. No. A.P. No. 2146-Whereas I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Vill. Bajwara Teh, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ilfteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other, assets, which, have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shri Gurmej Lal Chamba alias Makhan Lal S/o 5h. Bhana Ram, Vill. Bajwara, Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

Shri Gurdas Ram S/o Suba Ram Vill. Bajwara Distt. Hoshiarpur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (person in occupation of the property.)
- (4) Any other persons interested in the property. (person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3936 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Hoshiar-

> B. S. DEHIYA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Juliundur.

Date 20-6-1980 Seal:

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 20th June 1980

Ref. No. A.P. No. 2147—Whereas I, B.S. Dchiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at New Railway Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Insome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the eaid Act, or the Westith tak Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Kartar Singh S/o Sh. Ram Singh R/o Kapurthala "Road, Juilundur.

(Transferor)

- (2) Shri Joginder Singh s/o Sh. Gopal Singh C/e Teston Punjab Harmonian, New Railway Road, Julh rcur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other persons interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45° days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 50 Tays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5768 of Nov. 1979 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 20-6-1930

Soal:

NOTIEC UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 26th June 1980

Ref. No. A.P. No. 2148—Whereas I. B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing at per Schedule situated at Laipat Nagar, Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Nov. 1979

an apparent consideration which the fair market value of the aforesald property, and reason to believe that the fair market I have property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surindor Parkash S/o
 M. R. Pandit R/o 26-Lajpat Rai Nagar, Jullundur (Present address not known).

(Transferor)

(2) Shri Charan Dass S/o Sh. Mangat Ram Vill. & P.O. Samrai Teh. Phillaur Distt. Jullundur.

(Transforce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersinged knows to be interested in the proprety

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5776 of Nov., 1979 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 26-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd July 1980

Ref. No. A.P. No. 2149—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Arya Samaj Mandir Road, Hoshiarpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

31—196GI/80

- (1) Shri Ajit Singh S/o Shri Balwant Singh S/o Bhagwan Singh Arya Samaj Mandir Road, Hoshjarpur at Present R/o 924 Sigho Gogyu Street Poona.

  (Transferor)
- (2) Dr. Shiv Charan Dass, Tripta Devi Sood, Charitable Trust Arya Samaj Mandir Road, Hoshiarpur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other persons interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3406 of Nov. 1979 of the Registering Authority, Hoshiarpur,

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 3-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, 27th June 1980

Ref. No. ÅP. No. 2150—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Vill Naurangshahpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Nov. 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagat Singh S/o Sh Deva Singh Vill. Mehat Teh. Phagwara. (Transferor)
  - (2) Shri Daljit Singh S/o Sh, Jagat Singh Vill. Mehat Teh, Phagwara. (Transferee)
  - (3) As per Sl. No. 2 above in occupation of the property
  - (4) Any other persons whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration deed No. 1582 of Nov. 1979 of the Registering Authority Phagwaral,

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date 27-6-1980. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1980

Ref. No. A.P. 2151—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vill, Apra.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Charanjit Singh S/o Rattan Singh Vill. Samrari Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) S/Shri Ajmer Singh, Gurmeet Singh, Balbir Singh Vill. Samrari Teh. Phillaur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3419 of Nov. 1979 of the Registering Authority, Phillaur.

B. S. DEHIYA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date 7-7-1980. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1980

Ref. No. A.P. No. 2152—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Asiper Schedule situated at Mall Road, Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer_at

Kapurthala on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Usha Devi W/o Harmohinder Singh R/o Malma Road, Kapurthala

(Transferor)

- (2) Smt. Surinder Kaur W/o Kartar Singh Smt. Darshan Kaur W/o Sh. Mohan Singh and Rajinder Singh, Raviinder Singh S/o Sh. Mohan Singh, Kapurthala. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2422 of Nov. 1979 of the Registerning Authority, Kapurthala.

B. S. DEHIYA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date 7-7-1980. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1980

Ref. No. A.P.No. 2153—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Mall Road, Kapurthala.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Kapurthala on Nov. 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Brijinder Singh S/o Harmohinder Singh through Sh. Dan Singh Alias Devika wife solf, Kapurthala. (Transferor)
- (2) Shrimati Sumecta Ghai, Neelim Ghai Ds/o Shri Om Parkesh, Kanwal Kumer S/o Shri Nerain Dass R/o Kapurthala.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 Above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undertsinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2470 of Nov. 1979 of the Registering Authority, Kapurthala.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 7-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Juliundur, the 4th July 1980

Ref. No. A.P. No. 2154—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-As per Schodule situated at Moh. Sodianwala, Ferozepur City. No. 10, Model School Road, situated at Madras-600 006 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Kunti Devi, Widow of Shri Amrit Rai, R/o Mohalla Sodian wala, Ferozepur City.

(Transferor)

(2) Shri Raj Paul Kapoor S/o Ram Chand R/o Mohalla Sodianwala, Ferozepur City.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Register at on sale deed No. 3992 of Nov. 1979 of the Registering Authority Ferozepur.

B. S. DEHIYA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Juliundur.

Date 4-7-1980.

 Shri Gian Chand, son of Sh. Radha Kishan R/o Toori Bazar, Ferozepur City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandur, the 4th July 1980

Ref. No. A.P. No. 2155—Whereas, I B.S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Toori Bazar, Ferozepur City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Nov, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuant of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Baldev Kumar, Sh. Parmod Kumar S/o Sh. Ram Gopal, R/o Kucha Saudagar Mal, Ferozepur City. (Transferee)

- (3) A_S per Sr. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interes ted in the property.

  (Person whom the under signed knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3753 of Nov. 1979 of the Registering Authority, Ferozepur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 9th July 1980

Ref. No. A.P. No. 2156—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Khera Road, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Gurmit Kaur W/o Sohan Singh, Vill. & P.O. Chahal Kalan, Distt. Juljundur.

(Transferor)

(2) Shri Yash Pal & Satish Chander Ss/o Mohinder Pal, Mohalla Bedian, Phagwara.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Rogistration sale deed No. 1511 of Nov. 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 9-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th July 1980

Ref. No. A.P. No. 2157---Whereas, I, B. S. DEHIYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Khera Road, Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Sohan Singh S/o Gurdev Singh, Vill & P.O. Chahal Kalan, Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Pal S/o Nathu Ram & Bansi Dhar S/o Mohinder Lal, Mohalla Bedian, Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1512 of Nov. 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 9-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 9th July 1980

Ref. No. A.P. No. 2158—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Khera Road, Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara on Nov. 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Gurdev Kaur W/o Sohan Singh, R/o Chahal Kalan, Distt, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Bansi Dhar, Yash Pal, Satish Chander & Mohinder Pal Ss/o Nathu Ram, R/o Mohalla Bedian, Phagwara.

  (Transferees)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said: immovable property within 45 days from the dateof the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same menning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1534 of Nov. 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taxAcquisition Range, Jullundur

Date: 9-7-1980.

### (I) Shri Virendra Thakka through Bhuneshwar Singh (Transferor)

(2) Shri (1) Ajai Singh (2) Rakesh Bahadur Singh (3) Vinay Bahadur Singh (4) Abhai Bahadur Singh (5) Smt. Bahadur Singh

(Transferee)

(3) Dy. Director of Education Vth Circle UP Varanasi (Tenant)

(Person is occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

•

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF, LUCKNOW 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 26th July, 1980

Ref. No. GIR No. A-83/Acq.—Whereas I A.S. BISEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-20/51-A, Qaiser Castle, Burana Bridge situated at Pargana Debat Amanat, Varanasi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 14-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the bability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of property No. S-20/51-A known as Qaiser Castle situated at Settlement plot No. 4/1 and 4/2, Pargana—Dehat Amanat, Mohalla-Varuna Bridge, Varanasi (Municipal No. S-20/51 and 20/52 and present Nagar Mahapalika No. S-20/51-A) including land and building, and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 11868 and sale deed which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 14-12-1979.

(A. S. BISEN)

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 26-7-1980.